THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 302 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.8 2079 रविवार, 15 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

शुभकामनाएँ

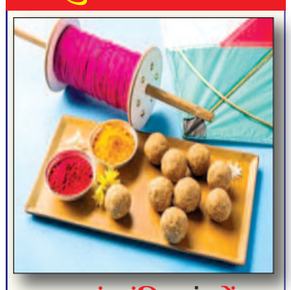

मकर संक्रांति एवं **पोंगल** के शुभ अवसर पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों व शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

–डॉ. गिरीश कुमार संघी
प्रधान संपादक

सूचना

मकर संक्रांति के अवसर पर 15 जनवरी को **स्वतंत्र वार्ता** कार्यालय में **अवकाश** रहेगा। अतः अगला अंक दि. 17 जनवरी, 2023 को प्रकाशित होगा। **–प्रबंधक**

गडकरी को धमकी भरे कॉल

जान से मारने की धमकी पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

नागपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को जान से मारने की धमकी मिली है। आज सुबह 11:30 बजे नागपुर के खामला चौक स्थित नितिन गडकरी के ऑफिस में उन्हें जान से मारने की धमकी देने वाला फोन आया। किसी अज्ञात शख्स ने दो बार फोन कॉल किया।

पहली कॉल 11:30 बजे आई, इसके 10 मिनट बाद 11:40 बजे दूसरी कॉल रिसीव हुई। तीसरा कॉल 12.32 बजे बीएसएनएल नेटवर्क से किए गए थे। केंद्रीय मंत्री के कार्यालय की ओर से पुलिस को इसके बारे में सूचना दी गई। नागपुर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

नितिन गडकरी के कार्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। नितिन गडकरी के संसदीय कार्यालय से उनके आवास की दूरी सिर्फ 1 किमी है। नागपुर पुलिस के मुताबिक केंद्रीय मंत्री के जनसंपर्क कार्यालय में लैंडलाइन नंबर पर कॉल करके दाऊद के नाम पर उनको जान से मारने की धमकी दी गई। धमकी देने वाले ने 100 करोड़ रुपये की फिरौती की भी मांग की। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने जिस नंबर से कॉल की गई उसे ट्रेस कर लिया है। कर्नाटक के किसी इलाके से यह थ्रेट कॉल की गई थी। आरोपी की गिरफ्तारी की कोशिशें जारी हैं। नितिन गडकरी नागपुर कार्यालय के आस-पास होने वाली हर एक मूवमेंट पर सुरक्षा कर्मियों की पैनी नजर बनी हुई है। आपको बता दें कि

नागपुर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का संसदीय क्षेत्र है। उनकी गिनती मोदी सरकार के सबसे अच्छा काम करने वाले मंत्रियों में सबसे ऊपर होती है। देश के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में नितिन गडकरी ने गत 8 वर्षों में बेहतरीन काम किया है। आने वाले दिनों में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, दिल्ली अमृसर एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेस-वे, द्वारका एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे के रूप में वह देश को बुनियादी ढांचे से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात देने वाले हैं। उनका मंत्रालय देश के लगभग हर राज्य में बेहतरीन रोड कनेक्टिविटी के लिए कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 12 जनवरी को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित आटो एक्सफो 2023 का उद्घाटन करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 2024 तक अमेरिका के बराबर रोड इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। गडकरी ने कहा कि लोग मुझे दोष दे रहे हैं कि आप रोड बना रहे हैं और रोड एक्सीडेंट बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 18 से 34 साल के लोगों की सबसे ज्यादा रोड एक्सीडेंट में मौतें हो रही हैं। नागरिकों को रोड सेफ्टी पर ध्यान देना होगा। नितिन गडकरी ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य में उड्डयन, रेलवे, सड़क परिवहन, रसायन और उर्वरक उद्योगों में ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत होगा।

गोवा का क्लब संचालक हैदराबाद में धराया

एसपी बोले ड्रग माफिया के खिलाफ हो रही कार्रवाई

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा के हिलटॉप क्लब के संचालक स्टीफन डिसूजा को नारकोटिक्स से जुड़े एक मामले में हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गोवा पुलिसनॉर्थ के एसपी निधिन वलसान ने कहा है कि ड्रग माफिया के खिलाफ हैदराबाद और गोवा पुलिस मिलकर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि एक पुराने मामले में स्टीफन को हर हफ्ते हैदराबाद पुलिस के समक्ष पेश होना था। इस बार जब वह वहां गया तो हैदराबाद पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने यहां के चेंबूर इलाके में बिना वैध दस्तावेजों के खांसी की दवाई की कई बोतलें ले जाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरसीएफ थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक किरण मांद्रे ने कहा कि उन्होंने कुछ दिन पहले माहुल रोड पर एक कार को रोका और कफ सिरप की बोतलें जब्त कीं थीं। उन्होंने कहा कि खांसी की दवाई के इस विशेष ब्रांड को अक्सर नशा करने के लिए दुरूपयोग किया जाता है। पुलिस को वाहन में भारी मात्रा में नशीली गोलियां भी मिली हैं। मांद्रे ने कहा कि चारों पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और वे पहले से ही कई ड्रग मामलों का सामना कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साजिश था, नंबी नारायण से जुड़ा इसरो जासूसी कांड

केरल हाईकोर्ट में सीबीआई का बड़ा दावा

कोच्चि, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 90 के दशक में हुए इसरो जासूसी कांड को लेकर सीबीआई ने बड़ा दावा किया है। दरअसल केरल हाईकोर्ट में सीबीआई ने कहा है कि इसरो जासूसी कांड, अंतर्राष्ट्रीय साजिश थी क्योंकि वैज्ञानिक जानकारी लीक होने की बात मनगढ़ंत थी। केरल हाईकोर्ट में इसरो जासूसी कांड में साजिश रचने के आरोपियों की गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका पर सुनवाई हो रही थी। इसी दौरान सीबीआई ने आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए उक्त दावा किया। बता दें कि इसरो जासूसी कांड में अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायण को गिरफ्तार किया गया था। जासूसी कांड के समय नंबी नारायण इसरो में लिक्विड प्रोपेलेंट इंजन वैज्ञानिक थे और उन्हें जासूसी कांड में फंसाया गया था। हाईकोर्ट में सीबीआई ने कहा कि नंबी नारायण की गिरफ्तारी संदिग्ध अंतर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा थी। इस दावे के समर्थन में मंगलवार को केस डायरी जारी की जाएगी। सीबीआई ने कहा कि मामले के आरोपियों से पूछताछ

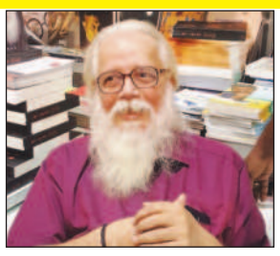

की जरूरत है और ऐसे में उन्हें अग्रिम जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

बता दें कि आरोप था कि साल 1994 में नंबी नारायण ने क्रायोजेनिक इंजन तकनीक एक मालदीव की नागरिक रशीदा के द्वारा पाकिस्तान को बेची थी। इस मामले में केरल पुलिस ने नंबी नारायण के साथ ही इसरो के तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर डी शशिकुमारन और रशीदा की मालदीव की दोस्त फौजिया हसन को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के वक्त नंबी नारायण इसरो में क्रायोजेनिक इंजन प्रोजेक्ट के डायरेक्टर थे।

हालांकि जांच के बाद नंबी नारायण निर्दोष पाए गए। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने साल 1998 में नंबी नारायण को जेल से रिहा करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद नंबी नारायण को 50 दिन और जेल में गुजारने पड़े थे। नंबी नारायण ने इस मामले पर एक किताब लिखी है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी खूफिया एजेंसी सीआईए ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को रोकने के लिए साजिश रची थी, जिसमें उन्हें फंसाया गया।

मनीष सिसोदिया के घर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को ट्वीट कर दावा किया कि सीबीआई ने उसके दफ्तर पर छापा मारा है। उन्होंने टीम का स्वागत किया। इधर, जांच एजेंसी ने छापे की बात से इनकार करते हुए कहा, हमारे अफसर उनके दफ्तर से कुछ कागज लेने गए थे।

सिसोदिया ने अपने ट्वीट में लिखा, सीबीआई उनके घर पर पहले भी छापा मार चुकी है। उनके गांव भी पहुंच चुकी है। सीबीआई को उनके खिलाफ ना कुछ मिला है, ना कुछ मिलेगा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है।

भारत जोड़ो यात्रा में सांसद संतोख चौधरी का निधन

मोदी लहर के बावजूद जालंधर से दूसरी बार सांसद बने, बेटा भी विधायक

अमृतसर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जालंधर से कांग्रेस के सांसद चौधरी संतोख सिंह की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। उन्हें अटैक आने पर तुरंत एम्बुलेंस में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उनके निधन की खबर मिलने के तुरंत बाद राहुल गांधी यात्रा बीच में ही रोक उन्हें देखने के लिए रवाना हो गए। पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री रजिंदर कौर भट्ठल ने जानकारी दी कि जिस समय यह

सूचना मिली, वे सभी टी-ब्रेक के लिए राहुल गांधी का इंतजार कर रहे थे।

सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते ही राहुल गांधी अस्पताल के लिए रवाना हो गए। सांसद संतोख सिंह जालंधर से मौजूदा सांसद थे और उनकी उम्र 76 साल थी। देश में मोदी लहर होने के बावजूद वह सांसद बनकर 2019 में लोकसभा पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने 2014 में जीत दर्ज की थी।

वैसे तो सांसद संतोख सिंह की उम्र 76 के करीब थी, लेकिन उनकी फिटनेस युवाओं को भी टक्कर देती थी। बताया गया है कि सांसद चौधरी रोजाना 30 मिनट जिम में वर्क आउट करते थे। कितनी कैलोरी बर्न करनी है, वह इसका पूरा ध्यान रखते थे। सांसद चौधरी गोल्फ खेलने का भी शौक रखते थे।

सत्येंद्र जैन का सेल बना सचिवालय का एक्सटेंशन

भाजपा ने कहा दिल्ली से बाहर किसी जेल में शिफ्ट करें

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन को दिल्ली से बाहर किसी जेल में शिफ्ट करने की मांग की है। भाजपा ने मांग की है कि जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता जैन को तिहाड़ जेल के अंदर उनके आचरण के कारण दिल्ली से बाहर किसी जेल में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

तिहाड जेल में सत्येंद्र जैन का सेल बना दिल्ली सचिवालय का एक्सटेंशन :

दिल्ली भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि तिहाड़ जेल के अंदर जैन का सेल दिल्ली सचिवालय का विस्तार बन गया है। साथ ही केजरीवाल ने अभी तक उन्हें दिल्ली मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया है। उन्होंने कहा, हम मांग करते हैं कि केजरीवाल जैन को तुरंत मंत्री पद से हटा दें और उपराज्यपाल उन्हें जल्द से जल्द दिल्ली से बाहर किसी जेल में

स्थानांतरित करें।

हाल ही में सत्येंद्र जैन ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों को धमकी दी थी कि सबको बाहर निकलकर देख लूंगा। उन्होंने उनके खिलाफ कुछ भी करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। जैन ने कहा कि चाहे सर्विंग हो या फिर रिटायर्ड किसी को नहीं छोड़ेंगे। जेल अधिकारियों ने लिखित में आप मंत्री के खिलाफ डीजी जेल से शिकायत की है।

सत्येंद्र जैन की जेल अधिकारियों को धमकी :

अपनी शिकायत में तिहाड़ जेल अधिकारियों ने कहा कि जेल में बंद आप मंत्री उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं और जेल से बाहर आने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते हैं। इन अधिकारियों ने सत्येंद्र जैन को मालिश और अन्य वीआईपी सुविधाओं का लाभ उठाने से रोकने की कोशिश की थी। शिकायत करने वाले अधिकारियों में एआईजी जेल, जेल नंबर 7 के अधीक्षक, तिहाड़ जेल के उपाधीक्षक, सहायक अधीक्षक और लॉ ऑफिसर शामिल हैं।

वहीं, मंडोली जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक बार फिर पत्र लिखकर सत्येंद्र जैन पर गंभीर आरोप लगाए। अपने वकील के माध्यम से भेजे पत्र में सुकेश ने जैन पर अपने परिचित जेल अधिकारियों के जरिए धमकाने का आरोप लगाया है। पत्र में उसने लिखा है कि करीब एक महीने पहले वह मंडोली की जेल नंबर 14 में बंद था। यहां सत्येंद्र जैन ने अपने पसंदीदा जेल अधीक्षक और उपाधीक्षक से उसे धमकाया।

जोशीमठ में एनटीपीसी का विरोध, एनटीपीसी गो बैक के लगे नारे

जोशीमठ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जोशीमठ के स्थानीय लोगों ने एनटीपीसी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं स्थानीय लोगों ने अपने आवासीय मकान सहित दुकानों में गाड़ियों में एनटीपीसी के खिलाफ एनटीपीसी गो बैक के पोस्टर लगाकर विरोध करना शुरू कर दिया है।

जोशीमठ में हो रहे लगातार भू-धंसाव से एक ओर जहां जोशीमठ का अस्तित्व लगातार खतरे में हैं वही जोशीमठ के स्थानीय लोग इसका जिम्मेदार एनटीपीसी को मान रहे हैं। स्थानीय लोगों ने एनटीपीसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और सड़कों पर उतरे, वही अब ग्रामीणों ने अपने आवासीय मकान, दुकानों एवं वाहनों में एनटीपीसी गो बैक पोस्टर लगाया है। दूसरी तरफ भू-धंसाव से एशिया के सबसे बड़े जोशीमठ-औली रोपवे की प्लेटफार्म पर दरारें आ गई है। खतरे को देखते हुए रोपेव का संचालन बंद कर दिया गया है। शुक्रवार रात को रोपवे पर ये दरारें आई है।

कारोबारी के घर एएसआई की छापेमारी

100 करोड़ से अधिक की पुरातत्व सामग्री बरामद

कोलकाता, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना के देगंगा में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम ने एक कारोबारी के घर छापेमारी कर 100 करोड़ से अधिक की पुरातत्व सामग्री बरामद करने का दावा किया है। कारोबारी की पहचान असदुज्जमां के रूप में हुई है। पुरातत्व विभाग में एडमिनिस्ट्रेशन जनरल एंड वेलफेयर ट्रस्टी बिप्लव रॉय ने एक अन्य महिला अधिकारी के साथ मिलकर शुक्रवार शाम को असदुज्जमां के घर छापेमारी की। दूसरी ओर, देगांग पुलिस थाने के ऑफिस इंचार्ज श्याम प्रसाद साहा ने बरामदगी की पुष्टि की है हालांकि अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

शनिवार को एएसआई की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि बिप्लव और महिला सहयोगी ने पति-पत्नी बनाकर छापेमारी की योजना बनाई गई थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सीएम धामी ने किया शौर्य स्थल का उद्घाटन

देहरादून, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को चीड़बाग, देहरादून स्थित शौर्य स्थल का उद्घाटन किया। केन्द्रीय रक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने शौर्य स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर उत्तराखण्ड के वीरगति प्राप्त योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शौर्य स्थल का अवलोकन किया एवं शहीदों के परिजनों से मुलाकात भी की। उत्तराखंड वार मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से बनाए गए इस शौर्य स्थल पर प्रदेश के सभी बलिदानी सैनिकों के नाम अंकित हैं। बीते दिसंबर में उत्तराखंड वार मेमोरियल ट्रस्ट ने शौर्य स्थल को सेना को हस्तांतरित कर दिया है। शौर्य स्थल का लोकार्पण करने के बाद रक्षा मंत्री अब शहीद जसवंत सिंह मैदान में वेटरन रैली में हिस्सा लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ ही सीडीएस जनरल अनिल चौहान भी दून पहुंचे।

सीडीएस बनने के बाद जनरल चौहान का यह पहला दून दौरा है। इससे पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी डोईवाला विधायक ब्रिज भूषण गैरोला कैंट विधायक सविता कपूर जिलाधिकारी सोनिका एसएसपी दिलीप कुमार आदि ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया। इस दौरान रक्षामंत्री ने कहा कि जब मैं आप जैसे देश के वीरों के बीच पहुंचता हूं तो मेरा शीश श्रद्धा से झुक जाता है। आपकी वीरता और बलिदान के ऑश्य मेरी आंखों के सामने चमकते रहते हैं। आपने हमारे देश की सीमाओं की रक्षा की है और इसकी एकता और अखंडता को बनाए रखा है। सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर देहरादून में शौर्य स्थल युद्ध स्मारक पर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भी इस देश को जरूरत पड़ी है, उत्तराखंड के वीरों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपने अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, सीडीएस लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (से.नि), सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, पूर्व राज्यसभा सांसद तरूण विजय एवं मेजर जनरल संजीव खत्री ने भी उत्तराखण्ड के वीरगति प्राप्त योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी।

गूगल की मदद से पूरा होगा मध्य प्रदेश की अंकिता का सपना

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। गूगल ने सहभागिता के माध्यम से मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव में रहने वाली अंकिता के सपने को पूरा करने का जिम्मा उठाया है, जो डॉक्टर बनना चाहती है। इसके लिए अंकिता को 25,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 20,32,037 लाख रुपये) की सहायता दी जा रही है।

पूरा होगा अंकिता का सपना

मध्य प्रदेश के छोटे से गांव पात्री की रहने वाली अंकिता धुर्वे डॉक्टर बनना चाहती है। उसके सपनों को पूरा करने के लिए गूगल ने सहभागिता का रास्ता चुना है। गूगल . ओआरजी परिवार एजुकेशन सोसायटी के साथ मिलकर ऐसी 200 लड़कियों की सहायता कर रहा है। गूगल भारत के वाइस प्रेसीडेंट और कंट्री हेड संजय गुप्ता का कहना है कि किसी भी गांव, कस्बे या फिर भाषा को बोलने वाले भारतीय को सीखने का समान अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए शिक्षा और टेक्नॉलॉजी तक पहुंच सुलभ करना आवश्यक है। कंपनी ने महामारी और अन्य आपदाओं के दौरान भी समाज के प्रति अपना सार्थक योगदान दिया था। उल्लेखनीय है कि भविष्य के लिए स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली और असम के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राशन, स्वच्छता किट इत्यादि के माध्यम से घरेलू खाद्य सुरक्षा को बहाल करने वाले संगठनों की सहायता की जा सके।

जोशीमठ की तरह ही धंस रहा अहमदाबाद?

खींच रहा भूजल, बढ़ता समुद्र मिटा रहा गुजरात तट... वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

अहमदाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रकृति के चक्र में हस्तक्षेप करने पर मनुष्य को प्रकृति के प्रकोप का सामना करना पड़ता है। इसी का नतीजा उत्तराखंड का जोशीमठ है। यह इलाका इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना है। जोशीमठ की तरह ही अब अहमदाबाद के लोगों को भी हालातों का सामना करना पड़ सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि समुद्र के बढ़ते स्तर और जलवायु परिवर्तन के कारण गुजरात की लगभग 110 किलोमीटर की तटरेखा कटाव का सामना कर रही है। एक अन्य शोध में कहा गया है कि भूजल भारी मात्रा में खींचे जाने के कारण अहमदाबाद सालाना 12 से 25 मिमी धंस रहा है। शोधकर्ता रतीश रामकृष्णन और अन्य शोधकर्ताओं ने भारतीय तट-गुजरात-दीव और दमन के शोरलाइन चेंज एटलस पर इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के 2021 के शोध में पाया गया है कि गुजरात का 1052 किमी का तट स्थिर है, 110 किमी का तट नष्ट हो गया है। यह भी बताया गया है कि समुद्र के बढ़ते स्तर और जलवायु परिवर्तन के कारण गुजरात राज्य को तलछट के जमाव के कारण 208 हेक्टेयर भूमि का क्षेत्र प्राप्त होने का अनुमान है, जबकि कटाव के कारण राज्य ने 313 हेक्टेयर क्षेत्र खो दिया है। क्रुणाल पटेल और अन्य ने 42 साल के अवलोकन के एक अन्य शोध में कहा गया है कि सबसे अधिक तटीय कटाव कच्छ जिले में हुआ। राज्य का 45.9 प्रतिशत तट नष्ट हो गया है। पटेल और अन्य ने वर्गीकृत किया है, समुद्र के स्तर में अनुमानित वृद्धि के कारण चार जोखिम वर्ग में गुजरात तट, 785 किमी उच्च जोखिम वाले उच्च जोखिम स्तर और 934 किमी मध्यम से निम्न जोखिम श्रेणी में आते हैं। इस शोध के अनुसार, 16 तटीय जिलों में से 10 जिलों में कटाव से पीड़ित होने की सूचना है, कच्छ में सबसे ज्यादा, इसके बाद जामनगर, भरूच, वलसाड का स्थान है। यह कैम्बे की खाड़ी में समुद्र की सतह के तापमान (एसएसटी) में वृद्धि के कारण है। यह पिछले 160 वर्षों में उच्चतम 1.50 सी, ए सौराष्ट्र तट 1 सी और कच्छ की खाड़ी 0.75 सी है। 1969 में, अहमदाबाद जिले के मांडवीपुरा गांव के 8000 ग्रामीणों और भावनगर जिले के गुंडला गांव के 800 लोगों का पुनर्वास किया जाना था, क्योंकि कृषि भूमि और गांव के कुछ हिस्से समुद्र के पानी में डूब गए थे, एक सामाजिक कार्यकर्ता और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी प्रद्युम्नसिंह चुडासमा याद करते हैं। उन्हें डर है कि कैम्बे की खाड़ी के पश्चिमी तट पर बसे अहमदाबाद और भावनगर जिले के अन्य गांव भी समान रूप से जोखिम में हैं।

डोसी गांव में प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग, दूर-दूर तक दिखाई दी आग की लपटें

रतलाम, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रतलाम जिले के डोसी गांव स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। आग प्लास्टिक में लगी होने से कुछ ही देर उसने विकराल रूप धर लिया। आग की सूचना पर शहर सहित आसपास के आधा दर्जन इलाकों से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगी। आग पहले एक फैक्ट्री में लगी थी, लेकिन वह इतनी फैल चुकी थी कि उसने पास में स्थित एक अन्य फैक्ट्री के बाहर रखे प्लास्टिक को अपनी जद में ले लिया और उसने भी आग पकड़ ली। घटना की सूचना पर एसडीएम संजीव केशव पांडे और सीएसपी हेमंत चौहान के साथ बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी तैनात था, जो कि भीड़ को काबू करने में लगा था। आग की ऊंची लपटों को देख बिजली कंपनी द्वारा भी आसपास के क्षेत्र की लाइट बंद कर दी गई थी।

भारत में कोरोना के 179 नए मामले दर्ज

रिकवरी रेट 98.80 प्रतिशत

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में बढ़ते कोरोना की वजह से दुनिया के तमाम देश चिंतित नजर आ रहे हैं. वहीं भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 179 नए मामले सामने आए, उपचाराधीन रोगियों की संख्या घटकर 2,227 रह गई है. स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, नए मामलों के आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4.46 करोड़ (4,46,80,936) हो गई है जबकि केरल में एक व्यक्ति की मृत्यु होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,30,726 हो गई है. स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 30 की कमी आई है. दैनिक और साप्ताहिक संक्रमण दर दोनों ही 0.10 प्रतिशत हैं. उपचाराधीन रोगियों की संख्या कुल संक्रमितों का 0.01 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से ठीक होने की दर बढ़कर 98.80 प्रतिशत हो गई है. बीमारी से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4,41,47,983 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई है.

तीनों सेना प्रमुखों के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचे सीडीएस, पूर्व सैनिकों को किया याद

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस के मौके पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान शनिवार सुबह ही दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचे। यहां उनके साथ तीनों सेना प्रमुखों- थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने पुष्पमालाएं अर्पित कर देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों का नमन किया। इसके बाद सभी सेना प्रमुखों ने अपना बयान भी जारी किया। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि देश को हमारे पूर्व सैनिकों पर गर्व है। सेवानिवृत्ति के बाद सेना के दिग्गजों के लिए नौकरी के अवसरों के लिए रेलवे, मेट्रो और प्रमुख कॉर्पोरेट घरानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम सूचीबद्ध अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं और प्रतिपूर्ति के दावे ऑनलाइन कर दिए गए हैं, पॉलीक्लिनिक का बजट बढ़ा दिया गया है। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी भी 7वें आर्मी वेटरन्स डे में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस हमारे पूर्व सैनिकों द्वारा किए गए स्मरणोत्सव और सम्मान का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मैं उन सभी दिग्गजों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि सरकार की डिजिटल मिशन पहल के हिस्से के रूप में, 'स्पर्श' का संचालन किया गया है, यह प्रणाली पेंशन प्रसंस्करण में पारदर्शिता लाएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एयर वेटरन्स निदेशालय ने पूर्व सैनिकों को उनके वित्तीय मामलों में सहायता करने और प्लेसमेंट सेल के माध्यम से सिविल सेक्टर में प्लेसमेंट खोजने में विश्वसनीय काम किया है।

रिटायर्ड डीएसपी रक्षपाल सिंह यादव कांग्रेस में शामिल, बड़ा मलहरा से लड़ सकते हैं चुनाव

छतरपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट अब शुरू हो गई है। इसी कड़ी में रिटायर्ड डीएसपी रक्षपाल सिंह यादव अपने सहयोगी वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। छतरपुर जिले के कई थानों के थाना प्रभारी रहे और जनता से सीधे जुड़े होने का फायदा उठाते हुए लोकप्रियता को भुनाने के चलते रिटायर्ड डीएसपी रक्षपाल सिंह यादव आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ा मलहरा विधानसभा क्षेत्र के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। बता दें कि बड़ा मलहरा क्षेत्र यादव, लोधी, जैन और दलित बाहुल्य क्षेत्र है, जिसके चलते बीजेपी-कांग्रेस अपने अधिकृत प्रत्याशी इन्हीं समुदाय/जातियों में से खड़ा करती है। इन्हीं में से कोई विधायक चुने जाता है, जिससे कयास लगाये जा रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी से बीजेपी में आ चुके वर्तमान विधायक प्रदुम्न सिंह लोधी के चलते यहां से कांग्रेस का कोई प्रबल दावेदार नहीं है, जिसके चलते कांग्रेस अपना दांव रक्षपाल यादव पर लगा सकती है।

महिला कैदियों के लिए एनसीडब्ल्यू के अहम सुझाव, चीफ बोलीं

सफाई और मानसिक स्वास्थ्य पर दें ध्यान

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने हाल ही में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को चिट्ठी लिखकर जेल के भीतर सुधारों के निर्देश दिए थे. इस बीच राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा ने जेलों में महिला कैदियों के कल्याण के लिए कई सिफारिशें की हैं. महिला जेल कैदियों के लिए उचित स्वच्छता और स्वच्छता सुविधाओं की सिफारिश करने के अलावा, एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने जेलों के राज्य महानिदेशकों डीजी और आईजी से महिला कैदियों के लिए ओपन जेल और हाफवे होम की संभावनाओं पर विचार करने को कहा है. एनसीडब्ल्यू चीफ रेखा शर्मा ने जेलों में महिला कैदियों के कल्याण को प्रभावित करने वाले प्रावधानों पर चर्चा करने के लिए 'पुलिस एडमिस्ट्रेशन इन लाइट्स ऑफ राइट्स ऑफ वोमेन प्रिजनर्स' सेमिनार के दौरान यह सिफारिशें की. इस बैठक में दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), गैर सरकारी संगठनों और शिक्षाविदों के अधिकारियों के साथ-साथ जेलों के लगभग 16 डीजी-आईजी और देश भर के राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था. एक ओपन जेल को किसी भी स्टेट इस्टेब्लिशमेंट के रूप में समझा जा सकता है जिसमें कैदी कम निगारानी में रहें और अपनी सजा पूरी करें. महिला आयोग की अध्यक्ष का सुझाव है कि

महिला कैदियों को लगातार लॉक-अप में न रखा जाए और उनके लिए कुछ ऐसी संभावनाएं तलाशी जाए, जहां उनके मेंटल हेल्थ पर कोई असर न पड़े. उनके लिए साफ-सफाई का खास इंतजाम किया जाए, क्योंकि महिलाएं की और भी कई समस्याएं हैं. एक्सपर्ट भी मानते हैं कि अगर इस तरह के जेलों को स्थापित किया जाता है तो इससे राज्य मानव संसाधनों में सुधार हो सकता है, और महिला कैदियों को मुख्यधारा में पुनर्वास करने में उनकी मदद कर सकता है. राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष द्वारा दिए गए सुझावों में अधिक जेल कर्मचारियों को काम पर रखना, कैदियों द्वारा सामना की जाने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान देना और जेलों में बुनियादी ढांचे की समस्याओं को दूर करना शामिल है. एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, देश में मानसिक रूप से बीमार कैदियों की संख्या में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो अक्सर जेल सिस्टम के दबावों का सामना नहीं कर पाते हैं.

आरोपी शंकर मिश्रा के वकील ने शिकायतकर्ता पर मढ़ा दोष

भड़क उठीं शिवसेना सांसद...

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एअर इंडिया पेशाब मामले के आरोपी शंकर मिश्रा ने शुक्रवार को पहली बार अपनी बात रखकर इस केस को उलझा दिया. दरअसल, मिश्रा ने कहा कि 'शिकायतकर्ता ने ही अपने ऊपर पेशाब की, क्योंकि कथक डांसर्स में ये समस्या होती है, उन्हें कंट्रोल करना नहीं आता. मिश्रा के ऐसे दावों से अब कथक डांसर्स भड़क उठे हैं.' वहीं शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि आरोपी शंकर मिश्रा की कानूनी टीम उसकी ही तरह जाहिल है. एचटी के अनुसार, शंकर के वकील ने दावा किया, 'शिकायतकर्ता ने खुद पेशाब किया. वह उस समस्या से ग्रस्त हैं जोकि अधिकांश कथक डांसर्स को होती है. जब उन्हें एहसास हुआ कि क्या हुआ है, तो उसे नहीं पता था कि क्या हुआ है.' इसी पर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का जवाब था कि 'पिछले साल नवंबर में न्यूयॉर्क-नई दिल्ली एयर इंडिया की उड़ान में एक महिला यात्री पर पेशाब करने वाला आरोपी शंकर मिश्रा वास्तव में विकृत मानसिकता का है और इसलिए उसकी कानूनी टीम भी ऐसी है.' एअर इंडिया पेशाब मामले में शंकर और उसके वकील के इस नए तर्क ने प्रतिक्रियाओं की झड़ी लगा दी क्योंकि कई कथक डांसर्स ने कथक से जुड़े 'असंयम' मुद्दे के दावे पर आपत्ति जताई है. उन्होंने कहा कि शंकर मिश्रा के वकील द्वारा दावा किया गया कि कई कथक डांसर्स असंयमता से पीड़ित हैं, यह सभी कथक डांसर्स का अपमान है. वहीं आरोपी का कहना है कि एअर इंडिया के विमान में बैठने की व्यवस्था ऐसी थी कि मेरा उस महिला की सीट पर जाकर पेशाब करना संभव नहीं था, वकीलों ने कहा कि शिकायतकर्ता के आसपास बैठे अन्य यात्रियों ने ऐसी कोई शिकायत क्यों नहीं की? नवंबर की घटना सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस ने बेंगलुरु से शंकर मिश्रा को गिरफ्तार किया था और उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था. शंकर मिश्रा के वकील रमेश गुप्ता ने कहा कि पुलिस और मीडिया ने इस मामले को मजाक में बदल दिया है.

'2024 में 50 सीटें हार सकती है बीजेपी'

कांग्रेस नेता शशि थरूर बोले- बहुमत मिलना है नामुमकिन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बीजेपी की आलोचना की. शशि थरूर ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के लिए 2019 की तरह विजय प्राप्त करना ''नामुमकिन'' होगा. उन्होंने कहा कि बीजेपी 2024 का चुनाव 2019 के मुकाबले मुश्किल से जीत पाएगी. इसके अलावा थरूर ने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी लोकसभा चुनाव में ''50 सीटें'' हार सकती है. तिरुवनंतपुरम सांसद थरूर केरल साहित्य महोत्सव में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे, जहां उन्होंने कहा कि आप देखें कि बीजेपी ने 2019 में कितना अच्छा प्रदर्शन किया था. उन्होंने बताया कि बीजेपी के पास हरियाणा, गुजरात और राजस्थान में लगभग सभी सीटें थीं और बंगाल में 18 सीटें थीं. उन्होंने महोत्सव में कहा कि केंद्र सरकार के लिए वैसे परिणाम

दोहरा पाना नामुमकिन है. इसके साथ ही दावा किया कि बहुत मुमकिन है बीजेपी 2024 में बहुमत हासिल नहीं कर पाए.

2019 में बीजेपी को मिली थीं 303 सीटें

बीजेपी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 543 में से 303 सीटें जीती थीं जबकि कांग्रेस केवल 52 ही जीत पाई थी. थरूर ने कहा कि पुलवामा हमले और बालाकोट हमले के बाद बीजेपी को 2019 के चुनाव में अंतिम समय में एक जबरदस्त फायदा हुआ जो 2024 में दोहराया नहीं जाएगा. 2024 में मई या इससे पहले 18वीं लोकसभा के सदस्यों को चुनने के लिए चुनाव निर्धारित है. 2024 से पहले यानी 2023 में देश के 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं. इन राज्यों में लोकसभा की 116 सीटें हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने इनमें से 92 सीटों पर जीत दर्ज की थी. 2023 में फरवरी में मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव होने हैं. मेघालय में कुल दो लोकसभा सीटें हैं. एक सीट कांग्रेस तो एक सीट एनपीपी के पास है. 60 विधानसभा सीटों पर वाले मेघालय में बीजेपी के पास 9.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ सिर्फ 2 सीटें हैं.

पत्नी के गहने गिरवी रखकर करवाई थी युवक की हत्या

दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा

दमोह, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दमोह जिले के बटियागढ़ थाना एरिया में हुए सनसनीखेज हत्या के मामले का खुलासा हुआ है। दमोह विशेष न्यायाधीश शरद चंद्र सक्सेना ने षडयंत्र पूर्वक हत्या के मामले में दो आरोपियों को आजीवन कारावास और जुर्माने से दंडित किया है। मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हत्या की सुपारी देने के लिए आरोपी ने पत्नी के गहने गिरवी रखे थे। मामले में पैरवीकर्ता विशेष लोक अभियोजक अनंत सिंह ठाकुर और सतीश कपस्या ने बताया, 31 अगस्त 2020 की रात फरियादी अपने गांव सकतपुर पैदल जा रहा था। जैसे ही वह देवता मासाब के खेत के पास मेन रोड पर पहुंचा तो उसने टार्च के उजाले में देखा तो वहां गांव का रहने वाला अच्छेलाल पिता परम अहिरवार मृत पड़ा था। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अच्छेलाल की धारदार हथियार से गर्दन और चेहरे में चोट पहुंचाकर हत्या कर दी गई थी।

'लीगल टीम के खिलाफ भी चलाया जाए मुकदमा'

महिला के पेशाब करने वाली दलील पर बोलीं महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एयर इंडिया के विमान में एक बुजुर्ग महिला सहयात्री पर पेशाब करने के आरोपी शंकर मिश्रा ने दिल्ली की एक अदालत से कहा कि उसने आपत्तिजनक कृत्य नहीं किया. आरोपी के वकील ने कहा कि महिला ने खुद पर पेशाब किया था. वकील की इस टिप्पणी पर तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा आग बबूला हो उठीं. महुआ मोइत्रा ने एक ट्वीट में कहा कि मिश्रा के वकील का दावा कानूनी इतिहास में सबसे पागलपन वाले बचावों में से एक के रूप में जाना जाएगा. लोकसभा सदस्य ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मिश्रा की कानूनी टीम के खिलाफ मुकदमा चलाने का भी आह्वान किया. उन्होंने ट्विटर पर लिखा, यह कानूनी इतिहास में सबसे पागलपन वाले बचावों में से एक के रूप में जाना जाएगा. 'पी मैन' की कानूनी टीम पर

इस तरह के आरोप लगाने के लिए आईपीसी की धाराओं के तहत मुकदमा चलाना चाहिए. हालांकि बाद में उन्होंने अपने ट्वीट को डिलीट भी कर दिया. आरोपी के वकील ने शंकर मिश्रा की ओर से कहा, मैं आरोपी नहीं हूं. कोई और होना चाहिए. ऐसा लगता है कि उसने (महिला) खुद पेशाब किया. वह प्रोस्टेट से जुड़ी किसी बीमारी से पीड़ित थी जिससे कथक नृत्य से जुड़े कई लोग पीड़ित प्रतीत होते हैं. ये वो नहीं था. बैठने की व्यवस्था ऐसी थी कि कोई उसकी (महिला की) सीट तक नहीं जा सकता था. बता दें कि शंकर मिश्रा पर 26 नवंबर को न्यूयॉर्क से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान में एक साथी यात्री पर पेशाब करने का आरोप है. उनके खिलाफ 4 जनवरी को दिल्ली में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उन्हें 6 जनवरी को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया था. उन्हें 7 जनवरी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था. अदालत ने दिल्ली पुलिस को मिश्रा की पुलिस हिरासत की मांग करते हुए एक नया आवेदन दायर करने की अनुमति दी, क्योंकि पुलिस ने अदालत के समक्ष नई दलीलें दी थीं. पुलिस ने अदालत से कहा, हमें यह पता लगाने के लिए निरंतर पूछताछ की आवश्यकता है कि उसे कौन छिपा रहा था. हम थर्ड डिग्री का इस्तेमाल नहीं करने जा रहे हैं.

जयराम रमेश की बीजेपी को चुनौती, 'चुनाव जीतें या हारें

विरोधी विचारधारा के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा'

जालंधर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर से लोकसभा सासंद रहे संतोष सिंह चौधरी के निधन से कुछ देर पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बीजेपी का नाम लिए बगैर बड़ी चुनौती दी है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीते या हारे, पार्टी का संघर्ष विरोधी विचारधारा के खिलाफ निरंतर जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि यह विचारधारा की लड़ाई है, इसलिए हम विधटनकारी विरोधी विचारधारा के खिलाफ रुकेंगे नहीं, बल्कि उसे सियासी मात देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे. यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा को पंजाब में भी लोगों ने उत्साहपूर्ण तरीके से स्वागत किया है...उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई विचारधाराओं की है. यह लड़ाई लंबी चलेगी. चुनाव आएंगे, हम जीतेंगे या हारेंगे, उतार-चढ़ाव जारी रहेगा. सिर्फ चुनाव को केंद्र में रखकर राजनीति नहीं चल सकती, विचारधारा भी जरूरी है. इसके अलावा, जयराम रमेश ने शनिवार को पार्टी के सांसद संतोष सिंह चौधरी के निधन की सूचना पब्लिक

डोमेन में आने के बाद अपने ट्विट में लिखा है कि आज सुबह भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अचानक दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया. हम उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं. यात्रा के कार्यक्रम में कुछ बदलाव होंगे जो जल्द ही साझा किए जाएंगे. एक दिन पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की 16 जनवरी से प्रदेश में सभाओं और जनसंपर्क की शुरुआत करने की घोषणा पर कहा कि वहां का ऐसा समाधान ढूंढा जाएगा, जो संगठन के लिए फायदेमंद होगा और पार्टी को मजबूत करेगा. कांग्रेस अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर रंधावा और कई नेता कुछ हल ढूंढने में लगे हुए हैं.

पुणे में दो बच्चों सहित एक ही परिवार के चार लोग मिले मृत

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पुणे में एक दंपति और उनके दो बच्चे अपने घर में मृत पाए गए हैं. पुलिस इसे आत्महत्या का मामला होने का संदेह जता रही है. मुंधवा थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दीपक थोटे (55), उनकी पत्नी इंदु (45), उनका बेटा (24) और बेटी (17) देर रात केशव नगर इलाके में अपने घर में मृत पाए गए. पुलिस अधिकारी ने कहा, अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. हम आत्महत्या के कोण से जांच कर रहे हैं और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, परिवार को कुछ आर्थिक नुकसान हुआ है. पुलिस ने कहा कि जहरीला पदार्थ खाने से मौत हुई है. इसके पहले तेलंगाना के भद्राद्री-कोठागुडम जिले में एक परिवार के तीन सदस्यों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी. कथित सुसाइड नोट में एक विधायक के बेटे का नाम लिखे होने के बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी. पुलिस ने बताया थी कि परिवार में माता-पिता और उनके दो बच्चों ने रविवार रात को खुद को जलाकर कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश की. उनमें से एक लड़की 80 प्रतिशत तक झुलस गई थी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था,

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को संक्रांति का उपहार

सिकंदराबाद से विशाखापट्टनम

वन्दे भारत एक्सप्रेस

का

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ

15 जनवरी, 2023

प्रात: 09:30 बजे | सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन

सिकंदराबाद – विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन की मुख्य विशेषताएँ

- आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत निर्मित भारत की आठवीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन
- यात्रा समय औसत 12 घंटे से घटकर 8 घंटे 30 मिनट में 700 कि.मी. की दूरी तय होगी
- 160 कि.मी. प्रति घण्टे की अधिकतम गति क्षमता
- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी जिससे दो राज्यों के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध मजबूत बनेंगे
- बेहतर एवं आरामदायक यात्रा, दिव्यांगजन हितैषी सुविधाजनक एवं रिक्लाइनिंग सीटें, कवच प्रणाली से लैस, स्वचालित दरवाजे एवं पायदान जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएँ
- बेहतर ट्रेन नियंत्रण प्रबंधन के लिए लेवल–II सुरक्षा एकीकरण प्रमाणन
- बेहतर हीट वेंटिलेशन और एयरकंडीशनिंग नियंत्रण
- 360° घूमने वाली सीट और इंफोटेनमेंट सिस्टम

20833 विशाखापट्टनम से सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस		↓ स्टेशन ↑	20834 सिकंदराबाद से विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
05:45	----	विशाखापट्टनम	----	23:30
07:55	07:57	राजमंड्री	20:58	21:00
10:00	10:05	विजयवाड़ा	19:00	19:05
11:00	11:01	खम्मम	17:45	17:46
12:05	12:06	वरंगल	16:35	16:36
----	14:15	सिकंदराबाद	15:00	----

चलने के दिन – सप्ताह में छ: दिन (रविवार को छोड़कर)

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन
राज्यपाल, तेलंगाना

के. चन्द्रशेखर राव
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

जी किशन रेड्डी
केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

हमें फॉलो करें : /RailMinIndia

DD NEWS कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर देखें

भारतीय रेल
www.indianrailways.gov.in

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 15 जनवरी, 2023 4

सुविचार

मंदिर की घंटी, आरती की थाली, नदी के किनारे सूरज की लाली, जिन्दगी में आये खुशियों की बहार, आपको मुबारक हो संक्रांति का त्यौहार

पुंजगुट्टा में लगी आग

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीनगर कॉलोनी स्थित एक फ्लैट में शनिवार सुबह मामूली आग लग गई। अधिकारियों के मुताबिक आग श्रीनगर कॉलोनी के उषा एन्क्लेव की पांचवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में लगी। सूचना पर, पंजागुट्टा दमकलस्टेशन से एक दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई –निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/02/2023 दि.13/01/2023 PUB0004

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित हरेक के प्रति विवरित तिथि नुसार 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. ई-05-इस्ट-बीजेडए-2023 कार्य विवरण: एडीइन/बीवीआरएम सब डिवीजन: विजयवाडा डिवीजन के एकेवीडी- युएनडीआई स्टेशनों के मध्य किमी 104/4-5 के मिड सेक्शन मैन्ड एलसी गेट नं. 113 की इंटरलाकिंग का प्रस्तावित निर्माण कार्य। पूरा करने की अवधिः 6(छह) महिने , निविदा मूल्यः रु. 33,33,404/- पूधराः रु.66,700/- बंद करने की तिथिः 31.01.2023

निविदा सं. ई-06-इस्ट-बीजेडए-2023 कार्य विवरण: विजयवाडाः एसएसइ/व्रक्स/बीजेडए सेक्शन के इएलएस/बीजेडए के एलएल बे,एचएल बे, एमएल बे पर गट्टर्स की मरम्मत करना। पूरा करने की अवधिः 6(छह) महिने, निविदा मूल्य- रु.35,54,663/- पूधराः रु.71,100/- बंद करने की तिथिः 02/02/2023

निविदा सं. ई-03-सेट्रल-बीजेडए-2023 कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-1) बीजेडए डिवीजनः डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीइएन/बीपीपी सब डिवीजन के एसएसइ/पीवे/बीपीपी सेक्शन में किनी 341.28-342.95 के अप लाइन पर 1.67 किमी का टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू।।) बीजेडए डिवीजनः डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीइएन/बीपीपी सब डिवीजन के एसएसइ/पीवे/बीपीपी सेक्शन में किनी 343-344.71 के अप लाइन पर 1.%1 किमी का टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू।।।) डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीइएन/इइ सब डिवीजन के 8अप, 95अप, 57 अप, 147डीएन -के प्रमुख पुलों के 1.363 किमी का टीआरआर(पी) कार्य। पूरा करने की अवधिः 6(छह)महिने, निविदा मूल्यःरु.60,04,290/- पूधराः- रु. 1,20,100/- बंद करने की तिथिः 03/02/2023

भावी निविदादाताओं को परामर्श दिया जाता है कि, वे तत्संबंधित किसी भी निविदा के परिवर्तन/शुध्दिपत्रों के लिए निविदा बंद होने की तिथि के पहले वेबसाइटःwww.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मंडलीय रेलवे प्रबंधक, (वर्क्स), विजयवाडा

खुली ई-निविदा सूचना सं. 2 दि.13.01.2023 PUB0005

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित हरेक पर विवरित तिथिनुसार, दि. 06.02.2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. ई-01-सीपीओएच -आरवायपी-2023 कार्य विवरणः सीपीओच/रायनपाडु- प्लासर मेक से जुडे सीएसएम/ड्यूओमैट, यूनिमैट 2एस/3एस,सीएसएम-3एक्स/हाट-3एक्स तथा एमपीटी(एमएफआयःयुनिमल) मशीन्स(एस.डब्ल्यूआर, ई.सीओ. आर एंड केआरसीएल) के टैम्पिंग यूनिट्स की रिकंडशनिंग/ओवरहालिंग करना। पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा मूल्यः रु. 12,65,95,000.00 पूधराः रु.7,83,000.00 बंद करने की तिथिः 06.02.2023

निविदा सं. ई-02-सीपीओएच-आरवायपी-2023 कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः रायनपाडु पर 1 किमी लंबाई के टेस्ट ट्रैक का प्रावधान । पूरा करने की अवधिः 6 महिने, निविदा मूल्यः रु.74,86,088.01 पूधराः रु. 1,49,700.00 बंद करने की तिथिः 06.02.2023

भावी निविदादाताओं को परामर्श दिया जाता है कि, वे तत्संबंधित किसी भी निविदा के परिवर्तन/शुध्दिपत्रों के लिए निविदा बंद होने की तिथि के पहले वेबसाइटःwww.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

उप मुख्य अभियंता/सीपीओएच, रायनपाडु

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/इ.29-टीआरडी-टीएनडीआर-16-2022-23 दि. 11-01.2023 PUB0046

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु आयआरइपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. बी/इ-29-टीआरडी-टीएनडीआर-16-2022-23 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः मेमु कार शेड/राजमंड्री दम रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसिलीटीज के अगमेंटेशन से जुडे ओएचइ का एडीशंस व आल्टरेशंस करना। पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित लागतः-रु. 35,63,143/- बोली सुरक्षा राशि(पूधरा)- रु. 71,300/-

क्रम सं. 1-निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.) शून्य बंद करने की तिथिः 13.02.2023 के 15.00 बजे **वरिष्ठ मंडलीय बिजली अभियंता, टीआरडी/विजयवाडा**

ई निविदा सूचना सं. जीएनटी/इ.02/टीआरडी/2022-23 PUB0047

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु ठेकेदारो से दि. 09.02.2023 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

टेंडर शीर्षकः जीएनटी डिवीजन-लर्निंग मास्ट्स का न्यू मास्ट्स के साथ प्रतिस्थापन या रि॓समेंट करना। निविदा संदर्भ सं. जीएनटी/इ.02/टीआरडी-2022-23 दि. 11.01.2023 अनुमानित लागतः रु.1,73,67,819.63/- पूधराः रु. 2,36,800/- निविदा प्रपत्र का मूल्य (अप्रतिदेय) रु. शून्य ।

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 09.02.2023 के 15.30 बजे तक ।

यदि तत्संबंधित निविदा खुलने की नियत तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदाओं को अगले कार्यालयीन दिन पर खोला जायेगा। किसी भी अन्य अधिक जानकारी के लिए कृपया दि.18.01.2023 या 09.02.2023 के 15.30 बजेतक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी अधिक जानकारी, शुध्दिपत्रों को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in व्दारा ही सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडलीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन/गुंटूर

टीएसआरटीसी के बसों की वास्तविक समय की मिल सकेगी जानकारी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी बस ट्रैकिंग' ऐप जो अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, बस स्टॉप, आगमन समय और बसों के सटीक स्थान के बारे में वास्तविक समय की जानकारी आपकी उंगलियों पर प्रदान करता है। यह सेवा वर्तमान में लगभग 1800 बसों के लिए सक्षम की गई है अगले आने वाले हफ्तों में, हैदराबाद और सिकंदराबाद में एक्सप्रेस, डीलक्स, सुपर लक्ज़री, एसी सेवाओं के साथ-साथ मेट्रो एक्सप्रेस सेवाओं सहित 4000 से अधिक बसों में सुविधा का विस्तार किया जाएगा। टीएसआरटीसी के अध्यक्ष, विधायक बजीरेड्डी गोवर्धन, और टीएसआरटीसी के वीसी और एमडी वीसी सज्जनार ने कहा कि हम त्योहारी सीजन से पहले इसे लॉन्च करके खुश हैं। यात्री उत्सुकता से इंतजार करने से बच सकते हैं और ऐप का उपयोग करके समय पर अपनी बसों में सवार हो सकते हैं। यात्री सुविधा को और बढ़ाने के लिए, निगम उन सभी यात्रियों को बस ट्रैकिंग लिंक एसएमएस करेगा, जिन्होंने आरक्षण कराया है।यात्री लिंक का उपयोग करके अपने पिक-अप बिंदु पर बस की सटीक स्थिति और आगमन के अनुमानित समय का पता लगा सकते हैं।ऐप को कैसे डाउनलोड और इस्तेमाल करें? एप्लीकेशन "TSRTC बस ट्रैकिंग" Google Play Store और टीएसआरटीसी की आधिकारिक वेबसाइट www.tsrtc.telangana.gov.in पर उपलब्ध है। यात्रियों को इस ऐप में कोई व्यक्तिगत विवरण साझा करने की आवश्यकता नहीं है।

यह ऐप हैदराबाद शहर और जिला सेवाओं के बारे में जानकारी दिखाता है। बसों की लाइव ट्रैकिंग के साथ-साथ यात्री निकटतम बस स्टॉप की जांच भी कर सकते हैं और सर्विस नंबर और बस नंबर का उपयोग करके बस को ट्रैक भी कर सकते हैं। इसके अलावा, यात्री महिला सुरक्षा मुद्दों, बसों के टूटने, चिकित्सा आपात स्थिति और सड़क दुर्घटनाओं जैसी किसी भी आपात स्थिति की रिपोर्ट ऐप पर कर सकते हैं जो टीएसआरटीसी द्वारा तत्काल प्रतिक्रिया और कार्रवाई को ट्रिगर करेगा।

ई-निविदा सूचना सं. 01-2023 दि. 13.01.2023 PUB0043

कृते वरिष्ठ मंडलीय अभियंता/कोआर्डिनेशन/गुंटकल तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बंद करने की तिथि व समय 09-02-2023 के 15.00 बजे तक ।

निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-नार्थ-1337 कार्य विवरणः गुंतकल डिवीजन-सीनि.डीइएन/नार्थ ज्यूरिसडिक्शन-जीटीएल-डब्ल्यूडी सेक्शन- फार्मेशन ट्रीटमेंट व्दारा एसएसइ-पी.वे-एमएएलएम एंड आरसी सेक्शंस में (ब्लाक वर्किंग के तहत ब्लैंकेटिंग मटेरियल सहित सिंगल/डबल लाइन सेक्शन के लिए टीएफटीआर) कुल लंबाई किमी 14.000 के लिए तदनुसार जीइ-004-2020 ट्रीटमेंट ।(संबध्द अनुलग्नक नुसार लोकेशंस या स्थान) (दो पैकेट सिस्टम) विज्ञापित मूल्यः रु.11,82,04,199.62 पैसे पूधराःरु.7,41,000.00 पैसे

निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-साउथ-1338 कार्य विवरणः डीइएन/साउथ ज्यूरिसडिक्शन-लूप लाइन्स में मैन्युएल डीप स्क्रीनींग -10.313 किमी, विज्ञापित मूल्य रु. 64,14,701.59 पैसे, पूधराः रु. 1,28,300.00

निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-साउथ-1339 कार्य विवरणः डीइएन/साउथ ज्यूरिसडिक्शनः केक्यूए स्टेशन में ट्रैक मशीन साइडिंग का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु. 94,76,883.62 पैसे, पूधराः- रु.1,89,500.00 पैसे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया http://ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुध्दिपत्रों को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

मंडलीय रेल प्रबंधक/वर्क्स, गुंटकल

A0060

निविदा शर्तों/विवरण तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

सेना दिवस समारोह में शामिल हुए अग्निवीर

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 75वें सेना दिवस समारोह के तहत आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद द्वारा 14 जनवरी 2023 को आयोजित मिनी मैराथन में लगभग 600 अग्निवीरों ने हिस्सा लिया। अग्निवीरों के अलावा, आर्टिलरी सेंटर के 300 सैनिकों ने भी उत्साह के साथ मैराथन में भाग लिया।

यह प्रतिष्ठित माखन सिंह एथलेटिक्स स्टेडियम से शुरू होकर आर्टिलरी सेंटर के अंदर सुबह की शांति और हरियाली का आनंद लेते हुए कुल 10 किलोमीटर की दूरी तय करता है।

इस आयोजन का उद्देश्य नियमित शारीरिक गतिविधि और दौड़ के माध्यम से नेवर से डाई स्पिरिट और फिटनेस उन्मुख जीवन शैली को प्रज्वलित करना था। इसने न केवल प्रतिभागियों के बीच देशभक्ति की गहरी भावना को जगाया बल्कि एक नया क्रेज भी जोड़ा जो मस्ती के साथ फिटनेस को जोड़ता है। भारत गणराज्य का राष्ट्रगान गाने वाले समूह के साथ इस कार्यक्रम का अंत हो गया है।

पार्षद ने पतंग बांट कर गरीब बच्चों के चेहरे पर लाई खुशी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने प्रतिवर्ष की तरह संक्रांति के अवसर पर अपने क्षेत्र के अंतर्गत कई बस्तियों में घूम-घूम कर गरीब बच्चों में मिठाई व पतंग बांटे। इस अवसर पर बच्चों में भारी उत्साह दिखा। उन्होंने बच्चों को संक्रांति पर्व को पूरे मन से मनाते हुए भारतीय संस्कृति में आने वाले पर्वों का सम्मान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंडल के भाजपा नेता गोडुगु श्रीनिवास यादव, मयूर कालेकर, पिल्ली राजेश, अनिल यादव, रघु कांबले, प्रवीण बाबू, रामकृष्ण, शेखर, प्रमोद, रेणुका, काजल, विश्वनाथ, सतीश, जगपति नायक, भरत, संदीप जैन, एमआरपीएस शिव, उदय साई, भार्गव, नरसिम्हा, सुरेश ने भाग लिया।

कुमावत सेवा समिति चंगीचेरला उप्पल समाज बन्धुओं के सान्निध्य में माघ माह के पावन अवसर पर कथावाचक पंडित बाबुलालजी शर्मा की मधुर आवाज में चन्द्रगुप्त एवं धर्मराजजी महाराज की कथा के समापन दिवस पर पूजा-अर्चना एवं महाप्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश मोटावत, पदाधिकारी, समाज बन्धु व भक्तगण।

भूतों से प्रेरित लगता है केसीआर का भाषण : शर्मिला

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने एक बार फिर सीएम केसीआर पर निशाना साधा। केसीआर के भाषण की महबूबाबाद में आलोचना हुई थी। उन्होंने कहा कि केसीआर का भाषण भूतों से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि लोगों की राय जीतने के लिए तथा किए गए वादों को पूरा करने के लिए क्या आपने अपने शासन में लोगों का सम्मान किया? क्या आपने लोकतंत्रवादियों का सम्मान किया? क्या आपने कम से कम पत्रकारों को सम्मान किया? यदि आप लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन करते हैं, तो आपको अवैध रूप से गिरफ्तार किया जाएगा।" अगर तुम अपना मुंह खोलोगे, तो तुम झूठे वादे करोगे," शर्मिला ने सीएम केसीआर की आगे यह भी आलोचना कर ट्वीट करते हुए कहा, "अनावश्यक कालेश्वरम के मामले में हठपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं और इसके निर्माण के तीन साल के भीतर इसे पूरा नही किया।

पटंगी टोल प्लाजा पर भारी भीड़ जारी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति उत्सव के लिए बड़ी संख्या में परिवारों के अपने मूल स्थानों की ओर जाने वाले पटंगी और बीबीनगर टोल गेट पर भारी ट्रैफिक देखी गई। पटंगी टोल गेट से गुरुवार को गुजरने वाले वाहनों की कुल संख्या 56,595 थी, जबकि शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 67,577 हो गई। बीबीनगर टोल गेट पर कुल 25,231 वाहन अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि एलबी नगरके विजयवाड़ा बस-स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई और रात 10 बजे से 1 बजे के बीच पंथांगी टोल गेट पर भारी वाहनों का प्रवाह देखा गया। यातायात पुलिस औरआरटीसीकी विशेष टीमें विशेष रूप से रात में यातायात को नियंत्रित करने के लिए मैदान में थीं। पुलिस ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे प्रदान किए गए आश्रयों में ही बसों का इंतजार करें और अप्रिय घटना से बचने के लिए सड़कों पर खड़े न हों। यात्रियों को भी अनाधिकृत वाहनों में यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई। डीसीपी ट्रैफिक राचकोंडा, डी श्रीनिवास ने ड्राइवरों से सड़क पर जाने से पहले अपने वाहनों की स्थिति की जांच करने को कहा।

एपी सीएम जगन ने संक्रांति पर्व की बधाई दी

अमरावती, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एपी सीएम जगन ने तेलुगु जन को संक्रांति पर्व की बधाई दी। इस संदर्भ में सीएम जगन ने दुनिया भर के सभी तेलुगु लोगों को संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। संक्रान्ति ग्राम उत्सव, कृषक उत्सव, हमारी बहनों का उत्सव..इन सभी में कुल मिलाकर इसे बेहतर तेलुगु उत्सव के रूप में वर्णित किया जाता है जो हमारी संस्कृति और परंपराओं को दर्शाता है। सीएम जगन ने कहा कि उनकी कामना है कि हर गांव में हर परिवार भोगी, संक्रांति और कनुमा पर्व खुशी-खुशी मनाए। उन्होंने कहा कि यह मकर संक्रांति राज्य के लोगों के जीवन में विकासात्मक परिवर्तन लाने की कामना करता है।

नौकरियां भरने और लोगों के लिए अस्पताल खोलने का प्रयास कर रहे हैं पीएम : किशन

सीएम केसीआर की तालिबान वाली टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जतायी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को वर्चुअल तरीके से हरी झंडी दिखाएंगे। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव व अन्य को निमंत्रण भेजा गया है। यह कहते हुए कि नरेंद्र मोदी सरकार लोक कल्याण के आदर्श वाक्य के साथ प्रयास कर रही है, किशन रेड्डी ने कहा कि उनकी योजना के तहत, प्रधानमंत्री 10 लाख नौकरियों को भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हर महीने एक लाख पद भरे जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि माह के तीसरे सप्ताह से रोजगार सूचना दी जाएगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अब तक रिक्त पदों को दो चरणों में भरा गया है और नौकरी चाहने वालों को नियुक्ति पत्र 20 जनवरी को भेजे जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य को सर्वोच्च महत्व दे रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार ने पूरे देश में 1.5 लाख वेलनेस सेंटर स्थापित किए हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि जब देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, तो संख्या बढ़कर 606 हो गई है और जबकि पूर्व में सात एम्स कॉलेज थे, एम्स अस्पताल की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की इस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कि यदि भाजपा सत्ता में रहती है तो भारत अफगानिस्तान में बदल सकता है, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी से देश की छवि को गंभीर नुकसान होगा। शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बहुत मजबूत, शांतिपूर्ण और समृद्ध हुआ है। देश में बम विस्फोटों, आतंकवादी हमलों, सांप्रदायिक झड़पों और कर्फ्यू की घटनाओं में भारी कमी आई है। इन तमाम उपलब्धियों के बावजूद भारत की अफगानिस्तान से तुलना करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि कश्मीर शांतिपूर्ण हो गया है और लोग मोदी सरकार के प्रयासों की सराहना कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी पिछले आठ वर्षों में राज्य को प्रदान की गई केंद्रीय सहायता पर बहस के लिए तैयार है।

टीएसपीएससी के ग्रुप-1 के नतीजे घोषित

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने शुक्रवार रात बहुप्रतीक्षित प्रारंभिक लिखित परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। परिणामों की घोषणा ने संक्रांति पर्व से पहले समूह-1 पदों के उम्मीदवारों को बहुत जरूरी खुशी प्रदान की है।

आयोग ने मुख्य परीक्षा के लिए 1:50 के अनुपात में 25,050 उम्मीदवारों का चयन किया है। इसने कहा कि यह इस साल जून में मुख्य परीक्षा आयोजित करेगा। आयोग ने यह भी कहा कि वह इस महीने की 18 तारीख को मुख्य परीक्षा के तरीके के बारे में विवरण जारी करेगा। प्रारंभिक लिखित परीक्षा के परिणाम में इस मुद्दे पर उम्मीदवारों द्वारा दायर अदालती मामलों की एक श्रृंखला के कारण देरी हुई।

हालांकि आयोग के अधिकारियों ने हाईकोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद रिजल्ट जारी किया। आयोग ने पिछले साल अप्रैल में ग्रुप-1 के 503 पदों को भरने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। इसने 16 अक्टूबर, 2022 को प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की और 15 नवंबर, 2022 को अंतिम कुंजी जारी की।

HAPPY SANKRANTI

Duli Chand Tak Kisan Tak

Cell : 9700118884

SALASAR

TRADING COMPANY

Nuts Ghar

DRY FRUITS

Whole Sale & Retail Dealers

DRY FRUITS & KIRANA MERCHANT

15-7-344, Near Post Offices, Begam Bazar, Hyderabad (T.S)-12

रेवाड़ी में पांच करोड़ की लूट का आरोपी चढ़ा रोहतक एसटीएफ के हत्थे

एमपी का है आरोपी, एक लाख का था इनाम

रोहतक, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतक एसटीएफ ने रेवाड़ी में नौ माह पहले पांच करोड़ की लूट की वारदात को अंजाम देने के आरोपी मध्यप्रदेश के देवास जिले के गांव टोंक कलां निवासी लोकेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। उसके ऊपर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। 28 अक्तूबर को एसटीएफ रोहतक की टीम दीपक नाम के आरोपी को काबू कर चुकी है। उस पर एक लाख का इनाम घोषित था। आरोपी लोकेंद्र को एसटीएफ ने रेवाड़ी पुलिस की धारूहेड़ा सीआईए टीम को सौंप दिया है। एसटीएफ एसपी सुमित कुमार ने बताया कि 27 मई 2022 को डीबीजी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बावल के कंटेनर चालक को अगवा कर 5 करोड़ के मोबाइल फोन लूटे गए थे। दीपक ने अपने सात साथियों के साथ वारदात को अंजाम दिया था। इस संबंध में कसौला थाने में अपहरण व लूट का मामला दर्ज किया गया था। आरोपियों पर पुलिस ने एक लाख का इनाम घोषित किया था। एसटीएफ रोहतक के इंस्पेक्टर नरेंद्र पाल की टीम ने अक्तूबर 2022 में मध्यप्रदेश के देवास जिले के गांव टोंक कलां निवासी दीपक को काबू किया था। अब दूसरा आरोपी लोकेंद्र हाथ आया है। लोकेन्द्र ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर 27 मई 2022 को डीबीजी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नंबर 2, सेक्टर 8, बावल के कंटेनर के चालक को अगवा कर लिया था। साथ ही कंटेनर से 5 करोड़ के मोबाइल फोन लूटे थे। इस संबंध में रेवाड़ी के कसौला थाने में केस दर्ज है। तभी से आरोपी फरार चल रहा था। आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए सीआईए धारूहेड़ा को सौंपा गया है।

डीएमके नेता ने कहा, राज्यपाल को मारने के लिए भेजेंगे आतंकी

बीजेपी बोली- गुंडा एक्ट में करें गिरफ्तार

चेन्नई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि के बीच विवाद चल रहा है. इस बीच डीएमके प्रवक्ता शिवाजी कृष्णमूर्ति ने विवाद खड़ा कर देने वाला बयान दिया है. उन्होंने कहा कि "हम एक आतंकवादी को तमिलनाडु के राज्यपाल को गोली मारने और हत्या के लिए भेजेंगे". उन्होंने यह बात एक बैठक के दौरान कही. राज्यपाल के खिलाफ टिप्पणी को लेकर बीजेपी नेता नारायणन थिरुपति ने कृष्णमूर्ति को गिरफ्तार करने की मांग उठाई है. शिवाजी कृष्णमूर्ति ने कहा, 'सीएम कह रहे हैं कि हम राज्यपाल को डांटें नहीं. अगर उन्होंने ठीक से भाषण पढ़ा होता तो मैं उनके चरणों में फूल रखकर हाथ जोड़कर उनका धन्यवाद करता, लेकिन अगर वह अंबेडकर का नाम लेने से इनकार करते हैं तो क्या मुझे उन्हें चप्पल से मारने का अधिकार नहीं है. यदि आप उनका नाम लेने से इनकार करते हैं, तो आप कश्मीर चले जाएं. हम आपको गोली मारने के लिए एक आतंकवादी भेजेंगे.' बीजेपी नेता नारायणन थिरुपति ने कहा, 'पुलिस को जांच करनी होगी कि डीएमके का आतंकवादी लिंक क्या है, क्योंकि उन्होंने अपने भाषण में कहा है कि हम राज्यपाल को कश्मीर भेजेंगे और आतंकवादी को कश्मीर भेजेंगे. हमारा मतलब कौन? न केवल शिवाजी कृष्णमूर्ति ने इतनी गंदी भाषा में बात की, मुझे लगता है कि ये चीजें सीएम एमके स्टालिन के आशीर्वाद से की जा रही हैं, डीएमके प्रमुख की शह पर वे बोल रहे हैं.' उन्होंने डीएमके नेता शिवाजी कृष्णमूर्ति और आरएस भारती को गुंडा अधिनियम के तहत गिरफ्तार करने की मांग की है.

शिवाजी कृष्णमूर्ति और आरएस भारती को करना चाहिए गिरफ्तार- बीजेपी

नारायणन थिरुपति ने कहा, 'अगर तमिलनाडु पुलिस में दम है, तो शिवाजी कृष्णमूर्ति और आरएस भारती को गिरफ्तार करना चाहिए. उन्हें गुंडा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और एक साल के लिए जेल में डाल देना चाहिए.' 9 जनवरी को तमिलनाडु के राज्यपाल राज्य विधानसभा में सरकार द्वारा तैयार किए गए अपने संबोधन से इतर बात करने लग गए थे. राज्यपाल आरएन रवि ने अपने अभिभाषण में कुछ अंशों को छोड़ दिया और कुछ अन्य टिप्पणियां कीं. इस मामले को लेकर राज्यपाल के खिलाफ मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक प्रस्ताव पेश किया, हालांकि आरएन रवि सदन से चले गए. तमिलनाडु विधानसभा के विवाद ने राजनीतिक पारा चढ़ा दिया.

ओडिशा में लापता 26 साल की महिला क्रिकेटर का शव जंगल में मिला

भुवनेश्वर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा की महिला क्रिकेटर राजश्री स्वांई 11 जनवरी से लापता थीं और उनका शव शुक्रवार को कटक के करीब घने जंगल में मिला. पुलिस ने इसकी जानकारी दी. कटक के पुलिस उपायुक्त पिनाक मिश्रा ने कहा कि उनका शव अथागढ़ क्षेत्र में गुरूदिझाटिया जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिला था. राजश्री के कोच ने गुरुवार को कटक में मंगलाबाग पुलिस थाने में उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने कहा कि गुरूदिझाटिया पुलिस स्टेशन में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया जाएगा. पुलिस को अभी तक उनकी मौत के कारण का पता नहीं चला है. उनके परिवार ने हालांकि आरोप लगाया कि उसकी हत्या की गई है ''क्योंकि उसके शरीर पर चोट के निशान थे और उसकी आंखों को भी नुकसान पहुंचाया गया था.''राजश्री का स्कूटर जंगल के करीब मिला था और उनका मोबाइल फोन भी बंद था. पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जाएगी. उनके परिवार के सदस्यों ने कहा कि राजश्री सहित करीब 25 महिला क्रिकेटर ओडिशा क्रिकेट संघ (ओसीए) द्वारा बाजराकाबाटी क्षेत्र में आयोजित ट्रेनिंग शिविर का हिस्सा थीं जो पुडुचेरी में होने वाले आगामी राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए था. सभी एक होटल में ठहरी हुई थीं. ओडिशा राज्य महिला क्रिकेट टीम की घोषणा 10 जनवरी को की गई थी लेकिन राजश्री अंतिम सूची में शामिल नहीं थी. पुलिस ने कहा कि अगले दिन खिलाड़ी अभ्यास के लिए तांगी क्षेत्र में क्रिकेट मैदान में गईं लेकिन राजश्री ने अपने कोच को बताया कि वह अपने पिता से मिलने के लिए पुरी जा रही हैं.

नशा तस्करों पर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

इन आरोपियों के पास मिला लाखों का स्मैक

उज्जैन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य शासन के निर्देशन में क्राइम ब्रांच, पुलिस प्रशासन नशाखोरों और अवैध रूप से नशे की तस्करी करने वाले तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस कंट्रोल रूम पर एसएसपी सत्येन्द्र कुमार शुक्ल ने बताया कि शहर के तीन थाना क्षेत्रों से पांच आरोपियों को पकड़ा है, जिसमें एक महिला, एक नाबालिक बच्ची और तीन पुरुष शामिल हैं। आरोपियों के पास से कुल 133.36 ग्राम स्मैक पाउडर मिला है, जिसकी कीमत अनुमानित 8 लाख 46 हजार 580 रुपये है। फिलहाल, आरोपियों की सोशल मीडिया एक्टिविटी सहित पूर्व के

आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य तलाश किए जा रहे हैं। साथ ही इनके गिरोह के बारे में पता करने में पुलिस और क्राइम ब्रांच जुटी है। प्राथमिक जानकारी में मंदसौर मे इस गिरोह के लोग मिले हैं। पुलिस ने आरोपी महिला और नाबालिग को थाना निलगंगा क्षेत्र में पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास सांवराखेड़ी स्मैक के टोकन बेचने की फिराक में सूचना पर पकड़ा, जिनका नाम फरीदा पति अब्दुल रशीद उम्र 50 साल निवासी दुर्गा कॉलोनी है। साथ ही एक 16 साल नाबालिग युवती है, जिनके पास से कुल 60 ग्राम स्मैक छह लाख कीमत की पकड़ाई। इसी प्रकार थाना जीवजीगंज क्षेत्र में पुलिस ने वाल्मीकि धाम समीप कब्रिस्तान के पास एक व्यक्ति को दबोचा, जिसका नाम जफर पिता असलम अली उम्र 32 साल निवासी हांथी का टेकरा जफर के पास से 24.50 ग्राम स्मैक कीमत एक लाख जप्त की। वहीं, चिमनगंज थाना क्षेत्र में अब्दुल रफीक उर्फ बुची पिता बाबु खान आगर मार्ग निवासी और दूसरा चेतन पिता दिनेश सांखला निवासी नागरसेरी उर्दुपुरा पिपलीनाका को कानीपुरा पुलिया के पास दबोचा है। आरोपियों के पास से 48.86 ग्राम स्मैक कीमत 1,46,580 आंकी गई है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई हुई है।

62 साल के शख्स ने लिव-इन पार्टनर पर फेंका तेजाब

25 साल से रह रहे थे साथ, सुबह-सुबह वारदात को दिया अंजाम

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में एक शख्स ने अपनी लिव इन पार्टनर के ऊपर तेजाब फेंक दिया. घटना सुबह की है, जब महिला पानी की टंकी भरने के लिए उठी थी. इसी दौरान आरोपी बाहर से आया और पार्टनर के ऊपर तेजाब फेंक दिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. उसकी पहचान महेश पुजारी के रूप में की गई है. आरोपी 62 साल का है जबकि उसकी लिव-इन पार्टनर 54 साल की है. दोनों कल्बादेवी के पास एक चाल में रहते हैं. लोकमान्य तिलक मार्ग पुलिस ने बताया कि पुजारी का अपनी पार्टनर से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वह तेजाब लेकर लौटा और महिला के ऊपर डाल दिया. तेजाब से झुलसी महिला को एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां से पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई. सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर ज्योति देसाई ने बताया, हमारी टीम मौके पर पहुंची और 15 मिनट के भीतर आरोपी को पकड़ लिया. अधिकारियों के मुताबिक दोनों 25 साल से साथ रहे थे. पुजारी की नशे की आदत के चलते दोनों में अक्सर झगड़ा होता रहता था. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में देश में तेजाब फेंकने की 102 घटनाएं दर्ज की गई थीं.

कड़ाके की ठंड में पाला से अपने फसलों को ऐसे बचाएं

किसान बस ये तरीका अपनाएं

शहडोल, 14 जनवरी (एजेंसियां)। शहडोल जिले में मौसम के हाल बदले हुए हैं, या यूं कहें कि मौसम के हाल-बेहाल हैं। शुरूआत में कोहरा गिरा, कई दिन सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए और अब ठंड हाड़कंपाने वाली पड़ रही है। ऐसे में जब कड़ाके की ठंड पड़ती है तो किसानों को सबसे ज्यादा अपनी फसलों पर पाला पड़ने की आशंका रहती है। किसान बस इन आसान उपायों को अपनाकर पाला से अपनी फसलों को बचा सकते हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर बीके प्रजापति बताते हैं, पहले हमें ये जानना होगा कि पाला पड़ता कब है और फसलों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है। कैसे ये फसलों को नुकसान पहुंचाता है। जब दोपहर के समय या उसके पहले शीतलहर चल रही हो और हवा का तापमान जमाव बिंदु से कम हो जाए। दोपहर के बाद अचानक मौसम बिल्कुल साफ हो जाए और हवा चलना बिल्कुल बंद हो जाए तो इस अवस्था में निश्चित रूप से पाले की समस्या फसलों पर देखने को मिलेगी। इस अवस्था में होता क्या है कि बर्फ की जो पतली परत होती है, वह पौधे की जो कोशिकाएं होती हैं, उसके अंदर की ओर और बाहर की ओर जमा हो जाती हैं, जिसके चलते कोशिकाएं टूट जाती हैं। एक तरह से फ्रैक्चर हो जाता है, ब्रेक हो जाता है, जिसके कारण कार्बन डाईऑक्साइड और प्रकाश संश्लेषण जैसी विभिन्न क्रियाएं पौधों में नहीं होती हैं। वाष्पीकरण भी रूक जाती है, जिसके चलते पौधे की पत्तियां झुलस जाएंगी और सूखकर गिर जाएंगे। ऐसे में कई फसलों में जो फूल बनने की अवस्था में होते हैं, उनके फूल भी झड़ जाते हैं और इस तरह से फसल का पाले की वजह से अच्छा खासा नुकसान हो जाता है।

आबकारी आरक्षक पर दर्ज हुआ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस

सागर में भी हुआ था विवाद

छिंदवाड़ा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पत्नी और बेटी की मौत के जिम्मेदार आबकारी आरक्षक पर पुलिस ने शिकंजा कस लिया है। दरअसल, बीते सोमवार को एक सनसनीखेज मामला सामने आया था। यहां आबकारी आरक्षक की पत्नी और बेटी की जहर से मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने पति की प्रताड़ना से तंग आकर बेटी को जहर दिया और स्वयं भी इसका सेवन कर लिया था, जिसकी वजह से दोनों की मौत हो गई थी। जांच के बाद पुलिस ने प्रताड़ना देने वाले आरोपी आबकारी आरक्षक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। टीआई प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि आबकारी आरक्षक राजकुमार सरेयाम अक्सर शराब के नशे में पत्नी सीमा सरेयाम से विवाद किया करता था। घटना के दिन भी

राजकुमार ने पत्नी से विवाद किया था। इसी प्रताड़ना से तंग आकर सीमा ने सात साल की बेटी नैनसी को जहर खिलाया और स्वयं भी जहर का सेवन कर लिया था। इलाज के दौरान मां-बेटी की मौत हो गई थी। मर्ग जांच और मायके पक्ष के बयान के आधार पर आबकारी आरक्षक राजकुमार के खिलाफ धारा 498 ए और 306 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सागर में भी हुआ था विवाद...

पुलिस की माने तो परिजनों ने आरोप लगाते हुए बताया है कि आरक्षक लंबे समय से उनकी बिटिया को परेशान कर रहा था। जब हम सागर में अपनी सेवा दे रहा थे, उस दौरान भी उनकी बेटी की बेरहमी से पिटाई किया था, जिसके चलते उसने उस समय भी आत्महत्या की कोशिश की थी। हालांकि, उस समय उसकी जान बच गई थी। लेकिन इस बार वह इतनी तंग आ गई थी कि उसने जहर का सहारा लिया।

आठ साल पहले हुई थी शादी...

बता दें कि आरक्षक की आठ साल पहले शादी हुई थी, जिसके बाद से लगातार वह अपनी पत्नी को प्रताड़ित कर रहा था, ऐसा आरोप उसके परिजनों ने लगाया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, मृतिका के मायके पक्ष वाले परिवार अभी भी सदमे में हैं।

बॉयफ्रेंड के साथ घूम रही थी छात्रा

'शराबियों' ने चाकू की नोंक पर किया गैंगरेप

कांचीपुरम, 14 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कांचीपुरम में कॉलेज में पढ़ने वाली एक लड़की के गैंगरेप की दिल दहलाने वाली खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना के वक्त लड़की अपने एक दोस्त के साथ घूम रही थी कि तभी आरोपियों की नजर उस पर पड़ गई। पुलिस ने घटना के आरोपी 5 लोगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। वहीं, गुरुवार को इस घटना का शिकार हुई छात्रा का एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यह खौफनाक घटना गुरुवार की रात को तब हुई, जब 5 आरोपियों ने 19 साल की छात्रा और उसके बॉयफ्रेंड को बेंगलुरू-पुडुचेरी बाहरी रिंग रोड के पास एक सुनसान जगह पर घेर लिया। बताया जाता है कि मौके पर अक्सर आसपास के असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। राजधानी चेन्नई से 85 किलोमीटर दूर कांचीपुरम के इस इलाके में ये लोग शराब पीते रहते हैं और अन्य तरह की आपराधिक गतिविधियों में लगे रहते हैं। बताया जाता है कि लड़की और उसका बॉयफ्रेंड गुरुवार की शाम करीब 7 बजे मौके पर पहुंचे थे। पास में ही शराब पी रहे 2 आरोपियों की नजर उन पर पड़ी, इसके बाद दोनों के साथ 3 और लोग जुड़ गए। आरोपी चाकू की नोंक पर छात्रा को कुछ दूर खींच ले गए और बारी-बारी से उसके साथ रेप किया और मौके से फरार हो गए। कांचीपुरम के पुलिस उपाधीक्षक पी. जूलियस सीजर ने कहा कि छात्रा के विरोध करने पर आरोपियों ने उनको जान से मारने की धमकी दी। सीजर ने बताया कि छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पंचायत मंत्री के जिले में भाजपा की सुमन खिचड़ बनी जिला परिषद चेयरपर्सन

जजपा से वाइस चेयरपर्सन

फतेहाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जजपा कोटे से सरकार में पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली के गृह जिले फतेहाबाद में भाजपा समर्थित पार्षद सुमन खिचड़ 10 वोट लेकर चेयरपर्सन चुनी गई हैं। उनकी प्रतिद्वंदी वार्ड नंबर 4 की पार्षद सीमा रानी को 8 वोट मिले। वहीं, जजपा की महिला जिलाध्यक्ष कैलाशो देवी को वाइस चेयरपर्सन चुना गया है। कैलाशो देवी को 10 जबकि वार्ड नंबर 17 के पार्षद अनूप कुमार को 8 वोट मिले। दिलचस्प बात यह है कि सीमा रानी व अनूप कुमार दोनों ही पंचायत मंत्री की ओर से तैयार किए गए दावेदार थे। मगर दोनों ही उम्मीदवार हार गए। मंत्री के भाई विनोद बबली ने छल-कपट करने के आरोप भी जड़े। जिस समय पंचायत मंत्री जिला परिषद कार्यालय से निकलकर गए उस समय भाजपा कार्यकर्ताओं ने हूटिंग करते हुए सुभाष बराला जिंदाबाद व विधायक दुड़ाराम जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

महिला के लिए आरक्षित था पद

इस बार फतेहाबाद जिला परिषद का चेयरपर्सन पद महिला के लिए आरक्षित था। 18 जिला पार्षदों में से नौ महिला पार्षद चुनकर आई थी। 18 में से चेयरपर्सन सुमन खिचड़ के पक्ष में 10 पार्षदों ने मतदान किया। सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला ने कहा कि यह भाजपा-जजपा गठबंधन की ही चेयरपर्सन चुनी गई है। छल कपट के आरोप क्यों लगाए गए हैं, इसका जवाब तो आरोप लगाने वाले ही देंगे। चुनाव के लिए बैठक से पहले विधायक दुड़ाराम के आवास पर सभी नेता और 12 पार्षद एकत्रित हुए। इन पार्षदों के साथ भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला, फतेहाबाद विधायक दुड़ाराम, रतिया विधायक लक्ष्मण नापा, जजपा प्रदेशाध्यक्ष निशान सिंह ने चर्चा की। यहां से पार्षदों को साथ लेकर दोनों विधायक जिला परिषद भवन पहुंचे। करीब 40 मिनट के बाद पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली भी जिला परिषद भवन आए। जब मंत्री पहुंचे, तब तक चेयरपर्सन पद के लिए वोटिंग प्रक्रिया हो चुकी थी।

झुग्गियां तोड़ने के आदेश के खिलाफ आप का प्रदर्शन

आरोप- भाजपा भूली 'जहां झुग्गी-वहां मकान' का वादा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी एक बार फिर शनिवार को सड़क पर है। इस बार वह भाजपा के झुग्गियां तोड़ने के आदेश के खिलाफ दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि भाजपा ने एमसीडी चुनाव से पहले दिल्ली में झुग्गी वालों से 'जहां झुग्गी-वहां मकान' का वादा किया था और चुनाव के तुरंत बाद दिल्ली की सभी झुग्गियों को तोड़ने का आदेश जारी कर दिया। इसे लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलान किया है कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की झुग्गियों को टूटने नहीं देगी।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में नाइट सफारी में दिखा बाघ

उमरिया, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बाघों के दीदार के लिए विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में इन दिनों नाइट सफारी पर्यटकों की पसंद होती जा रही है। रात के अंधेरे में बाघ को देखकर पर्यटक उत्साहित हो जाते हैं। गुरुवार रात को भी ऐसा ही हुआ। पर्यटक नाइट सफारी में प्राकृतिक सुंदरता और वन्य प्राणियों के दीदार के लिए धमोखर बफर जोन में सफारी के लिए गए हुए थे। तभी बफर जोन की बफर वाली बाघिन व उसके शावक पर्यटकों को नजर आए। शावकों को देखकर पर्यटक उत्साह से भर गए। कुछ ने उसके वीडियो बनाकर वायरल कर दिए। टाइगर रिजर्व के बफर जोन में सफारी का आनंद लेने के बाद पर्यटक काफी उत्साहित हो जाते हैं। इन दिनों नाइट सफारी में लगातार बाघ और शावकों के दीदार हो रहे हैं। इससे नाइट सफारी पर्यटकों की पसंद होती जा रही है। रात के घुप अंधेरे में जंगल और बाघ का आनंद मिलता है तो पर्यटकों का दिल बाग बाग हो जाता है।

फूटे कारम डैम का क्या करना है, पांच माह में भी तय नहीं कर पाई सरकार

इंदौर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश सरकार के गले की घंटी बन चुके कारम डैम को लेकर एक बार फिर लापरवाही सामने आई है। पांच माह में भी सरकार तय नहीं कर पाई कि फूटे कारम डैम का क्या करना है? पांच महीने में मानसून फिर आएगा और फूटा डैम बड़ी परेशानी बन सकता है। ठीक पांच माह पहले 14 अगस्त को कारम डैम फूटा था। इसका निर्माण अब तक शुरू नहीं हुआ है। जल संसाधन विभाग तय नहीं कर पा रहा है कि बांध निर्माण में लापरवाही बरतने वाली कंपनी से ही काम करना है या किसी दूसरी कंपनी को देना है। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट कमेटी की रिपोर्ट का हवाला दे रहे हैं। जिस कंपनी के कारण बांध फूटा, वह निर्माण से ज्यादा पेमेंट ले चुकी है, लेकिन काम पूरा नहीं कर सकी। पांच माह बाद फिर बारिश आ जाएगी। तब कमजोर डैम आसपास के गांवों के लिए फिर से परेशानी की वजह बन सकता है। कारम डैम का काम 300 करोड़ रुपये में एएनएस कंपनी को दिया था।

समन तामील कराने जा रहे एसआई की सड़क दुर्घटना में मौत

31 जनवरी को था रिटायरमेंट

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में राजघाट के पास समन तामील कराने जा रहे एसआई की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दरियागंज, एसआई लटूर सिंह थाना चांदनी महल, मध्य जिला, दिल्ली में तैनात थे। इस घटना से उनके परिवार में कोहराम मच गया है। गौरतलब है कि एसआई लटूर सिंह 31 जनवरी 2023 को रिटायर होने वाले थे। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटा और एक बेटी हैं।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात 8.30 बजे राजघाट लाल बत्ती से शांतिवन लाल बत्ती थाना दरियागंज के बीच रिंग रोड पर एक दुर्घटना के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

परासिया में अश्लील फोटो कांड

विधायक पुत्र पर सहकर्मी के अश्लील फोटो वायरल करने का आरोप

छिंदवाड़ा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा के परासिया जीएम कार्यालय में विधायक सोहन वाल्मिक के बेटे द्वारा एक महिला सहकर्मी के अश्लील फोटो वायरल करने का मामला सामने आया है। पूर्व विधायक और भाजपा नेता ताराचंद बावरिया ने यह आरोप लगाते हुए एसडीएम को ज्ञापन दिया है। बावरिया ने ज्ञापन के साथ एक आवेदन भी दिया है, जिसमें विधायक सोहन वाल्मिक के पुत्र आदित्य वाल्मिक के खिलाफ एक महिला के द्वारा की गई शिकायत का उल्लेख है। ऐसे में ये मामला सुर्खियों में आ गया है। दरअसल, शुक्रवार को पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया ने एसडीएम को कलेक्टर के नाम सौंपे ज्ञापन के साथ समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें और सोशल मीडिया के स्क्रीन शॉट की कापी सौंपी। इसमें उन्होंने बताया कि वेकोलि पेंच क्षेत्र परासिया के महाप्रबंधक कार्यालय परासिया में कार्यरत कर्मचारी ने अपनी महिला सहकर्मी है, की अश्लील तस्वीरों को सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर अपलोड कर दिया था। भाजपा ने इस मामले में कहा कि उक्त कृत्य से महिला कर्मी के साथ-साथ सारी नारी जाति का अपमान हुआ है। उनकी मर्यादा भंग हुई है। इस पर आज तक स्थानीय वेकोलि प्रबंधन ने कोई कार्यवाही नहीं की है। जबकि, उक्त महिला कर्मचारी एरिया जनरल मैनेजर मुख्यालय पेंच एरिया को लिखित शिकायत कर चुकी है।

26 की उम्र में विधवा हुईं, बेटा भी खोया फिल्मों में आईं तो खूब मिले ताने

मुगल-ए-आजम
1960

जीत
1949

सिंगार
1949

मुगल-ए-आजम में जोधा बाई और सलीम की मां के रोल में नजर आईं दुर्गा खोटे की आज 118वीं बर्थ एनिवर्सरी है। ये हिंदी सिनेमा की वो एक्ट्रेस रहीं जिन्होंने फिल्मी दुनिया में महिलाओं के लिए नए आयाम स्थापित किए। रईस खानदान में जन्मीं दुर्गा खोटे की कम उम्र में शादी हो गई थी। फैमिली लाइफ अच्छी चल रही थी कि उनके पति का निधन हो गया। उस समय दुर्गा खोटे की उम्र महज 26 साल थी। पति के यूं चले जाने से दुर्गा खोटे को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा और ना चाहते हुए भी फिल्मों में काम करना पड़ा। पहली फिल्म रिलीज हुई तो लोगों ने कड़ी निंदा की। साथ ही फिल्म भी फ्लॉप रही। लोगों की आलोचना और पहली ही फिल्म का फ्लॉप टैग लेकर उन्होंने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। हालांकि बाद में वी.शांताराम के कहने पर दोबारा इंडस्ट्री में कदम रखा और 5 दशक तक इस इंडस्ट्री का हिस्सा बनी रही। फिल्मों में काम करने के दौरान ही उन्होंने खुद का बेटा खोया और बाद में फिल्म इंडस्ट्री की 'मां' बनीं। साथ ही अपनी निडरता के जरिए फ्रीलांस काम करने वाली पहली एक्ट्रेस का टाइटल भी खुद के नाम किया। ये दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड हासिल करने वाली चौथी महिला हैं और उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा गया है।

नामी खानदान से था ताल्लुक, बी.ए पास थीं

दुर्गा खोटे का जन्म 14 जनवरी 1905 को एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन में उनका नाम वीटा लाड था। उनके पिता का नाम पांडुरंग शामराव लाड था और उनकी मां मंजुलाबाई थीं। दुर्गा खोटे अमीर खानदान से थीं। जिस वक्त महिलाओं को पढ़ने नहीं दिया जाता था, उस वक्त दुर्गा खोटे ने सेंट जेवियर कॉलेज से बी.ए किया था।

कम उम्र में शादी हुई लेकिन 26 साल की उम्र में विधवा हुईं

जब ये कॉलेज की पढ़ाई कर रही थीं तभी परिवार वालों ने दुर्गा की शादी एक अमीर खानदान में कर दी। उनके पति का नाम विश्वनाथ खोटे था और वो मैकेनिकल इंजीनियर थे। दोनों का वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा रहा, दोनों के दो बेटे भी हुए। लेकिन दुर्गा खोटे की ये खुशी बहुत दिनों तक नहीं रही। जब वो 26 साल की थीं, तभी उनके पति का निधन हो गया।

पति के गुजर जाने के बाद आर्थिक तंगी से जूझी

पति के गुजर जाने के बाद दुर्गा खोटे के ससुर ने उनका और उनके बच्चों का पालन-पोषण किया। लेकिन चंद दिनों के बाद ससुर का भी देहांत हो गया। इसके बाद परिवार के कुछ लोगों ने दुर्गा खोटे की मदद लेकिन कुछ समय बाद उन्हें लगने लगा कि वो दूसरों के ऊपर आश्रित नहीं रह सकतीं। दुर्गा खोटे को लगने लगा कि अब उन्हें घर चलाने के लिए कोई न कोई काम करना पड़ेगा। पढ़ी-लिखी थीं वो बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने लगी जिससे परिवार का गुजारा हो जाता था।

पैसे की मजबूरी की वजह से फिल्मों में आईं

दुर्गा खोटे की बहन शालिनी के परिचित थे जे.बी. एच वाडिया। उसी दौरान उन्हें अपनी फिल्म के एक रोल के लिए नए चेहरे की तलाश थी। उन्होंने शालीनी से कहा कि वो उनकी फिल्मों में काम कर लें, लेकिन शालीनी ने मना कर दिया। उन्होंने उस रोल के लिए दुर्गा खोटे का नाम सुझा दिया।

पहली ही फिल्म फ्लॉप रही

जब जे.बी. एच वाडिया ने दुर्गा से मुलाकात की और उन्हें फिल्मों में काम करने का ऑफर दिया तो उन्होंने हामी भर दी। वजह थी कि दुर्गा खोटे तंगी में थी। इसके बाद उन्होंने उस फिल्म में काम किया। फिल्म का नाम फरेबी जाल था जो 1931 में रिलीज हुई थी। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप रही।

फिल्में कीं तो लोगों ने खूब आलोचना की

दुर्गा खोटे ने उस वक्त फिल्मी इंडस्ट्री में कदम रखा था, जब लड़कियों के रोल भी लड़के ही किया करते थे। फिल्मों में यूं जाने से दुर्गा खोटे की खूब आलोचना हुई। कई तरह की बातें हुईं कि एक रईस परिवार की लड़की फिल्मों कैसे काम कर सकती है। फिल्म में उनका रोल बस 10 मिनट का था लेकिन उन्हें उतने से रोल के लिए काफी निंदा झेलनी पड़ी। लोगों के तानों से वो बुरी तरह से टूट गईं जिस वजह से उन्होंने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी।

वी.शांताराम के कहने पर दोबारा फिल्मों में आईं

पहली फिल्म में उनकी एक्टिंग से वी.शांताराम बहुत प्रभावित हुए थे। इसके बाद उन्होंने अपनी फिल्म 'अयोध्येचा राजा' में उन्हें लीड रोल 'तारामती' का किरदार उन्हें ऑफर किया। पहले तो दुर्गा ने उनके इस ऑफर को ठुकरा दिया लेकिन बाद में शांताराम के बहुत समझाने के बाद उन्होंने फिल्मों में दोबारा वापसी की।

दूसरी फिल्म से रातों-रात स्टार बन गईं

दुर्गा खोटे ने फिल्म अयोध्येचा राजा की शूटिंग पूरी की। फिल्म रिलीज के पहले वो बहुत घबराई थीं। उन्हें डर था कि कहीं लोग उनकी फिल्म को बहिष्कार ना कर दें, जिससे फिल्म फ्लॉप हो जाए। हालांकि ऐसा हुआ नहीं, उनका ये किरदार लोगों को खूब पसंद आया। इस फिल्म के बाद तो दुर्गा खोटे स्टार बन गईं।

फ्रीलांस काम करने वाली पहली एक्ट्रेस थीं दुर्गा खोटे

दुर्गा खोटे हिंदी सिनेमा की पहली ऐसी एक्ट्रेस थीं जिन्होंने स्टूडियो सिस्टम (फिल्मों में काम करने के लिए एक ही स्टूडियो के साथ मासिक वेतन पर एग्रीमेंट) को खत्म किया और फ्रीलांस काम करने वाली पहली एक्ट्रेस बनीं।

जब क्रू मेंबर को बचाने के लिए शेर से भिड़ गईं थीं दुर्गा खोटे

दुर्गा खोटे का एक किस्सा भी ये मशहूर है कि वो एक फिल्म की शूटिंग कोल्हापुर में कर रही थीं। उस दौरान वहां कुछ शेरों को भी लाया गया था। उनके साथ उन शेरों का ट्रेनर भी था। तभी अचानक शेर ने एक कर्मचारी को दबोच लिया। उस आदमी को बचाने के लिए दुर्गा उस शेर से भिड़ गईं। थोड़ी देर बाद ट्रेनर ने उस शेर को शांत कराया और दुर्गा भी बाल-बाल बच गईं।

एक्टिंग के अलावा फिल्म प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया

जब हिंदी सिनेमा में महिलाओं का एक्टिंग करना बड़ी बात थी तब समय दुर्गा खोटे ने फिल्म डायरेक्शन में भी हाथ आजमाया। उन्होंने फैक्ट फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले कई शॉर्ट फिल्में बनाई थी, जिसके लिए उन्हें काफी सराहा गया। दुर्गा खोटे विदेशी फिल्म फेस्टिवल में जाया करती थीं, जिस वजह से उन्हें फिल्म प्रोडक्शन में भी काफी मदद ली। उन्होंने एक फिल्म साथी बनाई, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई। इसके बाद उन्होंने कोई फिल्म नहीं बनाई।

खुद का बेटा खोया और बनीं फिल्म इंडस्ट्री की 'मां'

जब दुर्गा खोटे फिल्मों में सक्रिय थीं, तभी उनके बेटे का निधन हो गया। बेटे के चले जाने से उन्हें गहरा सदमा लगा। खुद के बेटे को खोने के बाद वो ऑनस्क्रीन मां बनकर उभरीं। उन्होंने फिल्म मुगल-ए-आजम में सलीम की मां जोधा बाई का किरदार निभाया जो आज भी लोगों के जेहन में जिंदा है।

काव्य कुंज

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

मकर संक्रांति

पृथ्वी पर सूर्य महिमा से ही प्राणों का संचार।
न होते सूर्य देव तो पृथ्वी पर होता अंधकार।।
सूर्य का मकर राशि में प्रवेश,देता कई सन्देश।
मकर संक्रांति में आध्यात्मिक छिपा अधिकार ।।
लोहड़ी,पोंगल,माघी,पोष संक्रांति,बिहू कई नाम
सब नामों में बसता हिन्दू धर्म,पवित्र ज्ञान का भंडार।।
सुबह गंगा में डुबकी लगायें ,पापों से छुटकारा पाएं।
जीवन सफल हो जाए करना होगा कुछ ऐसा उपचार।।
गुड़, तिल ,मूंगफली, खिचड़ी दान, और गुड़ पकवान।
मौसम में आई तरुणाई, खेत खलियान में बहता प्यार।।
संतुलन ऐसा हर वर्ष का ख़ास यह निश्चित दिन।
खास दिन की खास बातें सौर चक्रा अनुसार।।
आसमां पर नजर टिकाने का दिन आया।
पतंग डोर ने हवा के साथ जोड़ा अनोखा तार।।
पतंग डोर के सहारे ,अपने सपनों को पंख लगाएं ।
आसमान में झूमती पतंगों में हौसलों का संसार।।
सौहार्द व भाई चारे से ओत प्रोत मकर संक्राँति ,
'गीता' विश्व में शांति की रखे हर कोई कामना बेशुमार।

मेरे मौला ये खौफनाक मंज़र क्यों ।।

संजीव ठाकुर,
रायपुर

दिलों में नफरत हाथों में खंजर क्यों,
मेरे मौला ये खौफनाक मंज़र क्यों ।।
कौम का बटवारा खून से सना हुआ ,
लहु की धार नफरत का असर क्यों।
ए खुदा तेरी रहमत या कुछ और है ,
आँखों में तल्खी,जुबाँ पे जहर क्यों ।।
कहीं घर उजड़ा है कही दुकांन उजड़ी,
अमन गायब है बचे अस्थि पंजर क्यों।
एक मिटटी से बनाया है हम सबको,
लाचार इंसान भला इतना जर्जर क्यों
आओ भूलो दंगे फसाद,बनाएं नया जहाँ।
शांति अमन और चैन में संजीव कहर क्यों।।

मन का खेल

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जाने मन आज क्यों
उदास हो गया
क्यों मेरे आंसू छलक गए
यह मेरा पत्थर दिल
क्यों मोम सा हो गया
कौन सा दर्द था जो मुझ में
पिघल कर निकल गया
सोच में डूबा रहा
धार तो बहती रही
जाने आज क्यों मैं रोता रहा
मैं अकेला हूं यह जानता हूं मैं
यहां सब अपने आप में अकेले हैं
मानव इच्छाओं से
वासनाओं से भावनाओं से
विचारों से भरा हूं मैं
खूब लड़ा हूं इनसे सदा
जाने क्यों हार जाता हूं सदा
समुंदर में हजारों लहरों की तरह
मुझमें भी तरंगों का भी विषाद है
यह बड़े वेग से आती हैं
मेरे मानस पटल पर छा जाती हैं
संयम रखता हूं विवेक रखता हूं
तो यह तरंगे लौट जाती हैं
जाने आज क्यों मैं रोता रहा
बहुत सोचा समझा सोचता ही रहा
फिर भी जाने क्यों अपनी भावनाओं
तृष्णा ओ के चक्रव्यू में
फस जाता हूं निकल नहीं पाता हूं
कितना ही कठोर जागृत हो
इस जाल में फंस ही जाता है
जाने आज क्यों मैं रोता रहा
यह सब खेल मन ही रचता है
हमारा शरीर यंत्र वत है
मन बटन दबाता है
हम उसका अनुसरण करते हैं
काम क्रोध मद लोभ
प्रेम ईर्ष्या सुख-दुख
मन के खिलौने है
हम इन्हीं में रहकर
अपनी जीवन नैया पार करते हैं
जाने क्यों आज मेरे आंसू निकल गए

ज़ख्म

टी तारासिंह
हैदराबाद

जिंदगी में बहार है तो
सपने भी फुल से खिलते
आंखों को मिल जाती खुशियाँ
जिंदगी को मिल जाती पनाह ।
कांटे चुप जाये रहो में
हर कदम पर तेरी याद आये
आंखों में भर लेगें आंसू तो
कांटों जैसे चुभते जख्म देते
आंखे बरसे हमारे सपने टूटे
तेरा साथ छुटा दिल टूटा
दुनिया उलझ कर बिखर गई
दो प्यार करने वाले बिछड़े
जमाने भर का असूवन दे गये
उलझी थी जिंदगी रब ने सुलझा दी
कस्मे प्यार के पूरे कर लेगें
आंखों को मिल जाती खुशियाँ
जिंदगी को मिल जाती पनाह ।।

और भी बाकी हैं...।

डॉ। डी। डी। देसाई

न घबरा न बिखरा।।
अधूरे टूटे हुए सपनों से,
मिलेंगे अवसर
आधी रात और भी बाकी हैं।
कुछ मुरझाए।।
कुछ सूखे फूलों का मत कर शोक,
सृष्टि को महकातें
गुलिस्तान और भी बाकी हैं।
नही रही द्वारका न रही अयोध्या मगर हे इन्सान,
घनगोर हैं कलियुग, रामराज और भी बाकी हैं।
श्राप और वरदान से न राम बचे न दशरथ।
कपूतों के काफिले सपूतों का कारवाँ और भी बाकी हैं।
वस्त्रहरण, अग्निपरीक्षा मात्र इतिहास नहीं रहा,
वर्तमान युग में रामायण और भी बाकी हैं।
कौरवों पांडवों से नहीं ली सीख किसीने,
घर घर में महाभारत और भी बाकी हैं।
कौन कहता हैं...। कि नारी आज सुरक्षित हैं।।?
पंखे पर लटकती,
रसोई में सुलगती लाशें और भी बाकी हैं।
मत ख़ुश होना हे भगवान...बना के इनसान,
इसकी करतूतें कारनामें इसके और भी बाकी हैं।

पतंग मेरी उड़-उड़ जाए।।।

ओमकार सर्डिवाल

पतंग मेरी उड़-उड़ जाए,
जीवन का राग सुनाएं,
कागज, काट से बनी देह,
एक नाता जोड़े आस्था की डोर,
ईश्वर रूप मनोज थामे,
गगन की सैर करा वे,
गगन की सैर करा वे।।।
पतंग मेरी उड़-उड़ जाए,
जीवन का राग सुनाएं,
गगन में गोते खाए,
इठलाये बलखाए,
पवन संग बातें करते जाए,
ऊंचे उठने का संदेश देवें,
ऊंचे उठने का संदेश देवें।।।
पतंग मेरी उड़-उड़ जाए,
जीवन का राग सुनाएं,
अपनी मस्ती में जो लहराए
अधिक जो गर्व कर जाए
संसार की नजरें उस पर पड़ जाए
आस्था की डोर से वह लड़ जाए
विमुक्त रहा पर वह बढ़-बढ़ जावे
विमुक्त रहा पर वह बढ़-बढ़ जावे।।।
पतंग मेरी उड़-उड़ जाए,
जीवन का राग सुनाएं,
नश्वर संसार से मुक्त हो जाए,
ईश मिलन हेतु बढ़-बढ़ जाए,
जाने डोर किस हाथ में पड़-पड़ जाए,
शेष जीवन पुनः बीता जाए,
जीवन राह बाकी रे पुना उड़ जावे
जीवन राह बाकी रे पुना उड़ जावे।।।

संक्रांति

रेणुका अग्रवाल

उड़ी पतंग आसमान की ओर।
पतंग संग उड़ती उसकी डोर।
लहराए रंग बिरंगी पतंग ,
उसका होता चरखी में छोर।
हवा चलती जिस दिशा में। उडे पतंग उसी हवा में ।
पतंग अस्तित्व है डोर संग , कटी डोर तो कटी पतंग ।
नारी जीवन पतंग समान। बचपन में पढ़ाई संग सम्मान।
फिर पढ़ाई लिखाई से सीख, जीवन करते ख़ुद का महान ।
एक बार जो छूटे टूटे। हाथ न आते रिश्ते किसी के ।
हंसकर जीवन में निभा लो। प्यारे अपने रिश्ते सभी के।
ताजी ताजी सांसे भरकर । भंवरे सा तुम डोल डोल कर।
स्वागत करो आज सृष्टि का,नमन करो अपने ईष्ट का।
गज़क और घेवर भी है। साथ में तिल के लड्डू भी हैं।
फिनि तिल पापड़ी संग, साथ पति के देवर भी है ।
बैठे सास ससुर कुर्सी पर । याद करे दिन फुर्ती के पर।
बढ़ती उम्र की मजबूरी है, वे भी उड़ाये पतंग जी भर।
भारत के त्योहार निराले। मन में न रंजिशें पाले।
दिल से ग़म आज मिटाओ, चल तू भी गूंद के लड्डू खा ले।

रात आकाश के नीचे

निशब्द मैदान आकाश भर
बिना लिपि पहने तारों के झुंड के संवाद
अब कुछ भी नहीं हल्की बयार से
फूलों की पंखुड़ियां उड़ाते पेड़
शाखों पर पक्षियों के संगीत सम्मेलन
आंखों की मछलियों को अपने में छुपाती नदियां
अब कुछ भी नहीं मैं यहां खड़ा हूं
शायद यही रुक गया हूं
मुझे छोड़कर जा चुके एकाकी दिनों को
अपना अस्तित्व बना लेते
शून्य समूहों को अवसरवादी अक्षरों के
गुलामों की खूबियों को
मानव की भाषा जहां नहीं है
ऐसे असंतुष्ट असंदर्भ चर्चाओं को
अखबारों भर खेलते हुए
दुर्गंध भरे गंधों के प्रभाव को
सभी को पीछे छोड़ आ रहा हूं
अंधेरे रंगों को पलकों पर सुंदर बना रहा हूं
एक नया रंगीन कोई दृश्य
इस निशब्द धरती पर अंकुरित होगा
सोच कर सांस लेने वाले
जनसमूह भरे शहरों को पार कर
इस तरह एकाकी मैदानी धरती पर
एक नए नारे को लिखकर
चारों तरफ प्रसारित करना होगा
चांद के प्रकाशमान होने के पहले ही
इस ठंडी रात के मां की गोद में
मनुष्य को सीधा बनाने वाली
एक कविता का प्रसव किया जाना होगा।।

डॉ टी महादेव राव

विद्या की देवी

गजानन पाण्डेय

मैं बालक तू मेरी माता
तुझसे है मां प्रेम का नाता ।
तू विद्या की देवी है
हम बालक अज्ञानी हैं ।
मोह - माया ने मन को घेरा
पथ न सूझे मुझको मेरा ।
भव - बंधन मैं तोड चुका हूं
तेरे द्वारे आन पडा हूं ।
मुझको अपनी शरण में ले लो
ज्ञान - मार्ग का पथ दिखला दो ।
मन में आशा का दीप जला दो
सत्य मार्ग का बोध करा दो ।

आशा की संक्रांति

दर्शन सिंह
हैदराबाद

आशा व विश्वास से
सिंचित है पर्व संक्रांति
हर्ष व उल्लास से
आमोदित है पर्व संक्रांति
ऐश्वर्य व अभ्युदय से
आह्लादित है पर्व संक्रांति
वैभव व संपन्नता से
उल्लासित है पर्व संक्रांति
आभा से आलोकित है पर्व संक्रांति
अद्भुत गुरुता से अनुग्रहित है पर्व संक्रांति
इंसानियत से प्रफुल्लित है पर्व संक्रांति
हैवानियत से विस्मृत है पर्व संक्रांति
रंगोली से सुसज्जित है पर्व संक्रांति
इंद्रधनुषी पतंगों से प्रहर्षित है पर्व संक्रांति
रंग बिरंगें परिधानों से आभूषित है ।संक्रांति
विविध व्यजनों से सुसज्जित है पर्व संक्रांति
रमणीय व अद्वितीय है पर्व संक्रांति
विस्मित व प्रशंसनीय है पर्व संक्रांति
प्रेरणीय व उल्लेखनीय है पर्व संक्रांति
संस्मरणीय व अविस्मरणीय है।। संक्रांति।

जरा बताओ कौन है दोषी ?

हो रही है विलीन , आदि शंकराचार्य जी की नगरी
बिखर रहीं हैं ईंटें और डगमगाई तसली - गगरी
ज़रा बताओ कौन है दोषी ?
कह रहे हैं लोग --
तपस्वी योगी हिमालय ने , तीसरी आँख खोली है
इक करवट लेने की खातिर , माला नई टटोली है
बर्फीली हवाओं ने , चाँद से बातें करनी चाहीं
जग के विचित्र व्यवहार पर,संशय की आंखमिचौली है
सच्चाई तक पहुँचो और सही खबर सुनाओ खबरी
हो रही है विलीन , आदि शंकराचार्य जी की नगरी
ज़रा बताओ कौन है दोषी ?
कह रहे हैं लोग ---
क्या जरूरत थी इतनी , जो सुरंग बनाने चले थे तुम
विस्फोटों का जाल बिछा कर , सड़क बनाने चले थे तुम
पहाड़ों के मजबूत जोड़ , तुम सबने मिल हिला डाले
आखिर किसके वास्ते , जोड़ो को , हिलाने चले थे तुम
बन गये चौड़े रास्ते पर अब बिलख रही सड़क सँकरी
हो रही है विलीन , आदि शंकराचार्य जी की नगरी
ज़रा बताओ कौन है दोषी ?
कह रहे हैं लोग --
कच्ची - पक्की सड़कों पर खच्चर , काम किया करते थे
दर्शनार्थियों को ये लोग , राह दिखाया करते थे
राह थी टेढ़ी - मेढ़ी पर श्रद्धा से , भक्त चला करते थे
जप - तप की अनुभूति पाकर , सारे लोग शिवा कहते थे
रुष्ट हुआ जोशीमठ , सुरंग के नाम पे छुप गयी बकरी
हो रही है विलीन , आदि शंकराचार्य जी की नगरी
ज़रा बताओ कौन है दोषी ?
कह रहे हैं लोग ---
लगी सेंध पत्थरों में ,
योगी श्रृंखलाओं ने मौन तोड़ा
गलबहियाँ छोड़ धरकर रौद्र स्वरूप,
सबने मौन तोड़ा
बंद करो सब मस्तिष्क ने क्यों ऐसी,
विकास की रट लगाई
लताओं - वल्लरियों संग हरएक ,
जानवरों ने मौन तोड़ा

कुमुद बाला,
हैदराबाद

यत्न करो , बचा लो धरोहर ,
चोट आस्था पे पड़ी गहरी
हो रही है विलीन ,
आदि शंकराचार्य जी की नगरी
ज़रा बताओ कौन है दोषी ?

मेरी बेटी को क्या सिखाऊँ।

सरिता शर्मा

जो कुछ देखा, सुना और हुआ,
उसे जानकर मेरे दिल ने की दुआ,
की कहाँ रही अब बेटी पाने की चाह,
बंद दरवाज़े, चट्टानों से भरी हर राह,
मेरी बेटी को क्या सिखाऊँ,
मानवता में क्या दिखाऊँ!
वो तितली सी नाजुक,आसमॉ में उड़ना चाहे,
कैसे बचाऊँ,चारों और अंगारों सी निगाहें,
कैसे कहूँ कि दो क़दम के बाद अँधेरी खाई है,
मेरी चिरैया को कैसे कहूँ कि काली बदली छायी है,
बिन मौसम के तुफ़ॉ से उसे कैसे बचाऊँ!
मेरी बेटी को क्या सिखाऊँ!
मानवता में क्या दिखाऊ!
घरौंदे बनाना चाहती है वो नन्हीं सी जान,
आसमां में आंगन चाहे, देखो उसकी उड़ान,
उसकी मुस्कान इन्द्रधनुष लाती है,
उसकी आभा स्याही से तिमिर को भगाती है,
कैसे दूँ मैं उसे उसके आसमॉ का शहर,
कैसे कहूँ कि सब ओर है दरिंदगी का कहर,
सबसे लड़कर उसे क़लम कैसे थमाऊँ,
मेरी बेटी को क्या सिखाऊँ,
मानवता में क्या दिखाऊँ।।

वाह रे भाई बलिया वाले

रामू हरी आपट,
ईस्नापुर

वाह रे भाई बलिया वाले।
बलिदान दिया था तुने भी।
पर तेरे बलिदानों का
भारत में इतिहास
नहीं आया तेरा नाम
गल्ले लगी बेकारी है।
तेरे खुन की लाली से,
उदय हुआ तिरंगा प्यारा ।
मंगल पाण्डे बलिया के थे।
थे कुंवर सिंह आरा के आई आजादी मिली आजादी
छोटे-बड़े नेताओं को जिन लोगों ने खुन दिया था,
उसके घर में रोटी नहीं, कितने लोग बलिदान हुये ।
कितने बहुएँ विधवा हुये। कितने माँ के लाल मरे
रह-रह कर मुझे याद आती है सन पैंतालिस की बातें ।
दिल दहला देते थे। आजादी के दिवाने थे
गायघाट रेवती बलिया उत्तर प्रदेश के वासी थे
जिन्दा है देश हमारा वाह रे भाई बलिया वाले !

चिड़ियां और चिड़ा

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

चिड़ियां और चिड़ा स्व घोंसले में खिला रहे दाना
स्व बच्चों को, भूल अपनी पीड़ा,गर्मी से व्याकुल
चिड़ियां दाना पानी , ढूंढ कर लाती ,और
अपने चूजों को तृप्त करती,
आसमां में स्वच्छंद उड़ने वाले
चिड़ियां के जोड़े, जिम्मेदारी में बंधे
बच्चों की खातिर घोंसले की ओर मुड़े,
माता पिता बन एक दूसरे से
और जुड़े चोंच में ला के तिनका तिनका
बच्चों को पाला,
माता पिता का फर्ज निभाया।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

मुस्लिमों को यवन सर्प कहते थे संघ संस्थापक हेडगेवार

भागवत बोले- इस्लाम को देश में खतरा नहीं; क्या मुस्लिमों पर संघ का बदल रहा है स्टैंड?

'इस्लाम को देश में कोई खतरा नहीं है, लेकिन उसे 'हम बड़े हैं' का भाव छोड़ना पड़ेगा।'

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने 11 जनवरी 2023 को 'ऑर्गेनाइजर' पत्रिका को दिए एक इंटरव्यू में ये बातें कही तो पूरे देश में बहस का मुद्दा बन गया है। इससे पहले 2 जून 2022 को भागवत ने कहा था कि हमें रोज मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना है? 6 सितंबर 2021 को कहा कि हिंदू और मुस्लिम एक ही वंश के हैं। 4 जुलाई 2021 को कहा- अगर कोई हिंदू कहता है कि मुसलमान यहां नहीं रह सकता, तो वह हिंदू नहीं है। मोहन भागवत के इन बयानों से मुस्लिमों को लेकर आरएसएस के रुख में नरमी की बात पर चर्चा हो रही है। आज जानेंगे कि 1925 में आरएसएस की शुरुआत से लेकर अब तक मुस्लिमों को लेकर सरसंघचालकों ने क्या-क्या कहा? क्या मोहन भागवत के आने के बाद मुस्लिमों को लेकर आरएसएस के स्टैंड में कोई बदलाव हुआ है?

भारत के मुस्लिम यवन सर्प हैं: हेडगेवार

1925 से 1940 तक आरएसएस प्रमुख रहे हेडगेवार के बयान का एक हिस्सा... है। 'खिलाफत आंदोलन के दौरान हिंदू-मुस्लिम भाई भाई का नारा भले ही आकाश में गूंज रहा हो, लेकिन हकीकत में इसकी संभावना कम हो रही है। इसकी वजह है कि खिलाफत आंदोलन में भाग लेने वाले मुस्लिमों ने अपनी मातृभूमि से अधिक अपने धर्म के प्रति वफादारी दिखाई है।' केशवराव बलिराम हेडगेवार की जीवनी लिखने वाले सी.पी. भिषिकर के मुताबिक हेडगेवार मुस्लिमों को यवन सर्प कहते थे। यह शब्द राष्ट्र विरोधी विदेशियों के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

मुस्लिम धर्मांतरण के मकसद से भारत आए: गोलवलकर

1940 से 1973 तक आरएसएस प्रमुख रहे गोलवलकर के भाषण का एक हिस्सा...

'भारत का पिछले 1200 साल का इतिहास धार्मिक युद्ध का इतिहास रहा है, जिसमें हिंदुओं को खत्म करने की कोशिश की गई। 1200 साल पहले जब से मुस्लिमों ने इस धरती पर कदम रखा है, उनका एकमात्र मकसद पूरे देश का धर्मांतरण करना और उसे अपना गुलाम बनाना रहा है।' माधवराव सदाशिव गोलवलकर के 'बंच ऑफ थॉटस ' किताब में लिखी इन बातों को संघ ने खारिज करते हुए इसे गुरुजी का निजी विचार बताया है।

'सैद्धांतिक रूप से हमने यह स्वीकार किया है कि पूजा-पाठ की पद्धति अलग होने के बावजूद मुसलमान भी राष्ट्र जीवन में समरस हो सकते हैं। हमें नया आरएसएस बनाना चाहिए और मुसलमानों के लिए भी दरवाजे खोलने चाहिए।' 1977 में आरएसएस की प्रतिनिधि सभा में मुसलमानों को संघ में लाने के सवाल पर ये बात तब के सरसंघचालक बाला साहब देवरस ने कही थी। हालांकि यादवराव जोशी, मोरोपंत पिंगले, दत्तोपंत ठेंगड़ी जैसे बहुत से नेताओं ने इसका कड़ा विरोध किया।

मुस्लिमों में पाकिस्तान के लिए कोई सॉफ्ट कॉर्नर न रहे: रज्जू भैय्या

1993 से 2000 तक आरएसएस प्रमुख रहे रज्जू भैय्या के भाषण का एक हिस्सा...

'भारत में 98% मुसलमान धर्मान्तरित हैं। अगर मुसलमानों की अपनी इबादत है, कुछ खास रीति-रिवाज हैं, तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन बंटवारे के बाद भी अगर मुस्लिमों में पाकिस्तान के लिए किसी तरह का सॉफ्ट कॉर्नर है तो इससे शक पैदा होता है। यही वजह है कि मुस्लिमों को लेकर लोगों के मन में यह डर घर कर गया है।' 30 अप्रैल 1994 को पत्रकार युवराज घिमिरे ने चौथे सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह से बात की थी। इस दौरान उनका एक सवाल था कि क्या संघ का भाईचारा अल्पसंख्यक समुदायों से देश के प्रति अपनी वफादारी साबित करने को कहता है? इस सवाल के जवाब में ही उन्होंने ये जवाब दिया था।

हम अल्पसंख्यक की अवधारणा स्वीकार नहीं करते: केएस सुदर्शन

2000 से 2009 तक आरएसएस प्रमुख रहे सुदर्शन के भाषण का एक हिस्सा...

-'हम अल्पसंख्यक की अवधारणा को बिल्कुल स्वीकार नहीं करते हैं।'

संघ प्रमुख केएस सुदर्शन ने 20 साल पहले 2002 में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की शुरुआत की थी। इसकी जिम्मेदारी उन्होंने इन्द्रेश कुमार सौंपी थी। इसके अलावा उन्होंने जमीयत उलेमा-ए-हिंद और मौलाना डॉ. जमील इलियासी से भी मुलाकात की थी। मौलाना जमील इलियासी उस समय इमाम ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष थे।

2009 में आरएसएस प्रमुख बने मोहन भागवत के मुस्लिमों को लेकर दिए हालिया बयानों को पढ़िए...-

क्या मुस्लिमों के मामले में संघ का रुख नरम पड़ा है?

राज्यसभा सांसद और संघ विचारक राकेश सिन्हा के मुताबिक आरएसएस का मुस्लिमों को लेकर हमेशा एक जैसा रुख रहा है। भागवत ने अपने बयान में हेडगेवार और संघ की मूल भावना की प्रगतिशील व्याख्या की है। राकेश सिन्हा मोहन भागवत के बयानों के दो मायने बताते हैं।

पहला- संघ मुस्लिम समाज का विरोध नहीं करता।

दूसरा- एक धर्म को मजबूत करने वाले कट्टर लोगों को कठोर जवाब मिला है।

पॉलिटिकल एक्सपर्ट राशिद किदवई कहते हैं कि देश की आजादी के पहले से लेकर अभी तक मुस्लिमों को लेकर आरएसएस का पॉलिटिकल रिस्पॉन्स रहा है। इसी वजह से तरह-तरह से इस धर्म पर सवाल उठाए जाते रहे हैं। मोहन भागवत के इस बयान से लगता है कि अब इस्लाम धर्म को लेकर पॉलिटिकल रिस्पॉन्स में बदलाव हो रहा है। मुस्लिमों को अपना बताने की कोशिश हो रही है। ये पॉजिटिव और समाज में सौहार्द बढ़ाने वाला है। संघ से जुड़ी पत्रिका 'ऑर्गेनाइजर' के पूर्व संपादक शेषाद्री चारी के मुताबिक मुस्लिम समुदाय में सुधारवादी लोगों की कमी है। जो थोड़े-बहुत उदार लोग हैं, उन्हें कट्टर लोग दबा देते हैं। ऐसे में संघ प्रमुख का मुस्लिम समुदाय के बड़े नेताओं से मुलाकात राष्ट्रीय हित और दोनों समुदायों के बीच अधिक समझ और सहयोग का माहौल तैयार करेगी।

पत्रकार और लेखक विवेक देशपांडे एक आर्टिकल में मुस्लिमों के प्रति मोहन भागवत के रुख के 3 मायने बताते हैं-

1. लक्ष्य वही, लेकिन तरीका बदला है: संघ का लक्ष्य हिंदू राष्ट्र की स्थापना है, लेकिन इसमें सबसे बड़ा संकट 14% से ज्यादा मुस्लिम आबादी है। आरएसएस को पता है कि उसे साधे बिना संघ का मकसद पूरा नहीं होगा।
2. संघ ने पाला तो बदला, लेकिन पटरी नहीं: तीसरे संघ प्रमुख देवरस ने कहा था कि हिंदू माता-पिता से पैदा होने वाले ही हिंदू हैं। अब मोहन भागवत कहते हैं कि भारत में रहने वाला हर व्यक्ति हिंदू है। इस तरह भागवत ने संघ में मुस्लिमों को लेकर जो विवादित संदर्भ थे, उसे बदलने की कोशिश की है।
3. बीजेपी के अति उत्साही कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए: 2014 में बीजेपी की केंद्र में सरकार बनने के बाद मुस्लिम मॉब लिंचिंग की घटना बढ़ी।

मुस्लिमों के प्रति रुख को दिखाते मोहन भागवत के 5 बयान

11 जनवरी 2023
"इस्लाम को देश में कोई खतरा नहीं है, लेकिन उसे 'हम बड़े हैं' का भाव छोड़ना पड़ेगा।"

2 जून 2022
"ज्ञानवापी का एक इतिहास है। इसे हम बदल नहीं सकते। हमें रोज एक मस्जिद में शिवलिंग को क्यों देखना है? झगड़ा क्यों बढ़ाना है? हिंदू कभी मुस्लिमों के विरुद्ध नहीं सोचता है। मुस्लिमों के पूर्वज भी हिंदू ही थे।"

6 सितंबर 2021
"हिंदू और मुस्लिम एक ही वंश के हैं और प्रत्येक भारतीय नागरिक एक हिंदू है।"

4 जुलाई 2021
"यदि कोई हिंदू कहता है कि मुसलमान यहां नहीं रह सकता है, तो वह हिंदू नहीं है।"

9 नवंबर 2019
"राम जन्मभूमि आंदोलन से संघ किन्हीं कारणों से अपवाद स्वरूप जुड़ा था, जो फैसला आने के बाद खत्म हो गया है। राम मंदिर के बाद अब हम कोई आंदोलन नहीं करेंगे। कोई मुद्दा उठा तो हम मिल-जुलकर मामला सुलझाएंगे।"

केजरीवाल और केसीआर से कांग्रेस को परहेज क्यों?

अशोक भाटिया

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अपने समापन की तरफ बढ़ रही है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तरफ से विपक्षी दलों के नेताओं को भेजी गयी चिट्ठी से पूर्णाहुति जैसा माहौल भी बनने लगा है । अब तो कांग्रेस पार्टी ने कमाल कर दिया है। भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने के लिए उसने देश 21 पार्टियों को न्योता दिया है लेकिन आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र संघ को नहीं बुलाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी 21 पार्टियों के अध्यक्षों को चिट्ठी लिखी है। सोचें, खड़गे को संसदीय कामकाज के दौरान आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति के साथ राजनीकि करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। उन्होंने पिछले शीतकालीन सत्र में दो बार विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाई, जिसमें इन दोनों पार्टियों के नेता शामिल हुए। संसद में सरकार को घेरने में इन दोनों पार्टियों ने कांग्रेस के साथ सहयोग किया। लेकिन कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी को यात्रा के समापन कार्यक्रम का न्योता इनको नहीं दिया गया है।इससे पहले भी राहुल गांधी के नेतृत्व में हो रही यात्रा जब दिल्ली पहुंचने वाली थी तब सभी विपक्षी पार्टियों को चिट्ठी लिख कर बुलाया गया था उसमें भी आप नेता अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी नहीं लिखी गई थी। यह अलग बात है कि कोई भी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के बुलावे पर उसकी यात्रा मे शामिल नहीं हुई। इसके बाद उत्तर प्रदेश में जब यात्रा पहुंची तो वहां की विपक्षी पार्टियों को न्योता दिया गया लेकिन उनमें से भी कोई नेता यात्रा में शामिल नहीं हुआ। अब तीसरी बार विपक्षी पार्टियों को न्योता दिया गया है। कांग्रेस ने कहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने समान विचारधारा वाली पार्टियों को न्योता दिया है। तो सवाल है कि क्या अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति को कांग्रेस समान विचारधारा की पार्टी नहीं मानती है? अगर ये समान विचार वाली पार्टियां नहीं हैं तो संसद में इनके साथ कैसे समन्वय और सहयोग बनता है? एक सवाल यह भी है कि किस आधार पर कांग्रेस इन दोनों को समान विचार वाली पार्टी नहीं मान रही है? केजरीवाल की तरह राहुल गांधी भी मंदिर मंदिर जाते हैं और उनकी तरह मुफ्त में बिजली, पानी की घोषणा कांग्रेस भी करती है। केजरीवाल और केसीआर दोनों की पार्टी भी भाजपा के खिलाफ बोलते और उससे लड़ते हैं। सो, यह विचारधारा का मामला है।असलियत यह है कि जहां भी कांग्रेस का अपना हित सीधे किसी पार्टी से टकरा रहा है वह पार्टी कांग्रेस को पसंद नहीं है। जहां पार्टी पहले ही अपने हितों का सरेंडर कर चुकी है वहां की पार्टियों के साथ काम करने में कांग्रेस को दिक्कत नहीं है। आम आदमी पार्टी सीधे कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रही है। उसने दिल्ली कांग्रेस के हाथ से छीन ली, गोवा और गुजरात में कांग्रेस को नुकसान किया और इस साल होने वाले चुनाव में राजस्थान सहित कुछ और राज्यों में कांग्रेस को नुकसान कर सकती है। इसलिए वह कांग्रेस को पसंद नहीं है। तेलंगाना का निर्माण कांग्रेस ने कराया था और वह वहां वापसी की उम्मीद कर रही है, जिसके लिए उसको सीधे केसीआर की पार्टी से टकराना है। ऊपर से केसीआर कांग्रेस को छोड़ कर मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सोचें, अगर भाजपा विरोधी

गठबंधन बनाने का कांग्रेस का यह पैमाना होगा तो कैसे गठबंधन बनेगा और काम करेगा? हाल फिलहाल केसीआर और अरविंद केजरीवाल को काफी करीब देखा गया है, और तेलंगाना रैली में केजरीवाल के साथ साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी केसीआर की तरफ से बुलावा भेजा गया है। जैसे केजरीवाल के साथ केसीआर पंजाब तक जाकर किसानों को चेक बांट चुके हैं, पटना जाकर नीतीश कुमार के साथ विपक्षी एकता के प्रयासों का प्रदर्शन भी कर चुके लेकिन 18 जनवरी को होने जा रही रैली में केसीआर ने नीतीश कुमार ही नहीं, ममता बनर्जी को भी नहीं बुलाया है।केजरीवाल और केसीआर के प्रति कांग्रेस का व्यवहार इसलिए भी थोड़ा अजीब लग रहा है क्योंकि संसद के शीतकालीन सत्र में जब मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों के सांसदों की मीटिंग बुलायी थी, तो आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह के अलावा केसीआर के सांसद के केशव राव भी आखिरी वक्त में पहुंच गये थे। राज्य सभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष की मीटिंग में ममता बनर्जी ने भी प्रतिनिधि भेजा था और तब ऐसा लगा जैसे कांग्रेस ने सारे गिले शिकवे खत्म कर लिया है लेकिन कन्याकुमारी से राहुल गांधी के कश्मीर पहुंचते पहुंचते सारी खटास बाहर निकल आयी है।

केजरीवाल और केसीआर ही नहीं तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी या फिर तेलुगु देशम पार्टी के नेताओं के साथ कांग्रेस नेतृत्व का व्यवहार तो दोस्ताना नहीं ही महसूस किया गया है। ममता बनर्जी तो अब सोनिया गांधी से भी नहीं मिलतीं और ऐसा लगता है जैसे वो विपक्षी खेमे से काफी दूर जा चुकी हों।फिर भी ममता बनर्जी को मल्लिकार्जुन खड़गे ने समापन समारोह के लिए बुलाया है। मायावती को लेकर तो राहुल गांधी खुल कर आरोप लगा चुके हैं। राहुल गांधी के ये कहने पर कि कांग्रेस की तरफ से बसपा नेता को मुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया गया था, लेकिन जांच एजेंसियों के डर से वो खामोश हो गयीं । मायावती ने सामने आकर यही बताने की कोशिश की थी कि राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं। और रही बात अखिलेश यादव की तो हाल ही में देखा गया कि कैसे राहुल गांधी के साथ वो मीडिया के जरिये दो दो हाथ करते रहे। अखिलेश यादव के ये बोल देने के बाद कि भाजपा को हराएगा कौन - राहुल गांधी ने भी बोल दिया कि ये काम समाजवादी पार्टी के वश का तो है नहीं। क्योंकि, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का भले ही प्रभाव हो, लेकिन केरल और कर्नाटक में उसे पूछता ही कौन है? और लगे हाथ राहुल गांधी ने ये भी जता दिया कि कांग्रेस की राष्ट्रीय विचारधारा ही भाजपा के खिलाफ विपक्ष को सही नेतृत्व दे सकती है।भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश से गुजरने के दौरान तो अखिलेश यादव भावनात्मक रूप से तो शामिल हुए थे, लेकिन जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी के नेताओं की तरह अपना कोई नुमाइंदा नहीं भेजा था।अब जबकि मल्लिकार्जुन खड़गे ने व्यक्तिगत तौर पर अखिलेश यादव को भी पत्र भेज कर यात्रा के समापन कार्यक्रम के लिए बुलाया है, फिर भी ऐसा कोई संकेत तो नहीं मिल रहा है कि अखिलेश यादव मन से तैयार हों। यहां तक कि केसीआर की रैली में जाने को तैयार हैं।अखिलेश यादव जब मुलायम सिंह यादव के नाम पर कैलेंडर जारी कर रहे थे, तभी मीडिया केसीआर की रैली और भारत जोड़ो यात्रा को लेकर समाजवादी पार्टी का रुख जानना चाहा। अखिलेश यादव ने बताया कि केसीआर की रैली का निमंत्रण मिला भी है और वो रैली में शामिल भी होंगे।कंफर्म तो अखिलेश यादव ने मल्लिकार्जुन खड़गे के बुलावा मिलने का भी किया, लेकिन उसे लेकर उनका कहना रहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ विचार करने के बाद ही वो भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने को लेकर कोई फैसला करेंगे।

अब तो ये समझना भी मुश्किल हो रहा है कि अखिलेश यादव ने कैसे फटाफट केसीआर की रैली में जाने का फैसला कर लिया। क्योंकि केसीआर ने नीतीश कुमार को तो नहीं बुलाया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव की याद में

नवीन जैन

पूर्व केंद्रीय मंत्री ,प्रखर समाजवादी नेता ,और विचारक स्व.शरद यादव मेरे लिए एक वरिष्ठ मित्र की तरह थे ।इस बात का मुझे हरदम मलाल रहेगा कि वे लंबे समय से बीमार थे ,और मैं फोन पर भी उनके हाल_चाल नहीं पूछ पाया। वैसे ,दिल्ली में उनके संपर्क में रहने वाले कुछ पत्रकारों ने बताया था कि फिलहाल डॉक्टरों ने उन्हें फोन पर बात न करने की सख्त हिदायत दे रखी है। खैर।

वे कितने विशाल ह्रदय के धनी थे ,इसका एक उदाहरण । हुआ यूं था कि उन दिनों पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर अपनी अति महत्वाकांक्षी भारत पैदल यात्रा पर मध्य प्रदेश के निमाड़ ,और मालवा अंचलों से होकर गुजर रहे थे। साथ में शरद यादव , मैग्सेसे पुरुस्कार विजेता वरिष्ठ पत्रकार अरुण शौरी , और अन्य कई बड़े लोग चल रहे थे। ज्यादा ,तो नहीं ,लेकिन थोड़ी तेज धूप पड रही थी। ठीकरी नामक एक कस्बे में शरद जी के साथ मैं भी करीब तीन घंटे पहले आ गया। तब मैं एक मामूली_सा रिपोर्टर होने के नाते उक्त यात्रा को कवर कर रहा था। ठीकरी कस्बे में कहीं छांह देख कर शरद जी ,और मैं बैठकर गप्पे मारने लगे। थोड़ी देर बाद शरद जी ने कहा दोस्त ,भूख लग रही है। कुछ करो। मैंने कहा ,साहेब यह निमाड़ है।होटलों में कुछ खा लिया ,तो यात्रा तो एक तरफ रह जाएगी ,और दूसरे काम शुरू हो जाएंगे।अब शरद जी भूख से परेशान हो उठे । बोले चलो कुछ और बंदोबस्त करते हैं । एक युवक सामने से आ रहा था। तब शरद जी का व्यक्तित्व पूरे शबाब पर था। कद ठिगना ,लेकिन गौर वर्ण में वे ऐसे सुदर्शन लगते थे कि उनके आस पास एक दिव्य आभा मंडल घिर आता था । ऊपर से सफेद झक कसी हुई धोती ,और कुर्ता । आंखों में बुद्धिमत्ता के साथ ज्ञान का जो तेज था,उसकी पकड़ में कोई भी आ सकता था। ऊपर से जुल्म ढाती दाढ़ी । शरद जी ने उस बन्दे को रोका । फिर ,थोड़ी नकली कडक में पूछा _क्यों जानते हो हमें ।वो युवक ऐसा सिटपिटाया कि बिना सोचे ही दो तीन बार हां बोल गया । उसने जोड़ा आप तो बहुत बड़े नेता हैं। आपको कौन नहीं जानता? शरद जी का दाव चल गया।उसके कंधे पर हाथ रखकर बोले ,देखो बेटा हमें जोर से भूख लग रही है। कुछ कर सकते हो? हां हां उस युवक ने झट से कह दिया । मेरे घर ही चलिए आप दोनों। वहीं खा लीजिएगा। लडका आगे आगे । हम दोनो पीछे पीछे। मैने शरद जी से कहा एक सीधे से लडके के माथे आ गए आप भी। बोले ,भूख के आगे सब व्यर्थ है बाबू।वो युवक दो मंजिल ऊपर स्थित अपने घर ले गया । पानी पिलाया। फिर बोला आप लोगों के लिए थोड़ी सी देर में भोजन तैयार हो जाएगा। कुछ देर में दो अलग अलग थालियां हमारे सामने थीं। दोनों ने नाक में पानी बहते हुए खाना खाया। जब उठे ,तो शरद जी फिर शुरू । बोले ,यार अभी यात्रा को यहां आने में बहुत देर लग सकती है। हम दोनों

बहुत बहुत याद आओगे शरद जी

कुछ देर सो जाएं? मैं ईमानदारी से कहूं ,तो मैं भी झपकी मारने के मूड में था। मुझे पलंग पर सुलाकर शरद जी चटाई पर सो गए। उस युवक ने ही समय पर हमें उठा लिया । अच्छी नींद हुई हमारी । पानी पिया हम दोनों ने । नीचे उतरने को हुए ,तो शरद जी ने मुझसे कहा _कुछ पैसे दो । मैंने वायलेट उनके हवाले कर दिया। उन्होंने पूरी लरजिश ,और अधिकार से आवाज लगाई _ बहू, बढ़िया भोजन कराया आपने । याद रखेंगे हम। जरा बाहर आओ। उक्त युवक को तो जैसे पसीने छूट गए। डरते हुए बोला _साहब यह तो माहवारी से है। मैं पास की होटल से खाने का टिफिन ले आया था। सोचिए शरद जी और मेरी हालत कैसी हुई होगी। उस युवक के बच्चे भी नहीं थे ,और उसने भी पैसे लेने से साफ इनकार ही नहीं कर दिया ,बल्कि नीचे तक छोड़ने भी आया।

शरद जी ,और मेरी आपस में देर तक कोई बात नहीं हुई। दोनो के बीच एक। अबूझ सन्नाटा गूंजता रहा। किसी तरह अपने को सम्हाला हम दोनों ने । बाद में दैनिक देशबंधु के लिए मैंने उन्हें इंटरव्यू भी किया था, तो बहुत बहुत याद आओगे शरद जी । आपकी स्मृतियों को नमन। ईश्वर से आपकी आत्मा को शान्ति प्रदान करने गुजारिश।

शरद यादव ने आईएएस को बताया था अपनी हार की वजह

शरद यादव का एक पुराना इंटरव्यू खूब वायरल हो रहा है। इसमें वह 1991 में हुए लोकसभा चुनाव का जिक्र कर रहे हैं। शरद यादव ने इस इंटरव्यू में एक आईएएस अफसर का जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनकी वजह से ही वह चुनाव हार गए। आइए जानते हैं कि शरद यादव ने क्या कहा और वह किस अफसर की बात कर रहे थे? पूरा वाकया क्या था?

1991 में क्या हुआ था?

समाजवादी आंदोलन के जरिए अपनी अलग छवि बना चुके शरद यादव ने 1989 में उत्तर प्रदेश के बदायूं लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। तब वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने शरद यादव को कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया। इसके बाद 1991 में फिर चुनाव हुए। शरद यादव बदायूं से फिर मैदान में थे। उनके सामने भारतीय जनता पार्टी ने स्वामी चिन्मयानंद को प्रत्याशी बनाया। इस चुनाव में शरद यादव हार गए थे। इस हार की कहानी उन्होंने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में बताया था। शरद यादव ने इस हार के लिए बदायूं के तत्कालीन डीएम सूर्य प्रताप सिंह को जिम्मेदार ठहराया था। शरद यादव ने इंटरव्यू में कहा था, '1991 चुनाव के दौरान मेरा कोई कार्यक्रम होने नहीं दिया गया। वो कलेक्टर जो वहां थे, वह राजपूत थे। उन्होंने कहा कि यहां दंगा हो जाएगा। बहुत मुश्किल में पड़ जाएंगे। तो वीपी सिंह जी मेरे प्रोग्राम में नहीं आए।' शरद यादव ने कहा, 'सूर्य नाम का एक कलेक्टर था। अभी यूपी का कुछ होगा। मैं हारता नहीं। उसने मुस्लिम मोहल्ले में लाठीचार्ज करवा दिया। मैं हारा नहीं... हराया गया। उसने वोटिंग वाले दिन बड़े पैमाने पर मुस्लिम इलाके में लाठीचार्ज कर दिया।'

अफसर ने कुछ ऐसे दी श्रद्धांजलि

जिस आईएएस अफसर सूर्य प्रताप सिंह का जिक्र इंटरव्यू में हुआ था, उन्होंने भी शरद यादव को श्रद्धांजलि दी। सूर्य प्रताप ने 1991 के चुनाव का जिक्र करते हुए टिवट किया, 'शरद यादव जी से जुड़ा निजी संस्मरण। 1991 चुनाव: मैं डीएम बदायूं था। राजीव गांधी की हत्या, टीएन शेषन और मंडल-मंदिर का दौर था। शरद यादव बदायूं से चुनाव हार गए तो मेरे बंगले पर मिलने आए थे। बोले- मैं चुनाव भले ही हार गया लेकिन आपने चुनाव बड़ी ईमानदारी से कराया। ये था बड़प्पन शरद जी का।'

सूर्य प्रताप अब शरद यादव के इंटरव्यू वाले वीडियो से ट्रोल हो रहे हैं। लोग उनसे पूछ रहे हैं कि जिस अफसर का जिक्र शरद यादव ने अपने इंटरव्यू में किया था, वो आप ही हो न? कुछ लोग बोल रहे कि आप झूठ क्यों बोल रहे हो?

कौन हैं सूर्य प्रताप सिंह?

बुलंदशहर में जन्में सूर्य प्रताप सिंह 1982 बैच के आईएएस अफसर रहे हैं। अब रिटायर हो चुके हैं। सूर्य प्रताप सिंह ने बॉटनी से एमएससी और एग्रो इकोनॉमिक्स से पीएचडी की है। वह कई जिलों के जिलाधिकारी के कमिशनर और प्रमुख सचिव तक के पदों पर रह चुके हैं। केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद से सूर्य प्रताप सिंह लगातार चर्चा में रहे हैं। वह सरकार की नीतियों के खिलाफ काफी मुखर होकर बोलते हैं। सूर्य प्रताप सिंह ने सरकार पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। लोगों को गुमराह करने और झूठ फैलाने के आरोप में सूर्य प्रताप सिंह पर एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है।

देवराज इंद्र ने की थी दक्षिण भारत के इस मशहूर मंदिर की स्थापना

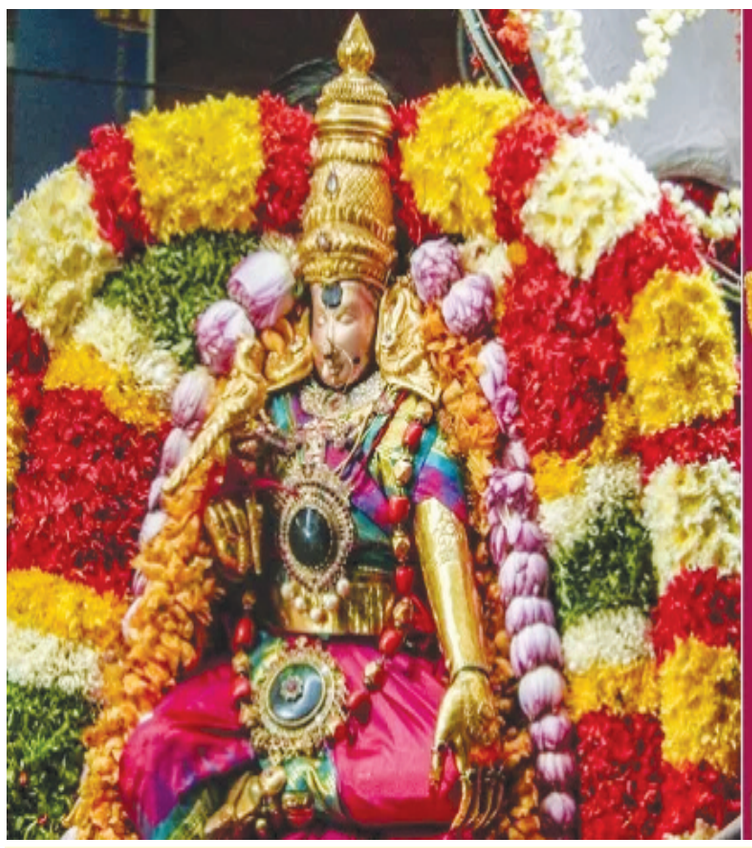

दक्षिण भारत के मदुरई में स्थित मीनाक्षी अम्मन मंदिर दक्षिण भारत का एक सबसे महत्वपूर्ण मंदिर माना जाता है। मुख्य रूप से अम्मन मंदिर देवी मीनाक्षी को समर्पित है। इसके अलावा इस मंदिर में लक्ष्मी, कृष्ण, रुक्मिणी, ब्रह्मा, सरस्वती, और कई देवी-देवताओं के मंदिर भी शामिल हैं। इस मंदिर की वास्तुकला यहां आने वाले श्रद्धालुओं का मन मोह लेती है। यह दक्षिण भारत के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। यहां भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की जाती है। भारत के सभी हिस्सों से भारी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं।

इंद्र ने की थी इस मंदिर की स्थापना

ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना इंद्र ने की थी। जब वे अपने कुकर्मों की वजह से तीर्थयात्रा पर जा रहे थे तभी उन्होंने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। जैसे ही वे मदुरई के स्वयंभू लिंग के पास पहुचे वैसे ही उन्हें लगा की उनका बोझ कोई उठाने लगा है। इसके बाद उन्होंने इस चमत्कार को देखते हुए स्वयं ही मंदिर में लिंग

मदुरई विवाह

मंदिर से जुड़ा हुआ सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार "मिनाक्षी थिरुकल्याणम (मिनाक्षी का दिव्य विवाह)" है, जिसे वहां के स्थानीय लोग हर साल अप्रैल के महीने में मनाते है। दिव्य जोड़ो के इस विवाह प्रथा को अक्सर दक्षिण भारतीय लोग अपनाते है और इस विवाह प्रथा को "मदुराई विवाह" का नाम भी दिया गया है। पुरुष प्रधान विवाह को "चिदंबरम विवाह" कहा जाता है, जो भगवान शिव के चिदंबरम के प्रसिद्ध मंदिर के प्रभुत्व, अनुष्ठान और कल्पित कथा को दर्शाता है। इस विवाह के दौरान ग्रामीण और शहरी, देवता और मनुष्य, शिवास (जो भगवान शिव को पूजते है) और वैष्णव (जो भगवान विष्णु को पूजते है) वे सभी मिनाक्षी उत्सव मनाने के लिये एक साथ आते है।

पद्म योग में मनाई जाएगी मकर संक्रांति

मकर सक्रांति शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति पर्व का पुण्य काल मुहूर्त :- 07:15:13 से 12:30:00 तक।

महापुण्य काल मुहूर्त :- 07:15:13 से 09:15:13 तक

मकर संक्रांति की तारीख को लेकर लोगों में भ्रम है। ज्योतिषचार्य डा. पंडित गणेश शर्मा के अनुसार 14 जनवरी, शनिवार को सूर्य मकर राशि में रात 8.45 बजे प्रवेश करेंगे। वहीं सूर्यास्त शाम को 5.41 बजे होगा। ऐसी स्थिति को लेकर लोग भ्रमित हैं। सूर्यास्त के बाद सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर रहा है तो क्या अगले दिन मकर सक्रांति मनाई जाएगी धर्म शास्त्रों जैसे निर्णय सिंधु सागर एवं ब्राह्मण निर्णय आदि के आधार पर वचन मिलता है। अगर सूर्य मकर राशि में प्रदोष काल के समय अथवा मध्य रात्रि के समय प्रवेश करता है तो अगले दिन मकर सक्रांति मनानी चाहिए। ज्योतिषचार्य गणेश शर्मा ने बताया कि हर सक्रांति के 16 घड़ी पूर्व और 16 घड़ी बाद तक का समय पुण्य काल रहता है। इस नियम के अनुसार 14 जनवरी को दोपहर 2:21 बजे से पुण्य काल प्रारंभ हो जाएगा और रात को 3:09 बजे समाप्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति में निर्णय सिंधु सागर में आचार्य कमलाकर एवं हेमाद्री तथा ब्रह्मवैर्तांक पुराण में वचन मिलता है कि कर्क सक्रांति में तो मात्र 30 (12 घंटे)घड़ी तक लेकिन मकर सक्रांति में 10 घड़ी अधिक पुण्य काल होता है, अर्थात 40 घड़ी(16घंटे) तक पुण्य काल रहता है।

सूर्य का मकर राशि में सूर्यास्त के बाद प्रवेश

इस बार सूर्य मकर राशि में सूर्यास्त के बाद प्रवेश कर रहा है तो ऐसी स्थिति में अगले दिन मकर सक्रांति मनानी चाहिए। 15 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाना शास्त्र सम्मत होगा। इसके पीछे और ठोस कारण शास्त्रों में यत्र तत्र लिखे हुए मिलते हैं। जैसे आचार्य वृद्ध गार्गय का वचन है कि सूर्यास्त से लेकर दूसरे दिन के सूर्योदय के बीच में यदि सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो दूसरे दिन पुण्य काल में स्नान, दान, जप तप एवं श्राद्ध कर्म आदि करने चाहिए। दूसरा मत है कि सूर्य की द्वादश सक्रांतिओ में मात्र मिथुन, कन्या,धनु,मकर एवं मीन की सक्रांति में पुण्य काल पर (आगे) समय का लेना चाहिए, अर्थात सूर्य के राशि में प्रवेश होने के बाद का समय पुण्य काल होता है। साथ ही ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मुहूर्त गणपति, मुहूर्त मार्तंड एवं मुहूर्त चिंतामणि के अनुसार भी 15 जनवरी को ही मकर सक्रांति मनाना शास्त्र सम्मत है।

मकर सक्रांति का महत्व

जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तब उत्तरायण में भी प्रवेश करता है और उत्तरायण को देवताओं का दिन कहा गया। शास्त्रों के अनुसार उत्तरायण में ही विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन. संस्कार, उपनयन यगोपवित आदि धार्मिक गतिविधियां करना शुभ होता है। साथ ही सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करता है तो शनि की राशि में प्रवेश करता है अर्थात सूर्य देव अपने पुत्र के घर पर प्रवेश करते हैं।

भीष्म पितामह ने भी इसी दिन अपने प्राण त्यागे थे क्योंकि देवताओं के दिन इसी दिन से प्रारंभ होते हैं। इसे ही आम भाषा में उत्तरायण भी कहते हैं। मकर सक्रांति का यह पावन पर्व 15 जनवरी सन 2023 को अष्टमी तिथि वार रविवार एवं पद्म योग में मनाना शास्त्र सम्मत होगा। मकर सक्रांति में दान का विशेष महत्व है। स्कंद पुराण के अनुसार जो मनुष्य उत्तरायण में तिल धेनु को देता है वह सब इच्छाओं को प्राप्त करता है तथा परमसुख का लाभ प्राप्त करता है।

पंचशक्ति के प्रमुख सूर्य देव की पूजा का पर्व

पौराणिक मान्यता है कि जब सूर्य देव धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो मकर संक्रांति मनाई जाती है। यही नहीं मकर संक्रांति पर भगवान गणेश, शिव, विष्णु, देवी लक्ष्मी और सूर्य की साधना संयुक्त करने का महत्व प्राचीन धर्म ग्रंथों में बताया गया है। कारण, संसार को चलाने वाली पंच शक्ति की आराधना से ही इस दिन ग्रहों को अपने अनुकूल बनाया जाता है। आइए जानते हैं मकर संक्रांति का महत्व और इस दिन व पर्व से जुड़ी खास बातें।

क्या है संक्रांति

पंचांग की गणना के अनुसार 14 जनवरी 2023 की रात 8 बजकर 58 मिनट पर सूर्य राशि बदल रहा है। एक वर्ष में सूर्य 12 राशियों में गोचर करता है और जिस राशि में प्रवेश करता है, उसे उसकी संक्रांति कहते हैं। इसलिए मकर संक्रांति 14 जनवरी को होगी पर इसका पुण्यकाल स्नान-दान 15 जनवरी को माना जाएगा।

तिल और खिचड़ी का भी है महत्व

मकर संक्रांति के दिन नारायण की तिल से

करना पूजा शुभ फलदायी माना जाता है। इस दिन खिचड़ी और तिल के लड्डू खाने की परंपरा भी है। देश में अलग-अलग जगहों पर इस पर्व को अलग-अलग नामों से मनाया जाता है।

पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर में लोहिड़ी के नाम से मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है, तो दक्षिण भारत के राज्य केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में इस पर्व को पोंगल कहा जाता है। विशेष बात ये है कि तमिल पंचाग का नया साल पोंगल से ही शुरू होता है।

इस तरह मंत्रोच्चार के साथ करें पूजा

इस अवसर पर पवित्र नदी में स्नान की परंपरा भी है। मकर संक्रांति के मौके पर बर्तन में पानी, सिंदूर, लाल फूल और तिल मिलाकर सूर्य उदय होने पर अर्घ्य दें। सूर्य देव का ध्यान करते हुए तीन बार 'ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः' मंत्र बोलते हुए जल अर्पित करें।

नारायण कवच पाठ और स्नान-दान करें

मान्यता है कि मकर संक्रांति के अवसर पर सूर्य देव मकर राशि में आते हैं तो सूर्य पुत्र शनि देव भी उनका तिल से पूजन करते हैं। मकर संक्रांति पूजा-पाठ के दिन श्री नारायण कवच, आदित्य हृदय स्तोत्र और विष्णु सहस्रनाम का पाठ पूरे मनोयोग और विधि-विधान से करना फलदायी होताहै। भगवान सूर्य की पूजा के बाद तिल, उड़द दाल, चावल, गुड़, वस्त्र आदि किसी सुपात्र को दान करें। इस दिन भगवान को तिल और खिचड़ी का भोग भी लगाएं।

मकर संक्रांति पर राशि के अनुसार करें दान

ज्योतिष शास्त्र में सूर्यदेव की उपासना और गोचर का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष में सूर्य के गोचर को संक्रांति के नाम जाना जाता है। सूर्य हर एक माह में अपनी राशि बदलते हैं इस प्रकार से एक साल में 12 संक्रातियां आती हैं। सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करते हैं तब इस मकर संक्रांति कहा जाता है। हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का पर्व विशेष रूप से मनाया जाता है। मकर संक्रांति पर सूर्यदेव दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही पिछले एक महीने से चला आ रहा खरमास खत्म हो जाता है। मकर संक्रांति से सभी तरह के शुभ कार्यों का शुभारंभ शुरू हो जाता है। मकर संक्रांति पर गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व होता। ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति पर जो भी व्यक्ति अपनी राशिनुसार सूर्यदेव की उपासना, स्नान और दान करता है उसके जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि का वास रहता है। आइए जानते हैं इस मकर संक्रांति पर अपनी राशि के अनुसार किन चीजों को दान करना आपके लिए शुभ रहेगा।

मेष और वृश्चिक राशि

मंगल ग्रह को मेष और वृश्चिक राशि का स्वामित्व प्राप्त है। ऐसे में इन दोनों राशियों पर मंगल ग्रह का प्रभाव रहता है। ऐसे में मकर संक्रांति पर गंगा स्नान के बाद पुण्यकाल में तिल, गुड़, खिचड़ी,मसूर की दाल, मीठे चावल ,लाल या गुलाबी रंग के ऊनी वस्त्र आदि का दान करना शुभ रहेगा।

वृषभ और तुला राशि

वृषभ और तुला राशि के स्वामी ग्रह शुक्र हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को सुख, वैभव और ऐशोआराम प्रदान करने वाला ग्रह माना जाता है। मकर संक्रांति पर कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत करने के चीनी, चावल, दूध-दही, सफेद या गुलाबी रंग के ऊनी कपड़े, खिचड़ी और तिल-गुड़ का दान करना विशेष फलदाई है।

मिथुन और कन्या राशि

मिथुन और कन्या राशि वाले के स्वामी ग्रह बुध होते हैं। ऐसे में कुंडली में बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए मकर संक्रांति पर स्नान के बाद साबुत मूंग दाल, खिचड़ी, मूंगफली, हरे कपड़े आदि

दान करना शुभ रहेगा।

कर्क राशि

चंद्रदेव कर्क राशि के स्वामी ग्रह होते हैं। ऐसे में मकर संक्रांति पर चंद्रदेव और सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए इस दिन खीर, सफेद तिल के लड्डू, मावा से बनी हुई मिठाईयां, खिचड़ी आदि का दान करना लाभदायक रहेगा।

सिंह राशि

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सिंह राशि के स्वामी सूर्यदेव होते हैं। ऐसे में सिंह राशि के जातकों को सूर्य देव को प्रसन्न करने के लिए मकर संक्रांति पर गंगा स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने के बाद खिचड़ी, लाल कपड़ा, रेवड़ी, गजक,गुड़ और मसूर की दाल आदि दान करना शुभ रहेगा।

धनु और मीन राशि

धनु और मीन राशि के स्वामी बृहस्पतिदेव हैं। इनकी शुभता में वृद्धि के लिए मकर संक्रांति पर इस राशि के जातकों को तिल, गुड़, खिचड़ी, मूंगफली, पपीता और पीले चन्दन का दान करना शुभ रहेगा।

मकर और कुंभ राशि

शनिदेव को दो राशियां का स्वामित्व प्राप्त है। कुंभ और मकर राशि के स्वामी शनि देव होते हैं। मकर संक्रांति पर शनिदोष से मुक्ति पाने और शनि का शुभ प्रभाव में बढ़ोत्तरी के लिए मकर संक्रांति पर खिचड़ी, काला छाता, तिल या सरसों का तेल, उड़द की दाल की खिचड़ी और गर्म कपड़ों का दान जरूरतमंदों को करना चाहिए।

अवतीन कौर का हद से ज्यादा बोल्द अवतार देख भड़के लोग

एक्ट्रेस की उर्फी जावेद से की तुलना

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस अवतीन कौर अपनी जबरदस्त एक्टिंग और डांस के लिए जानी जाती हैं। अवनीत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सीरियल्स में काम कर रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने वीडियोज और फोटोज शेयर करती रहती हैं। अवनीत अक्सर अपने बोल्ड आउटफिट्स को लेकर ट्रोल भी हो जाती है। इस बार भी एक्ट्रेस बूरी तरह ट्रोल हो रही हैं। उनकी एक वीडियो देख लोग भड़क गए हैं। अवनीत ने मोनोकिनी पहन दिखाई हॉट अदाएंदरअसल, अवनीत कौर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अवनीत 'पठान' के 'बेशर्म रंग' गाने पर स्विमिंग पूल के किनारे पर अपनी दिलकश अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में अवनीत ने ब्लैक मोनोकिनी और ब्लैक गॉगल्स पहने हैं। जिसमें वह काफी हॉट और ग्लैमरस लग रही हैं। एक्ट्रेस का ये अंदाज देख कई फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कई लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं।

अवनीत का बोल्ड अवतार देख भड़के लोग

अवनीत के इस बोल्ड अवतार को देख यूजर्स उन्हें ताने मार रह हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- कहां जा रहा आजकल का यूथ? ये बच्ची क्या सीख दे रही है अपने फॉलोअर्स को। दूसरे यूजर ने लिखा- अगर वह इसके साथ ठीक है तो ठीक है, लेकिन प्रॉब्लम ये है कि उसके ऑडियंस ज्यादातर इंडियंस हैं, जिन्होंने उनको बचपन से ट्रेडिशनल कपड़ों में देखा है, इसलिए ये स्वीकार करना मुश्किल है। एक अन्य यूजर ने कहा- छी..लड़की सिर्फ पूरे कपड़ो में अच्छी लगती है, चाहे ये बात अच्छी लगे या न लगे लोगों को। वहीं एक यूजर ने तो अवनीत को उर्फी से कंपेयर कर दिया। अवनीत नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ शेयर करेंगी स्क्रीन वर्क फ्रंट की बात करें अवनीत 'अलादीन नाम तो सुना होगा','चंद्र नंदिनी', 'एक मुट्ठी आसमान', 'मेरी मां' जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस को मर्दानी में देखा गया था। वहीं अवनीत अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' में नजर आने वाली हैं।

इमोशनल, कॉमेडी व एक्शन का मिक्सर है विजय की वारिसु

मूवी रिव्यू: वारिसु

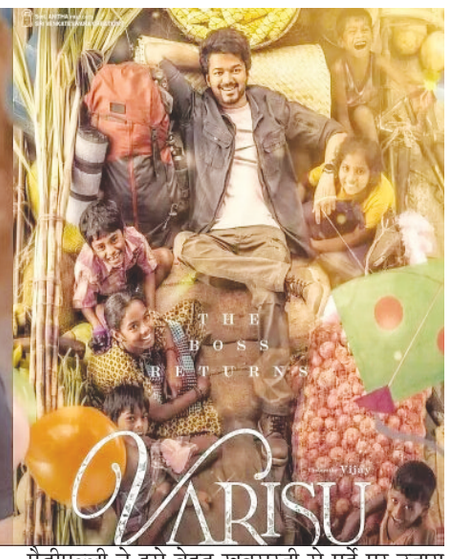

ऐक्टर:थलापति विजय, रश्मिका मंदाना, प्रकाश राज,आर शरत कुमार,जया सुधा
डायरेक्टर : वमसी पैडीपल्ली
श्रेणी: एक्शन ड्रामा
अवधि:2 घंटे 42 मिनट

कोई भी फैमिली परफेक्ट नहीं होती लेकिन फिर भी रिश्तों को निभाना जरूरी होता है क्योंकि अपनों से हारकर दुनिया जीतने में कुछ नहीं है। अपनी पिछली फिल्म बीस्ट के बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाने के बाद तमिल सुपरस्टार थलापति विजय अपनी पोंगल रिलीज 'वारिसु' से एक्शन, इमोशन, कॉमेडी और रोमांस का परफेक्ट कॉम्बो लेकर लौटे हैं। फिल्म में उन्होंने एक परफेक्ट फैमिली मैन के तौर पर अपने फैंस को फैमिली फर्स्ट का मैसेज दिया है।

तेलुगू सिनेमा की 'बाहुबली', 'पुष्पा' और 'आरआरआर' ने पिछले दिनों हिंदी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की, तो कन्नड़ सिनेमा की 'केजीएफ' और 'कांतारा' के हिंदी डब वर्जन ने भी जबरदस्त कमाई की। बीते साल तमिल सुपरस्टार्स अजीत कुमार की वलीमई, थलापति विजय की बीस्ट और चियान विक्रम की पीएस वन हिंदी में डब होकर रिलीज हो चुकी हैं। हालांकि ये फिल्में कुछ खास नहीं कर पाईं। लेकिन तमिल सितारों की हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाने की कोशिशें जारी हैं। थलापति विजय की वारिसु को उसके निर्माताओं ने इसकी तमिल रिलीज के दो दिन बाद हिंदी में रिलीज किया है। तमिल बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कमाई का नया रेकॉर्ड बना चुकी वारिसु में विजय जबरदस्त फॉर्म में हैं।

'वारिसु' की कहानी

फिल्म की कहानी कुछ यूं है कि देश की सबसे बड़ी माइनिंग कंपनी का मालिक राजेंद्रन (एस शरत कुमार) अपने तीनों बेटों को अपने हिसाब से चलाना चाहता है। लेकिन उसका सबसे छोटा बेटा विजय (थलापति विजय) दोनों बड़े भाइयों की तरह पापा के बिजनेस का हिस्सा बनने से इनकार करके घर छोड़कर चला जाता है। उसकी मां (जया सुधा) विजय को पापा के साठ साल का होने के मौके पर घर बुलाती है। सात साल बाद घर लौटा विजय यह देखकर हैरान रह जाता है कि उसका परिवार बाहर से भले ही एक दिखता हो, लेकिन भीतर से बिखर चुका है। फैमिली फंक्शन में कुछ ऐसी घटना होती है कि परिवार की कलह सामने आ जाती है। विजय को वापस लौटना था, लेकिन जब उसे अपने पापा की जानलेवा बीमारी का पता लगता है, तो वह घर पर रुककर सब कुछ सही करने की ठान लेता है। विजय किस तरह घर से लेकर बिजनेस तक के दुश्मनों से निपटता है, यह जानने के लिए आपको सिनेमाघर जाना होगा।

'वारिसु' का रिव्यू

फिल्म की यह साधारण सी नजर आने वाली कहानी आप इससे पहले कई हिंदी फिल्मों में देख चुके होंगे, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर वमसी पैडीपल्ली ने इसे बेहद खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है। फिल्म के पहले हाफ में वह आपको कहानी से इमोशनली जोड़ते हैं और दूसरे हाफ में विजय जबर्दस्त एक्शन में दिखाई देते हैं। हालांकि पौने तीन घंटे लंबी इस फिल्म को एडिटिंग टेबल पर थोड़ा कसा जा सकता था। फिल्म का क्लाईमैक्स वही है, जो ऐसी फिल्मों में होता है, लेकिन विजय ने एक साथ एक्शन से लेकर इमोशन, कॉमेडी और रोमांटिक अवतार में आकर फिल्म में जान डाल दी। उन्होंने बेहतरीन ऐक्टिंग की है। रश्मिका मंदाना पर्दे पर बेहद खूबसूरत लगी हैं, लेकिन अफसोस कि उनके पास ज्यादा स्क्रीन स्पेस नहीं है। एस शरत कुमार ने जरूर जोरदार ऐक्टिंग की है, लेकिन जया सुधा का काम भी कमाल है। खासकर मां बेटे के सींस आपको इमोशनल कर देते हैं। यह फिल्म आपको हंसाती है, रुलाती है, तो जिंदगी के सबक भी सिखाती है। अगर आप साल की शुरुआत में साफ सुथरी फैमिली एंटरटेनर फिल्म देखना चाहते हैं, इस फिल्म का टिकट कटा सकते हैं।

बेटे की फिल्म पर पिता का 'विशाल' साया

कुत्ते फिल्म रिव्यू

कलाकार : तब्बू , अर्जुन कपूर , कुमुद मिश्रा , कोंकणा सेन शर्मा , राधिका मदान और नसीरुद्दीन शाह
लेखक :विशाल भारद्वाज और आसमान भारद्वाज
निर्देशक :आसमान भारद्वाज
निर्माता :विशाल भारद्वाज , लव रंजन , भूषण कुमार और कृष्ण कुमार

पिता ने 'कमीने' बनाई तो बेटा 'कुत्ते' ही बनाएगा। गुलजार से पारिवारिक रिश्ता है तो गाने वह लिखेंगे ही। क्या लिख रहे हैं, ऐसा क्यों लिख रहे हैं, इसके लिए वह उन लोगों को जिम्मेदार बताते हैं जिनके लिए वह 'पूज्य' रहे हैं, लेकिन खुद गुलजार के शब्दों में 'चश्म ए बद दूर' का मतलब ये नहीं समझते। आसमान को नजर न लगे लेकिन उनकी पहली फिल्म 'कुत्ते' का पहला सीन जिस तरह से उन्होंने शूट किया है, वह उनकी मौलिकता का प्रमाण है। अपने पिता, मां और दानाजी (गुलजार) के आभामंडल से बाहर रहकर वह फिल्में बनाएंगे तो दूर तक जाएंगे। लेकिन, इन दिग्गजों की अपने पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं के बारे में सीमित समझ के भ्रमजाल में फंसे रहे तो उनकी आगे की राह मुश्किल है।

ये फिल्म नहीं कॉरपोरेट प्रोजेक्ट है

हिंदी सिनेमा की कॉरपोरेट दुनिया का अगला नमूना है फिल्म 'कुत्ते'। एक निर्माता किसी तरह सितारे जोड़कर फिल्म बना लेता है। दूसरा निर्माता आकर मिडिलमैन बन जाता है। न मुंबई में फिल्म 'कुत्ते' के कलाकारों को रिलीज से पहले मीडिया से मिलाने का जतन हुआ और न उनको दिल्ली ले जाने की योजना सिरे चढ़ी। इन दिनों निर्माताओं का दिमाग अच्छी कहानी तलाशने में नहीं, बल्कि फिल्म की रिलीज से पहले प्रचार पर होने वाले खर्च को घटाने में लग रहा है। हां, फिल्म के संगीत की एक महफिल जरूर मुंबई में जमी जिसमें इस फिल्म के लिए 'आवारा डॉग्स' लिखने वाले गुलजार ने इस तरह के गाने लिखे जाने पर अपनी ये सफाई दी, 'जिस समय में लोगों को चश्मेबद्दूर का मतलब ही न पता हो, उस समय में ऐसे ही गाने लिखे जा सकते हैं।'

कहीं की ईंट, कहीं का रोड़ा

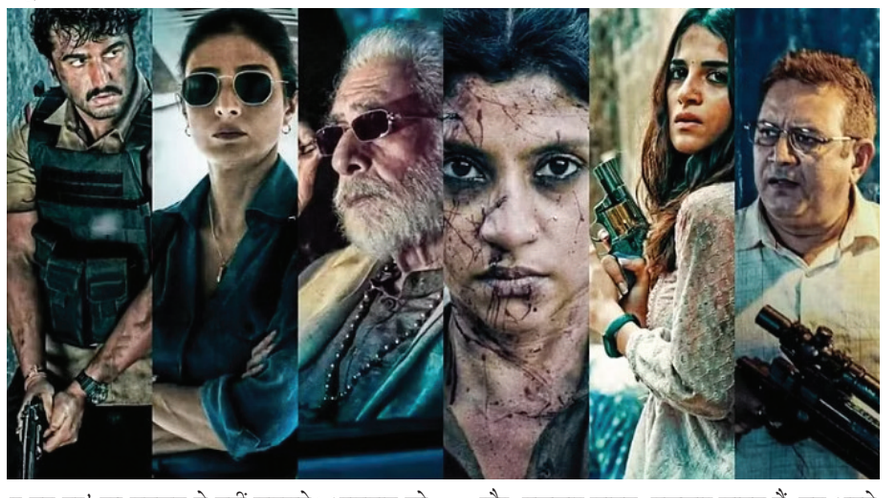

खैर, गुलजार साहब, गुलजार साहब हैं, वह अपने श्रोताओं और पाठकों पर ये लांछन लगा सकते हैं। लेकिन, चश्मेबद्दूर का मतलब न समझने वाले हिंदी सिनेमा के कथित दर्शक सिर्फ मां, बहन की गालियों से ही भाव विभोर हो जाएंगे, ये बात उनके खेमे के सारे लोगों को समझनी बहुत जरूरी है। फिल्म 'कुत्ते' शुरू होते ही इस नाम का मतलब समझाने की कोशिश करती है कि जंगल में शेर, बकरी और कुत्ता मिलकर शिकार करते हैं। बकरी शिकार के तीन हिस्से लगाती है तो शेर गुस्सा होकर बकरी को खा जाता है। कुत्ते के हिस्से लगाने की बारी आती है तो वह पूरा शिकार शेर की तरफ खिसकाकर बकरी की बची हड्डियां चूसने लगता है। लोकतंत्र की अराजक स्थिति पर ये बहुत बड़ी टिप्पणी है।

हिंदी फिल्म में उपेक्षित हिंदी

फिल्म 'कुत्ते' के नाम पर न भी जाएं तो भी इसके निर्देशक आसमान से उम्मीदें बहुत रही हैं। नेपोटिज्म की बात यहां करना बेमानी है क्योंकि हर पिता अपने पुत्र को कामयाब देखना चाहता है और बेटा अगर अपने पिता का पेशा अपनाए तो ये उसकी अपनी पसंद है। लेकिन, अपनी पहली ही फिल्म में आसमान ने जिस तरह से हिंदी की उपेक्षा की है, वह पाप से कम नहीं है। उनका अपना नाम फिल्म में आस्मान लिखकर आता है। मेकअप की हिंदी मेकयूपी हो जाती है। वैसे आसमान को हिंदी से बहुत ज्यादा कोई प्रेम मोहब्बत हो ये भी तय नहीं है। जाहिर है कि अगर 'कुत्ते' की म्यूजिक महफिल में कोई उनसे ही चश्म ए बद दूर का मतलब पूछ लेता तो शायद ही वह बता पाते। गलती इसमें उनकी नहीं है। गलती उन लोगों की जिनके साये में उनकी परवरिश हुई। काबिल लोग अगर अपने आसपास रहने वालों को काबिल नहीं बना पाते हैं तो ये उनके नेतृत्व की विफलता है। फिल्म 'कुत्ते' भी सिनेमा की इसी परवरिश का रिपोर्ट कार्ड है। आसमान कहते हैं कि वह ब्रिटिश निर्देशक गाय रिची के अनुयायी हैं। झलक उनके सिनेमा में दर्शकों को टैरेंटिनो की मिलती है।

तब्बू ने ताक पर रख दी साख

निर्देशक आसमान भारद्वाज की फिल्म 'कुत्ते' में कोई हीरो नहीं है। सब कुत्ते हैं। अपने अपने हिस्से की हड्डी चूसने की कोशिश में। एक दूसरे की हड्डी पर भी झपट्टा मारते रहते हैं। अर्जुन कपूर जिस आईपीएस के मातहत काम करते हैं, उस आईपीएस की ऊंचाई इतनी भी नहीं है कि वह सिक्योरिटी एजेंसी का गार्ड बन सके। तब्बू का पूरा जोर गालियां देने पर है।

लॉजिक मत तलाशिये, ये कैरेक्टर है!

फिल्म 'कुत्ते' नए साल के दूसरे शुक्रवार को रिलीज हुई दो हिंदी फिल्मों में पहले नंबर पर मानी जा रही थी। दो स्टार पाकर भी ये पहले नंबर पर ही है क्योंकि इसके साथ रिलीज हुई फिल्म 'लकड़बग्घा' इतनी खराब फिल्म निकली कि उसकी रेटिंग और नीचे चली गई है। फैज अहमद फैज की नज्म 'कुत्ते' की रूह तलाशती इस फिल्म के बाकी गाने गुलजार ने लिखे हैं।

नए फोटोशूट में ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपनी आखों से फैंस को किया घायल!

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन की एक्टिंग और खूबसूरती की चर्चा पूरे देश में होती है। 90 के दशक से लेकर आज तक ऐश्वर्या ने अपनी खूबसूरती से हर किसी को दीवाना बनाया है।

अपने करियर में ऐश्वर्या ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। एक्टिंग के साथ वो सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में बनी रहती हैं। इसी बीच उनकी एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस फोटो ने एक बार फिर से साबित कर दिया कि 49 की उम्र में भी ऐश्वर्या को खूबसूरती में कोई मात नहीं दे सकता।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने हाल ही में बॉलीवुड के फेमस सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी के लिए फोटोशूट कराया है, जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर काफी पसंद की जा रही है। फोटो में आप देख सकते हैं कि उनके पूरे फेस पर बाल बिखरे हुए है। फोटो में एक्ट्रेस का सिर्फ फेस नजर आ रहा है उसमें भी उनकी आंखें बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। ऐश्वर्या की आंखों का ब्लैक मेकअप उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।ऐश्वर्या राय बच्चन की ये फोटो सोशल मीडिया पर मानों फैंस के लिए नए साल का सबसे खूबसूरत तोहफा हो। उनकी ये फोटो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। इस पर कमेंट कर लगातार यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'इस दुनिया की अब तक की सबसे खूबसूरत महिला। रियल ब्यूटी।' एक दूसरा यूजर लिखता है, 'Omg..यह आपके द्वारा कवर किया जाने वाला एक सपना है।' एक लिखता है, 'आउटस्टैंडिंग एवरग्रीन गॉर्जियस यही असली ब्यूटी है।' इस तरह के कई और कमेंट ऐश्वर्या की इस फोटो पर आ रहे हैं।

कियारा का नंबर हमेशा स्पीड डायल पर रखता हूं, उसके वर्कआउट पर भी रखना चाहता हूं नजर : सिद्धार्थ

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी रिलेशनशिप की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में सिद्धार्थ की अपकमिंग फिल्म 'मिशन मजनू' के प्रमोशन के दौरान जब सिद्धार्थ से कियारा के बारे में पूछा गया तो वो शरमा गए। बातचीत में उन्होंने खुलासा किया वो कियारा का नंबर अपनी स्पीड डायल लिस्ट में रखते हैं।

पिंकविला को दिए इंटरव्यू में सिद्धार्थ मल्होत्रा से एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की जासूसी करने को लेकर सवाल पूछा गया। जिसके जवाब देते हुए सिद्धार्थ ने कहा, 'हां मैं बिल्कुल करूंगा उनकी जासूसी। मैं ये जानना चाहूंगा कि वो एक महीने में कितनी बार वर्कआउट करती हैं। इसका नाम मिशन क्रॉस फिट, मिशन नॉट फिट या फिर मिशन इज शी फिट होगा। सिद्धार्थ ने आगे बात करते हुए स्वीकार किया कि वो कि या रा आडवाणी का नंबर अपने फोन में स्पीड डायल पर रखते हैं। सिद्धार्थ का कहना है कि अपने को-स्टार्स का नंबर स्पीड डायल पर रखने से आसानी होती है। हालांकि, सिद्धार्थ ने सफाई देते हुए ये भी कहा कि कियारा के अलावा कुछ और को-स्टार्स का नंबर भी स्पीड डायल लिस्ट में है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2023 में सिद्धार्थ और कियारा साथ फेरे ले सकते हैं। दोनों ने अपनी शादी के लिए शाही पैलेस चुना है। इतना ही नहीं कपल की शादी में टाइट सिक्योरिटी के इंतजाम भी किए गए हैं, प्री-वेडिंग से लेकर शादी तक सभी फंक्शन पैलेस के अंदर रखे जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजस्थान के आलीशान जैसलमेर पैलेस होटल में कपल की शादी के फंक्शन होंगे। हालांकि, अभी तक दोनों की शादी को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

ट्रोलर्स के निशाने पर रश्मिका मंदाना फिल्म वरिसु देखने पहुंचीं थिएटर, यूजर्स बोले- ओवर एक्टिंग की दुकान

साउथ सुपरस्टार रश्मिका मंदाना इस समय अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'वरिसु' की सक्सेस को खूब एन्जॉय कर रही हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो इस फिल्म को थिएटर में देखने के लिए पहुंचीं। इस दौरान वो काफी एक्साइटेड दिखीं, जिसे देख कर सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। यहां तक कि कुछ यूजर्स ने उन्हें ओवर एक्टिंग की दुकान तक कह दिया।

रश्मिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'गुड बाय' से बॉलीवुड डेब्यू किया है। इसके अलावा वो फिल्म 'मिशन मजनू' और रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल' में दिखाई देने वाली हैं।

टाइगर श्रॉफ ने नाटू नाटू गाने पर किया जबरदस्त डांस वीडियो शेयर कर आरआरआर की पूरी टीम को दी बधाई

बीते दिन 80वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में 'नाटू नाटू' गाने को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का अवॉर्ड फिल्म 'आरआरआर' को मिला है, जिसके चलते सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माता एसएस राजामौली और एक्टर जूनियर एनटीआर और राम चरण को फैंस और सेलेब्स बधाई देते हुए नजर आ रहे हैं। इस बीच टाइगर श्रॉफ ने भी अपने अंदाज में फिल्म की टीम को बधाई दी है, जिसका एक वीडियो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में टाइगर 'नाटू नाटू' गाने पर जबरदस्त डांस करते हुए नजर आए। वीडियो में वो नाटू-नाटू सॉन्ग के हुक स्टेप्स को करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए टाइगर ने कैप्शन में लिखा, 'कल के बाद यह हमारा विक्ट्री डांस होना चाहिए। भारतीय सिनेमा के लिए बहुत बड़ी जीत! आरआरआर की पूरी टीम एसएस राजामौली, एमएम कीरावानी, जूनियर एनटीआर और रामचरण को बधाई।

टाइगर के वीडियो पर फैंस ने दिया रिएक्शन

टाइगर के इस वीडियो पर फैंस और सेलेब्स ने अपना जमकर रिएक्शन दिया है। एक यूजर ने लिखा, यार कसम से भयंकर था। तो वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, 'पहली बार तेलुगु गाने पर डांस सर'। वहीं सेलेब्स ने भी टाइगर श्रॉफ के डांस की तारीफ की है। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने भी ताली बजाने वाले इमोजी को पोस्ट किया। सिंगर मीका सिंह ने भी सेलिब्रेशन इमोजी पोस्ट की है।

विप्रो ने तीसरी तिमाही में 30.5 अरब रुपये पोस्ट किए

चेन्नई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रौद्योगिकी सेवाओं और परामर्श कंपनी विप्रो लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही को 30.5 अरब रुपये के शुद्ध लाभ के साथ बंद किया।

कंपनी बोर्ड ने शुक्रवार को अपनी बैठक में प्रति इक्विटी शेयर 1 रुपये के अंतरिम लाभांश की घोषणा की। विप्रो ने 232.3 अरब रुपये (वित्त वर्ष 2022 की तीसरी तिमाही 203 अरब रुपये) का राजस्व अर्जित किया था और 30.5 अरब रुपये (29.6 अरब रुपये) का शुद्ध लाभ कमाया था। सीईओ और प्रबंध निदेशक थियरी डेलापोर्टे के अनुसार, मार्जिन में 120 आधार अंकों का सुधार हुआ और कर्मचारियों की छंटनी में लगातार चौथी तिमाही में सुधार हुआ।

डेलापोर्टे ने कहा, ग्राहक संबंधों को गहरा करने और हायर विन रेट्स के परिणामस्वरूप हम बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रख रहे हैं। मुख्य वित्तीय अधिकारी जतिन दलाल ने कहा, मार्जिन का यह विस्तार हमारे वरिष्ठ नेतृत्व के लिए वेतन वृद्धि, पदोन्नति और दीर्घकालिक प्रोत्साहन के माध्यम से हमारे लोगों में किए गए निवेश को अवशोषित करने के बाद था। मार्जिन वृद्धि मजबूत परिचालन सुधारों और स्वचालन-आधारित दक्षताओं द्वारा अगुआई की गई थी। हमने तिमाही के लिए अपनी शुद्ध आय के 143 प्रतिशत पर मजबूत परिचालन नकदी प्रवाह उत्पन्न किया और हमारे ईपीएस में तिमाही-दर-तिमाही 14.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आरबीआई गवर्नर की क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाने की मांग

शक्तिकांत दास ने कहा- क्रिप्टो जुआ के अलावा कुछ नहीं, उनकी वैल्यू सिर्फ एक छलावा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को क्रिप्टोकरेंसी को छलावा बताया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि क्रिप्टो जुआ के अलावा कुछ नहीं है और उनकी वैल्यू सिर्फ एक छलावा है।

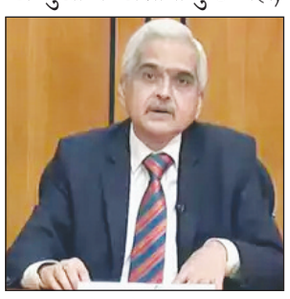

पायलट मोड में अपना ई-रुपया या केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा लॉन्च किया है।

क्रिप्टो को बैन कर देना चाहिए

शक्तिकांत दास ने एक मीडिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्रिप्टो पर बैन लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इसका सपोर्ट करने वाले इसे एसेट और फाइनेंशियल प्रोडक्ट कहते हैं, लेकिन इसमें कोई अंडरलाइंग वैल्यू नहीं है। क्रिप्टोकरेंसी के विकास का मुकाबला करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल ही में

क्रिप्टोकरेंसी जुआ के अलावा कुछ नहीं

शक्तिकांत दास ने कहा कि हर एसेट और फाइनेंशियल प्रोडक्ट में कुछ अंडरलाइंग वैल्यू होना चाहिए, लेकिन क्रिप्टो के मामले में कोई अंडरलाइंग वैल्यू नहीं है। तो बिना किसी अंडरलाइंग वैल्यू के कुछ भी चीज, जिसका मूल्य पूरी तरह से विश्वास पर निर्भर है, 100% अटकलों के अलावा और कुछ नहीं है। या इसे बहुत स्पष्ट रूप से कहें तो यह जुआ है।

हम अपने देश में जुआ की अनुमति नहीं देते

भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि हम अपने देश में जुआ की अनुमति नहीं देते हैं। यदि आप जुआ की अनुमति देना चाहते हैं, तो इसे जुआ के रूप में मानें और जुए के लिए नियम निर्धारित करें। लेकिन क्रिप्टो एक फाइनेंशियल प्रोडक्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि सीबीडीसी पैसे का भविष्य है और इसे अपनाने से लॉजिस्टिक्स और प्रिंटिंग की लागत को बचाने में मदद मिलेगी।

सोना 56,462 के नए रिकॉर्ड पर, 13 दिन में 1,595 रुपए महंगा हुआ

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में आई तेजी का असर शुक्रवार को घरेलू बाजार में भी देखा गया। स्थानीय बाजार में शुद्ध सोने (24 कैरेट) का भाव 365 रुपए उछलकर 56,462 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यह इसका अब तक का नया रिकॉर्ड स्तर है। इससे पहले 9 जनवरी को यह 56,259 रुपए के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा था। वहीं, जेवराती सोने (22 कैरेट) का भाव 334 रुपए उछलकर 51,719 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 9 जनवरी को यह 51,533 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, इस साल 13 दिन में शुद्ध सोने में 1,595 रुपए और जेवराती सोने में 1,461 रुपए की तेजी आई है। बीते साल 30 दिसंबर को इनकी कीमत 54,867 और 50,258 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय मार्केट में सोने का भाव 1900 डॉलर का स्तर पार कर गया है।

2022 में सोने-चांदी में रही थी शानदार तेजी

बीते साल सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली। इस साल

सोना 48,279 रुपए से बढ़कर 54,867 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यानी 2022 में सोने के दाम में 6,588 रुपए की तेजी देखी गई। वहीं 2022 में चांदी 62,035 रुपए से बढ़कर 68,092 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। यानी, इस साल इसकी कीमत में 6,057 रुपए की तेजी आई।

2023 में 64,000 रुपए तक जा सकता है सोने का दाम

आर्थिक अनिश्चितता के बीच भारतीय रिजर्व बैंक जैसे दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने का भंडार बढ़ाया है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, केंद्रीय बैंकों की तरफ सोने की खरीदारी बढ़ना सकारात्मक संकेत है। इससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। अजय केडिया ने कहा कि 2023 में सोना 64,000 रुपए तक पहुंच सकता है।

साल के पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 1.3 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में इजाफा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ष 2023 के पहले हफ्ते में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 6 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान देश का फॉरेक्स रिजर्व 1.268 अरब डॉलर घटकर 561.583 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले 30 दिसंबर को समाप्त हुए हफ्ते के दौरान यह 562.851 अरब डॉलर था। केंद्रीय बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा अस्तियां में 1.747 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई और यह 496.441 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान स्वर्ण भंडार में 461 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ और यह 41.784 अरब डॉलर हो गया। बता दें कि वर्ष 2022 की शुरुआत में देश का कुल मुद्रा भंडार 633 अरब डॉलर था। 2022 में डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपये को थामने के लिए केंद्रीय बैंक आरबीआई को कई बार दखल देना पड़ा, साथ ही हाल के महीनों में जरूरी चीजों के आयात का खर्च बढ़ने से भी मुद्रा भंडार में गिरावट आई।

फैमिली बिजनेस में बढ़ रहीं बेटियां

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आपको भी लगता है कि फैमिली बिजनेस चलाने के लिए बेटा जरूरी है, तो ये जरूर पढ़िए। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अरनॉल्ट ने करीब 72.4 हजार करोड़ रुपए की वैल्यू वाले लग्जरी सामानों के दूसरे सबसे बड़े ब्रांड डायर की जिम्मेदारी अपनी बेटी डेल्फिन को सौंपने का ऐलान किया है।

वे एक फरवरी से नया पद ग्रहण करेंगी। बर्नार्ड ने कहा- डेल्फिन ने लुई वुइटन का कार्यकारी उपाध्यक्ष रहते हुए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए। देश में भी कई बड़े उद्योगघराने बेटियों को कारोबार का जिम्मा सौंप रहे हैं। नोएल टाटा की बेटी लेह 2002 से ही ताज ग्रुप ऑफ होटल्स का काम संभाल रही हैं। करीब 18 साल हुई स्टडी कहती है कि देश में 24% फैमिली बिजनेस महिलाएं चला रही हैं। इनमें से 76% पिता का और 24% पति का कारोबार संभालती हैं। ईशा अंबानी ने 2014 में रिलायंस जियो व रिलायंस रिटेल जॉइन किया। जियो 42.13 करोड़ सब्सक्राइबर के साथ देश का सबसे बड़ा मोबाइल नेटवर्क बना। रिलायंस रिटेल दुनिया का दूसरा सबसे तेज बढ़ता रिटेलर।मई 2017 में पिता आदि गोदरेज ने कार्यकारी अध्यक्ष बनाया। तब से गोदरेज कंज्यूमर लिमिटेड सालाना 18% शुद्ध लाभ कमा रही। 2015-16 में यह ₹8,305 करोड़ था, जो 2021-22 में 17,831 करोड़ हो गया।

जुलाई 20 में पिता शिव नाडर की जगह एचसीएल की चेयरपर्सन बनीं। मार्च 2020 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 8,969 करोड़ रु. था, जिसे कोरोना के बाद भी मार्च 22 तक 10874 करोड़ रु. तक पहुंचाया। सितंबर 13 में पिता देश बंधु ने देश की तीसरी सबसे बड़ी फार्मा कंपनी ल्यूपिन की बागडोर सौंपी। इन्होंने कई अधिग्रहण किए। नतीजा ये कि कंपनी के टर्नओवर में इन नई कंपनियों की करीब 40% तक हिस्सेदारी है।फोर्ब्स ने एशिया-पैसिफिक की टॉप-50 वुमन की सूची जारी की, जिनकी उम्र 50 से ज्यादा है और उन्होंने नई पीढ़ी को राह दिखाई।

टेस्ला ने अमेरिका में कारों के दाम घटाए

टॉप सेलर मॉडल वाई एसयूवी समेत कई कारों की कीमतें 20% तक घटाईं, घटती सेल्स को बढ़ाने के लिए ऐसा किया

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। लग्जरी इलेक्ट्रिक कार कंपनी ने यूएस में अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के कई वर्जन्स की कीमतें घटा दी हैं। टेस्ला ने लगातार घटती अपनी गाड़ियों की सेल्स और कंपनी के शेयर में गिरावट के चलते इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की कीमतों को घटाने का यह फैसला किया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया में पिछले हफ्ते अपने व्हीकल्स की कीमतों में कटौती करने के बाद अब टेस्ला ने अमेरिका के अलावा यूरोप, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में कीमतें कम कर दी हैं। जिससे टेस्ला के कुछ मॉडल्स नए फेडरल टैक्स क्रेडिट के लिए एलिजिबल हो गए हैं, जो बायर्स का इंटरेस्ट अट्रैक्ट करने में मदद करेगा।

मॉडल वाई के कुछ वर्जन्स की कीमतों को लगभग 20% तक घटाया

टेस्ला ने अपने टॉप सेलर मॉडल वाई एसयूवी के कुछ वर्जन्स की कीमतों को लगभग 20% तक घटा दिया है। यह कटौती मार्च से अवेलेबल होने वाले 7,500 डॉलर यानी 6.09 लाख रुपए के यूएस इलेक्ट्रिक व्हीकल टैक्स क्रेडिट के लिए मॉडल वाई के कई वर्जन्स को एलिजिबल बनाती है। यही कारण है कि टेस्ला ने अपने लीस्ट एक्सपेंसिव मॉडल यानी मॉडल-3 के बेस प्राइस को भी लगभग 6% तक घटा दिया है। टेस्ला की कीमतों में कटौती के बाद इसका मॉडल वाई परफॉर्मेंस मॉडल अब सिर्फ 57 हजार डॉलर यानी 46.33 लाख रुपए की शुरुआती कीमत पर मिल रहा है, जिसकी कीमत पहले लगभग 70 हजार डॉलर (56.89 लाख रुपए) थी। वहीं टेस्ला के लीस्ट एक्सपेंसिव व्हीकल यानी मॉडल-3 की कीमत 47 हजार डॉलर (38.20 लाख रुपए) से घटाकर अब 44 हजार डॉलर (35.76 लाख रुपए) कर दी है।

साल 2022 से अब तक टेस्ला का शेयर 65% से ज्यादा गिरा

टेस्ला के इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की कीमतों को घटाने के फैसले के कारण कंपनी के शेयर्स में शुक्रवार को लगभग 4% की गिरावट देखने को मिली थी। साल 2022 की शुरुआत से अब तक कंपनी के स्टॉक 65% से ज्यादा गिर चुके हैं। कई इन्वेस्टर्स को डर है कि टेस्ला की सेल्स में मंदी बनी रहेगी। इतना ही नहीं सी ई ओ एलन मस्क के अनिश्चित व्यवहार और ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदने के कारण होने वाली गड़बड़ी के बारे में भी इन्वेस्टर्स चिंतित हैं।

लोकलुभावन नहीं व्यावहारिक बजट पेश कर सकती है सरकार, निर्माण क्षेत्र में निवेश पर जोर जरूरी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2023 को संसद में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बजट पेश करेंगी। 2024 के आम चुनावों के पहले यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट होगा। वित्त मंत्रालय ने दूसरे मंत्रालयों और विभागों बजट पूर्व मंत्रणा शुरू कर दी है।

बीच उद्योग जगत के जानकारों और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सरकार वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच सरकार का ध्यान इस बार के बजट में निरंतरता के साथ विकास का उच्च दर बनाए रखने पर होगा। व्यापक तौर पर देखें तो वर्ष 2023-24 के बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री निर्माण क्षेत्र और विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़ी नीतिगत घोषणाएं

कर सकती हैं।

अर्थव्यवस्था पर वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव को सीमित करने के उद्देश्य से बजट 2023 पिछले वर्षों की तरह ही लोकलुभावन बजट होने के बजाय व्यावहारिक बजट होगा मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर राजीव शर्मा का कहना है, मुझे पूरा विश्वास है कि भारत सरकार वर्ष 2023-24 के बजट में ऐसी नीतियों को प्राथमिकता देगी जिनसे बुनियादी ढांचा, विनिर्माण क्षेत्र और नवीकरणीय ऊर्जा के स्त्रोंतों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इससे वैश्विक स्तर पर भारत अपनी पूर्ण क्षमता को पहचानते हुए खुद को स्थापित कर सकेगा।" उन्होंने कहा, "देश में तकनीकी सेवा प्रदाता कंपनियों के बीच निवेश को बढ़ाया दिया जाना चाहिए ताकि वे घरेलू स्तर पर ही भरोसेमंद समाधान उपलब्ध करा सकें। देश की अर्थव्यवस्था में ऊपरी स्तर से निचले स्तर तक आधुनिक युग की निर्माण तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की जरूरत है। यह भविष्य में देश में स्किल डेवलपमेंट के लिहाज से भी गेम चेंजर साबित होगा।" शर्मा के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में सरकार से कुल मिलाकर यह उम्मीद है कि वह ऐसी घोषणाएं करे जिनसे वर्तमान में और भविष्य में स्थिर विकास सुनिश्चित किया जा सके।

जब तक स्वदेशी विकल्प नहीं मिलेगा, चीनी सामान के इस्तेमाल में कमी संभव नहीं

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। चीन के खिलाफ व्यापार के मामले में हम कच्चे साबित हो रहे हैं। चीनी कस्टम विभाग ने ताज़ा आँकड़े जारी किए हैं। इनके अनुसार हम जो सामान चीन से आयात करते हैं, यानी चीन से जो कुछ हम ख़रीदते हैं, उसमें 21.7 प्रतिशत वृद्धि हुई है और उसका आँकड़ा तो 118.5 अरब डालर सालाना पर पहुँच गया है, जबकि चीन जो हमसे सामान की ख़रीद करता है उसमें 37.9 प्रतिशत की गिरावट आई है और उसका आँकड़ा गिरकर मात्र 17.48 अरब डालर सालाना रह गया है। चीनी सामान का आयात हम कम करने वाले थे। उस पर निर्भरता हम घटाने वाले थे, लेकिन हो गया उल्टा। उसने हमारा सामान आयात करना काफ़ी कम कर दिया और हम पहले से भी ज़्यादा चीनी सामान मंगाने लगे। तस्वीर साफ़ है। हम चीनी सामानों का अपना मोह छोड़ ही नहीं पा रहे हैं। दरअसल, यह किसी सरकार या संस्था या संगठन की गलती नहीं है। आयात सही मायनों में माँग पर निर्भर होता है। जिस सामान की माँग ज़्यादा होती है, वह बाहर से या दूसरे देश से मंगाया जाता है। चीनी सामान चूँकि सस्ता पड़ता है, इसलिए हम उसका मोह छोड़ ही नहीं पा रहे हैं। हम सोचते हैं, दीवाली पर सस्ती चीनी झालरें न लगाकर ही हम चीन को मात दे देंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। आख़िर कहाँ- कहाँ आप चीनी सामान को रोकेंगे?हमें यह पता ही नहीं चलता कि जो हम इस्तेमाल कर रहे हैं वह सामान चीनी है या स्वदेशी। स्वदेशी का नारा लगाने वाले संगठन ही चीनी सामान का उपयोग करते हुए यह नारा लगाते हैं। क्योंकि आभास ही नहीं होता कि चीनी सामान की पैठ कहाँ - कहाँ तक हो चुकी है। हालाँकि आँकड़ों की बाज़ीगरी भी हो सकती है लेकिन इतनी ज़्यादा नहीं हो सकती। ट्रेंड तो पता चल ही जाता है। कुल मिलाकर चीन की हमारे बाज़ार पर पकड़ इतनी ज़्यादा हो चुकी है कि उसे कम करना आसान नहीं है। इसके लिए एक कठोर संकल्प की ज़रूरत है। अब सवाल यह उठता है कि यह संकल्प ले कौन?अकेली सरकार तो यह कर नहीं सकती। उसके बस की बात भी नहीं है। जब तक भारत का बच्चा - बच्चा संकल्प न लें तब तक यह संभव नहीं लगता। यह भी धीरे- धीरे ही होगा। पैठ इतने भीतर तक है कि एकदम से या रातोरात कुछ नहीं हो सकता। सस्ते चीनी सामान से मुक्ति पानी है, सही मायने में स्वदेशी को अपनाना है तो मैन्यूफ़ैक्चरिंग यूनिट्स की बाढ़ लानी होगी। बड़ी मात्रा में नई फैक्ट्रियां लगानी होगी, तभी हम बाज़ार की माँग को पूरा कर सकते हैं।

खुदरा महंगाई घटने के बीच टूथपेस्ट-साबुन जैसे डेली यूज आइटम की कीमतें 2% से 58% बढ़ीं

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एक तरफ जहां दिसंबर में खुदरा महंगाई घटकर साल भर के निचले स्तर पर आने से आम उपभोक्ता को खुशी मिली। वहीं दूसरी तरफ कुछ प्रमुख दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों ने जनवरी से अपने उत्पादों में 2% से 58% तक बढ़ोतरी करके उसकी जेब पर बोझ फिर बढ़ा दिया है। जनवरी 2022 में 3% से 20% की बढ़ोतरी के बाद एफएमसीजी कंपनियों द्वारा साल भर में तीसरी बार यह बड़ी वृद्धि की गई है। इससे पहले मई 2022 में कच्चे माल की कीमतें बढ़ने की वजह से एफएमसीजी कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी की थी।

इनपुट लागत घटाने और भी कंपनियां बढ़ा सकती हैं दाम

मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोलगेट, पामोलिव के अलावा कैडबरी और ओरियो जैसे ब्रांड बनाने वाली कंपनी मोंडेलेज इंडिया ने अपने विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं। इन कंपनियों ने कई उत्पादों के वजन में भी कमी की है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के डायरेक्टर

पूषन शर्मा के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में एफएमसीजी कंपनियों की ग्रोथ 7-9% तक रहेगी और कंपनियां इनपुट लागत का बोझ ग्राहकों पर डालने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं। बीते कुछ समय से एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में एक तिहाई से ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाले ग्रामीण सेक्टर में बिक्री धीमी रही थी और कंपनियों को अपना मार्जिन घटाकर काम करना पड़ रहा था। लेकिन अब खेती में लाभ, सरकारी प्रोत्साहन और अच्छी फसल के चलते इस साल कंपनियों को ग्रामीण मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद नजर आ रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	06-51 बजे
चंद्र-	तुला	में	कुंभ -	08-41 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	10-20 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-55 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	13-40 बजे
शुक्र-	मकर	में	मिथुन..	15-42 बजे
शनि-	मकर	में	कर्क...	17-53 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	20-05 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	21-12 बजे
			तुला	00-17 बजे
			वृश्चिक.	02-28 बजे
			धनु.....	04-45 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिर**दिशाशूल-** पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- **अष्टमी- 19 -45** तक उपरान्त नवमी
मास - माघ कृष्ण पक्ष , रविवार **Jan 15**
नक्षत्र -चित्रा - **19 -11** तक उपरान्त स्वाति
योग - सुकर्मा-**11 - 49** - तक उप धृति
करण- बालव **-07 - 40** - तक उप- कौलव
विशेष:- मकर संक्रान्ति पुण्यकाल

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 16:37 से 18:00 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:53 - 08:14 अशुभ	शुभ.	17:57 - 19:37 शुभ
चंचल	08:14 - 09:38 शुभ	अमृत.	19:37 - 21:13 शुभ
लाभ	09:38 - 11:02 शुभ	चंचल.	21:13 - 22:49 शुभ
अमृत	11:02 - 12:25 शुभ	रोग.	22:49 - 00:26 अशुभ
काल.	12:25 - 13:49 अशुभ	काल.	00:26 - 02:02 अशुभ
शुभ.	13:49 - 15:13 शुभ	लाभ.	02:02 - 03:38 शुभ
रोग	15:13 - 16:37 अशुभ	उत्पात	03:38 - 05:14 अशुभ
उत्पात	16:37 - 17:57 अशुभ	शुभ	05:14 - 06:53 शुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेषण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है ।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है

तुला स री रु रे से ता तू ते

अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे ।अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।आपको अपने पैरों पर ध्यान देना होगा

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी ।आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राकृतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हैदरगढ़ के पूर्व विधायक सुंदर लाल का निधन

सीढ़ी से गिरकर हुए थे घायल

बाराबंकी, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी के कद्दावर नेता एवं बाराबंकी की हैदरगढ़ विधानसभा सीट से विधायक रहे सुंदरलाल दीक्षित का शनिवार को निधन हो गया। सुंदरलाल दीक्षित के निधन से उनके समर्थकों और हैदरगढ़ में शोक की लहर है। पूर्व विधायक सुंदर लाल दीक्षित हैदरगढ़ अपने ही घर में शनिवार सुबह करीब 5 बजे सीढ़ियों से गिरे पाए गए। आनन-फानन में परिजन उन्हें उठा कर स्थानीय सीएचसी सेंटर हैदरगढ़ लाए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया। जहां उनकी शनिवार करीब 9 बजे मौत हो गई। असमय मौत से बीजेपी नेताओं में गहरा आघात लगा है। वरिष्ठ नेता की मौत से अस्पताल में तमाम बीजेपी नेताओं का जमावड़ा लगा हुआ है। केंदीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेहद करीबी माने जाते हैं।

पीके शाही बनाए गए बिहार के महाधिवक्ता

नीतीश कुमार सरकार में मंत्री रहे, ललित किशोर की जगह लेंगे

पटना, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने पूर्व मंत्री प्रशांत कुमार शाही को बिहार का नया महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) नियुक्त किया है। राज्य के कानून विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी। पीके शाही राजनीति से संन्यास लेने के बाद वकालत कर रहे हैं। वो निवर्तमान महाधिवक्ता ललित किशोर की जगह लेंगे। ललित किशोर ने हाल ही में इस पद से इस्तीफा दे दिया था।

पीके शाही को 2005 में भी मिली थी ये जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार के पहले कार्यकाल में वरिष्ठ अधिवक्ता पीके शाही 2005 से 2010 तक बिहार के महाधिवक्ता थे। 2010 में सीएम नीतीश के सत्ता में लौटने के बाद पीके शाही को मंत्रिमंडल में शामिल किया था। उन्होंने शिक्षा, पर्यावरण और योजना जैसे अहम विभागों का जिम्मा संभाला था।

2010 में नीतीश सरकार में बने ये मंत्री

साल 2013 में पीके शाही ने जद (यू) के टिकट पर महाराजगंज लोकसभा सीट से उपचुनाव भी लड़ा था। हालांकि, राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार के हाथों उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा था। प्रशांत कुमार शाही ने कुछ साल पहले राजनीति को अलविदा कह दिया था। इसके बाद से उन्होंने अपना सारा ध्यान वकालत पर लगा दिया। शाही के महाधिवक्ता नियुक्त होने पर बिहार स्टेट बार काउन्सिल के अध्यक्ष रमाकांत शर्मा ने उन्हें बधाई दी है। सरकारी अधिवक्ता प्रशांत प्रताप और पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।

ललित किशोर की जगह लेंगे पीके शाही

इससे पहले शाम को ललित किशोर ने जानकारी दी कि उन्होंने बिहार के एडवोकेट जनरल पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस्तीफे के पीछे की वजह बताने से इनकार कर दिया था। ललित किशोर को पांच साल पहले बिहार का एजी नियुक्त किया गया था।

'आप अपने काम पर ध्यान दें तो बेहतर होगा'

नीतीश ने शिक्षा मंत्री को लगाई फटकार

पटना, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फटकार लगाई है. कैबिनेट बैठक में नीतीश कुमार ने चंद्रशेखर को अनरगल बयानबाजी के बजाय अपने काम पर ध्यान देने की नसीहत दी. नीतीश कुमार ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी के बजाय आप अगर अपने काम पर ध्यान देंगे तो बेहतर होगा. बता दें कि बीते दिनों शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने 'श्रीरामचरितमानस' पर विवादित बयान दिया था. इसी बयान के बाद से नीतीश सरकार बीजेपी के निशाने पर है. बीजेपी चंद्रशेखर को बर्खास्त करने की मांग कर रही है. शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के 'श्रीरामचरितमानस' पर दिए विवादित बयान के बाद लोगों में काफी नाराजगी है. साथ ही देश की सियासत भी गरमा गई है. बीजेपी के साथ-साथ तमाम हिंदू संगठनों ने मांग की है कि शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर अपने विवादित बयान के लिए देश की जनता से माफी मांगें. हालांकि शिक्षा मंत्री ने दो टूक जवाब दिया है कि वह अपने बयान पर कायम हैं और इसके लिए कोई उनके जीभ काट ले या उन्हें गोली मरवा दे, तब भी वह माफी नहीं मागेंगे.

कैमूर में पप्पू यादव ने जगदानंद सिंह पर साधा निशाना: कहा- लालू यादव के पीठ में छुरा भोंक रहे हैं, बेटे को पार्टी से क्यों नहीं निकाल रहे हैं ?

जाप सुप्रीमो पप्पू यादव

कैमूर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कैमूर पहुंचे जाप सुप्रीमो पप्पू यादव ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और उनके बेटे सुधाकर सिंह पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सुधाकर सिंह बीजेपी के अनुकंपा पर आए हैं और वह उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। बक्सर कांड पर पप्पू यादव ने कहा कि जो लोग किसान की बात करते हैं और उनका हमदर्द बनते हैं, तो इतनी बड़े मामले के बाद बाप-बेटे क्यों नहीं गए। जाप सुप्रीमो ने कहा कि अगर वहां अश्विनी चौबे जाते तो आप क्यों नहीं जा सकते हैं। सरकार आपकी है शीशे के घर में रहकर यह पत्थर दूसरे पर फेंकते हैं। 4 महीने तक लालू यादव को आंख दिखाकर हट गए तो फिर वापस क्यों आए। उन्होने कहा कि

अध्यक्ष जगदानंद सिंह

जगदानंद सिंह हमेशा लालू यादव के पीठ में छुरा भोंकने का काम किया है, जितना सुधाकर सिंह ने बोला उतना अगर दूसरे लोग बोले होते तो कबका पार्टी से निकाल दिए होते, बेटे को क्यों नहीं निकाले।

एससी से जमानत के बाद भी खुशी दुबे जेल में

दस्तावेजों का अभी तक नहीं हो सका वेरिफिकेशन, 10 दिन पहले आया था फैसला

कानपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के 10 दिन बाद भी बिकरू कांड मामले में खुशी दुबे जेल से बाहर नहीं आ सकी है। इसके पीछे वजह है कि अभी तक जमानत के लिए दाखिल किए गए दस्तावेजों का वेरिफिकेशन नहीं हो सका है। अब खुशी के वकील इस बात को लेकर एक बार फिर कोर्ट में अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। इससे कि जल्द से जल्द खुशी की जेल से रिहाई हो सके।

खुशी की मां समेत पूरा परिवार परेशान

बिकरू कांड में जेल भेजी गई खुशी दुबे को 4 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी। खुशी के वकील शिवाकांत दीक्षित और उनकी मां गायत्री तिवारी लगातार केस की मजबूती से पैरवी कर रही हैं। इसके बाद भी दस्तावेजों का सत्यापन नहीं होने से खुशी की मां समेत पूरा परिवार परेशान है। खुशी के वकील शिवाकांत दीक्षित ने बताया कि 9 जनवरी को जमानत से संबंधित सभी दस्तावेज कोर्ट में दाखिल कर दिए गए थे। इसके बाद भी दस्तावेजों का सत्यापन नहीं होना और खुशी का जेल से बाहर नहीं आना कई सवाल खड़े करता है। अब वह जेल से रिहाई नहीं होने पर 16 जनवरी को कोर्ट में इसकी शिकायत दर्ज कराएंगे।

मायावती का जन्मदिन बसपा पूरे उत्तर प्रदेश में मनाएगी

कार्यकर्ताओं को बताएगी सरकार में किए गए काम

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती के 67वें जन्मदिन पर 15 जनवरी को उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में संगीतमय कार्यक्रम होगा. पार्टी बसपा प्रमुख के जन्मदिन के लिए ढेर सारे गाने लेकर आई है. इनमें से मुख्य गाने को कैलाश खेर ने गाया है.मुख्य समारोह लखनऊ में पार्टी की राज्य इकाई के कार्यालय में आयोजित किया जाएगा. वहीं पार्टी के कार्यकर्ता केक काटकर जिला कार्यालयों में इकट्ठा होंगे और मायावती को जन्मदिन की बधाई देंगे.पार्टी के नेता इस अवसर का उपयोग अपने मतदाताओं को राज्य में बसपा शासन के दौरान एससी/एसटी सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की याद दिलाने के लिए भी करेंगे.

कार्यकर्ताओं को क्या संदेश देगी बसपा

मायावती जब सत्ता में थीं तो उनके सरकार में शुरू की गईं कल्याणकारी योजनाओं के वीडियो 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उत्साहित करने के उनके संदेश के साथ सभी जिलों में दिखाया जाएगा. पार्टी के एक नेता ने कहा,"कोविड महामारी के बाद, बसपा नेता ने 2020 और 2021 में अपना जन्मदिन सादे तरीके से मनाया. 2022 में, उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण जन्मदिन समारोह नहीं किया गया.पार्टी ने 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव के लिए कैडर को तैयार करने के लिए सभी जिलों में उनका 67वां जन्मदिन मनाने का फैसला किया है.

किसने गाए हैं बसपा के गाने

कुछ गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं. इनमें सोनू निगम,कैलाश खेर और प्रिंस द्वारा वंचित समुदाय के अधिकारों के लिए एक सेनानी के रूप में प्रशंसा करने वाले नंबर शामिल हैं.गायक रविराज बौद्ध, प्रीति बौद्ध और त्रिशला बौद्ध ने भी अपने गाने जारी कर सभी जातियों और समुदायों के लोगों से रविवार को बसपा प्रमुख का जन्मदिन मनाने का आग्रह किया. पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए बसपा प्रमुख का संदेश रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी किया जाएगा.बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने कहा कि बसपा सरकार में हक मांगो,अधिकार देंगे, मान मांगेंगे,सम्मान देंगे.

साइबर फ्रॉड करने वाले बदमाशों और पुलिस में मुठभेड़, एक आरोपी गिरफ्तार

आगरा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा के थाना गोवर्धन क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ के दौरान ऑनलाइन साइबर फ्रॉड करने वाले एक बदमाश पैर में गोली लगी है. पुलिस ने बदमाश की पहचान शाहिद के रुप में की है. जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से एक तमंचा 315 बोर 4 कारतूस जिंदा 1 खोखा कारतूस, वारदात में इस्तेमाल होने वाली गाड़ी के साथ एक मोबाइल फोन और 63 सिम भी बरामद किया है. गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए है. पुलिस फरार हुए अभियुक्तों की तलाश में जुटी हुई है.

यूपी के वो मुस्लिम नेता जिनपर योगी सरकार में कसा गया शिकंजा

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में जब से योगी सरकार सत्ता में आई है तब से कई नेताओं के खिलाफ जांच हो रही है. कई नेताओं की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है. कुछ नेताओं के खिलाफ छापेमारी की गई है और उनकी संपत्ति कुर्क कर दी गई है. माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार भ्रष्टाचार और कई मामलों को लेकर काफी सख्त है. एक खबर के मुताबिक योगी सरकार ज्यादातर मुस्लिम नेताओं और विपक्षी पार्टियों के नेताओं के खिलाफ सख्त है. हम यहां

कुछ मुस्लिम नेताओं के नाम पेश कर रहे हैं जिनके ऊपर योगी सरकार ने शिकंजा कसा है.

अतीक अहमद

बाहुबली अतीक अहमद के खिलाफ यूपी के कई थानों में केस दर्ज हैं. यह मामले में कत्ल, जबरन वसूली और जमीन हड़पने के ताल्लुक से हैं. सभी मामलों के मद्देनजर प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ मनी लांड्रिंग केस में जांच कर रही है. ईडी ने उनकी 8.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है. वह बाहुबली से नेता बने.

आजम खान

समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के खिलाफ भी प्रवर्तन निदेशालय जांच कर रहा है. मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को फंड ट्रांसफर करने के मामले में ईडी ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया है. उनके खिलाफ पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा केस दर्ज किए हैं.

जुल्फिकार अहमद भुट्टो

जुल्फिकार अहमाद भुट्टो बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधायक हैं. आयकर विभाग ने जुल्फिकार के 17 ठिकानों पर छापेमारी की है. एक सर्च ऑपरेशन के दौरान उन्होंने 100 करोड़ रुपये सरेंडर किए हैं. इल्जाम है कि उन्होंने ये रकम इंकम टैक्स में नहीं दिखाई थी. इनके खिलाफ भी जांच की जा रही है.

मुख्तार अंसारी

प्रवर्तन निदेशालय ने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के खिलाफ जबरदस्ती जमीन हड़पने का मामला दर्ज किया है. ईडी ने उनके बेटे को भी गिरफ्तार किया है. मुख्तार अंसारी और उनके सहयोगियों के खिलाफ कई लोगों ने केस दर्ज कराया था उसी की बुनियाद पर ईडी ने उनको गिरफ्तार किया है.

हाजी फजलुर रहमान

बहुजन समाज पार्टी के नेता हाजी फजलुर रहमान के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू किया है. उनके खिलाफ 1,000 रुपये टैक्स चोरी करने का इल्जाम है. उनकी दिल्ली और पंजाब में मौजूद मीट फैक्ट्रियों पर भी छापेमारी की गई है.

हाजी इकबाल

प्रवर्तन निदेशालय ने बसपा के एमएलसी रहे हाजी इकबाल के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है. पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत उनकी 50 लाख रुपये की संपत्त जब्त ही है. इंतेजामिया ने उनकी 125 से ज्यादा संपत्तियों को जब्त किया है. उनके बेटों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है.

हाजी शकील कुरैशी

मीट कारोबारी हाजी शकील कुरैशी पर भी योगी का हंटर चला है. उनके खिलाफ 12 सौ करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का मामला सामने आया है. इसके अलावा इल्जाम है कि उन्होंने फर्जी कंपनी बना कर 1000 करोड़ रुपये का लेन देन किया.

पद्मावत एक्सप्रेस में कारोबारी को पीटा

दाढ़ी खींचने व धार्मिक नारे लगवाने का आरोप, चलती ट्रेन से धक्का...

मुरादाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पद्मावत एक्सप्रेस ट्रेन की जनरल बोगी में सफर कर रहे पीतल कारोबारी पर आठ- दस लोगों ने हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने कारोबारी की दाढ़ी खींची और उनसे धार्मिक नारे लगवाए। इसके बाद मुरादाबाद आउटर पर उन्हें धक्का दे दिया। शुक्रवार रात पीड़ित ने जीआरपी ने थाने में तहरीर दी है। कटघर के पीरजादा निवासी आसिम हुसैन ने बताया कि बृहस्पतिवार रात वह दिल्ली से मुरादाबाद के लिए ट्रेन में सवार हुए थे। ट्रेन हापुड़ रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी कि कुछ लोग बोगी में घुस आए। उन्होंने आसिम हसैन को घेर लिया और भक्का-मुक्की कर कपड़े फाड़ दिए। विरोध करने पर आरोपी गाली गलौज करने लगे। मारपीट की। मुरादाबाद आउटर पर उन्हें धक्का मारकर गिरा दिया। कारोबारी का कहना है कि वह फटे कपड़ों में पड़े थे, उनके एक परिचित ने अपने कपड़े दिए। शुक्रवार रात कारोबारी परिजनों और परिचितों के साथ जीआरपी थाने पहुंचे और तहरीर दी। सीओ जीआरपी देवी दयाल ने बताया कि पीड़ित को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

ट्रेन में कारोबारी के साथ हुई मारपीट का कुछ यात्रियों ने मोबाइल से वीडियो बना लिया। वीडियो को ट्वीट कर दिया गया था। ट्वीट में जीआरपी को टैग किया गया था। हरकत में आई जीआरपी ने बरेली में दो आरोपी पकड़ लिए। पूछताछ पर उन्होंने अपना नाम सतीश कुमार निवासी रायबरेली और प्रतापगढ़ निवासी सूरज बताए। सीओ जीआरपी ने बताया कि उन्हें शाम तक कोई तहरीर नहीं मिलने पर दोनों आरोपियों का शांति भंग में चालान कर दिया।

बिहार सरकार न किसी को फंसाती है, न बचाती है

यहां तो 5 साल का बच्चा भी पुलिस को पीट शराबतस्कर छुड़ा ले जाता है

जमुई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार का बहुत जबरदस्त जुमला है...हम न किसी को फंसाते हैं और न किसी को बचाते हैं। इस हिसाब से यह रिपोर्ट भी सही है कि पांच साल का एक बच्चा पुलिस को पीटकर, सरकारी वाहनों को क्षतिग्रस्त कर शराब तस्कर को छुड़ा ले जाता है। जमुई में उत्पाद विभाग की प्राथमिकी के अनुसार, 9 जनवरी 2023 को लछुआड़ की घटना में लगभग दर्जन भर लोग शामिल थे। हम उसमें से उस बच्चे का चेहरा तो नहीं दिखा सकते और न नाम लिख सकते, लेकिन उसके बाकी शरीर की तस्वीर जरूर सामने ला रहे हैं ताकि आप भी समझ सकें कि इस आपराधिक कृत्य में उत्पाद विभाग के अनुसार इस छोटे बच्चे ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। मामला लछुआड़ थाना का है। घटना 8 जनवरी के देर रात की है जब उत्पाद विभाग लछुआड़ मिडिल स्कूल के पास सुधीर चौधरी, जो पेशे से सरकारी शिक्षक हैं, उनके घर पर छापेमारी करने गई। पुलिस का कहना है कि सूचना मिली थी कि इनके घर पर शराब बनाने और बेचने का का काम किया जाता है। छापेमारी के दौरान कुछ बरामद तो नही हुआ लेकिन पुलिस ने शराब तस्कर का आरोप लगाकर उनके भाई गिरधारी चौधरी को गिरफ्तार कर लिया।

11 महीने के बच्चे को दुर्लभ बीमारी

जान बचाने को चाहिए 17.50 करोड़ का इंजेक्शन, सांस लेना भी मुश्किल

नोएडा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक मासूम बच्चा बेहद दुर्लभ बीमार से जिंदगी की जंग लड़ रहा है। महज 11 महीने की उम्र में ही उसे ऐसी बीमारी हो गई है, जिसमें मांसपेशियां कमजोर पड़ने के साथ ही सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। आयकर विभाग में टैक्स असिस्टेंट अमित का 11 महीने का बेटा कण्व गंभीर स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी 1 (एसएमए 1) से जूझ रहा है। बच्चे को इलाज के लिए 17.50 करोड़ रुपए के इंजेक्शन की जरूरत है, जिसके लिए माता-पिता रकम जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। जिगर के टुकड़े की जिंदगी बचाने के लिए कण्व के पिता अमित ने देश के आगे हाथ फैलाए हैं। एक आज आदमी के लिए 17 करोड़ रुपये जितनी पहाड़ जैसी रकम जुटा पाना लगभग नामुमकिन सा है। बच्चे के मां-बाप पैसा कहां से लाएंगे, इसी चिंता में दिन-रात काट रहे हैं। अमित को उम्मीद है कि नोएडा ही नहीं बाकी अन्य शहरों के लोग उसके बेटे के इलाज में मदद के लिए आगे जरूर आएंगे। बच्चे के परिवार की मजबूरी को देखकर सोशल मीडिया पर नेताओं ने भी भावुक अपील शुरू कर दी है। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने भी लोगों से मदद की अपील की है।

यूपी: कथित कांग्रेस नेता ने लोकसभा चुनाव में टिकट दिलाने के नाम पर किया दुष्कर्म

पुलिस ने बरेली से दबोचा

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एक महिला को लोकसभा चुनाव में टिकट दिलाने के नाम पर कथित कांग्रेस नेता तैय्यब अंसारी उर्फ एमटी ने अपने जाल में फंसाया। लाखों रुपये ऐंठे और कई साल तक शारीरिक शोषण करता रहा। पीड़िता ने चिनहट कोतवाली में आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

खुद को कांग्रेस पार्टी का राज्यसभा सदस्य बताता था आरोपित

पुलिस ने आरोपित तैय्यब अंसारी को बरेली के एक होटल से धर दबोचा। एडीसीपी पूर्वा अली अब्बास ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित तैय्यब अंसारी मड़ियांव के मोहिबुल्लापुर का रहने वाला है। उसकी उम्र करीब 52 साल है। वह खुद को कांग्रेस पार्टी का राज्यसभा सदस्य बताता था। पीड़ित महिला ने आरोपित के खिलाभ बीते साल चिनहट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। महिला का आरोप था कि तैय्यब ने उसे लोकसभा में टिकट दिलाने का आश्वासन दिया था। इसके एवज में उसने लाखों रुपये ऐंठे। शारीरिक शोषण करता रहा। जब टिकट नहीं दिला पाया तो विरोध कर रुपयों की मांग की। इस पर उसने राज्यसभा सदस्य बनवाने का आश्वासन देता रहा और रुपयों के नाम पर टाल मटोल करता रहा। रुपये वापसी का जब दबाव बनाया तो वह धमकाने लगा था। पीड़िता ने बीते साल तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित तैय्यब की लोकेशन बरेली मिली थी। पुलिस टीम भेजकर लोकेशन के आधार पर छापेमारी की गई तो वह बरेली में बड़ी काली बाड़ी के पास स्थित होटल मोती महल के कमरा नंबर 110 में मिला। जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

मकर संक्रांति पर संगम किनारे उमड़ा आस्था का सैलाब

कड़ाके की ठंड में भी श्रद्धालु लगा रहे डुबकी

प्रयागराज, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मकर संक्रांति पर सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश कर उत्तरायण हो गए हैं. इस मौके पर प्रयागराज में संगम तट पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है. इस पवित्र मौके पर स्नान के लिए सुबह साढ़े तीन बजे से ही श्रद्धालु संगम तट पर पहुंचने लगे थे. सुबह चार बजे तक सभी तट श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया. चहुं ओर हर हर महादेव और हर हर गंगे का उद्घोष हो रहा था. इसी के साथ श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में पुण्य की डुबकी लगाई. फिर जाकर विभिन्न अखाड़ों जाकर पूजा अर्चना की.

इस पवित्र अवसर पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए संगम पर 15 घाट बनाए गए हैं. सभी घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. वहीं आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी घाटों पर क्यूआरटी भी तैनात की गई है. मेला प्रबंधन के मुताबिक इस बार मकर संक्रांति का स्नान दो दिन हो रहा है. इसलिए आज श्रद्धालुओं की भीड़ थोड़ी कम रही. बता दें कि शनिवार की रात सूर्य उत्तरायण हो रहे हैं, ऐसे में पुण्यकाल को मानने वाले श्रद्धालु रविवार को संक्रांति मनाएंगे.

एक्सपर्ट बोले- जोशीमठ को धंसने से कोई नहीं बचा सकता

सुरंग की वजह से रोज 6 करोड़ लीटर पानी बहा, खोखला हो गया पहाड़

जोशीमठ (एक्सक्लूसिव डेस्क), 14 जनवरी। ये किस्सा उत्तराखंड में गढ़वाल के ऊंचे पहाड़ों के भीतर का है। तारीख थी 24 दिसंबर 2009, बड़े-बड़े शहरों की धरती के नीचे मेट्रो ट्रेन के लिए चुपचाप सुरंग खोद देने वाली एक बड़ी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) अचानक फंस गई। सामने से हजारों लीटर साफ पानी बहने लगा। महीनों बीत गए, लेकिन काबिल से काबिल इंजीनियर न इस पानी को रोक सके और न टीबीएम चालू हुई।

दरअसल, इंसानों की बनाई इस मशीन ने प्रकृति के बनाए एक बड़े जल भंडार में छेद कर दिया था। लंबे समय तक रोज 6 से 7 करोड़ लीटर पानी बहता रहता है। धीरे-धीरे ये जल भंडार खाली हो गया। यह जल भंडार जोशीमठ के ऊपर पास ही बहने वाली अलकनंदा नदी के बाएं किनारे पर खड़े पहाड़ के 3 किलोमीटर अंदर था।

हिंदुओं और सिखों के पवित्र तीर्थ बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब का गेटवे कहा जाने वाला ये वही जोशीमठ नगर है, जिसके धंसने की खबरें इन दिनों में सुर्खियों में हैं। इस नगर के 603 मकानों में दरारें पड़ चुकी हैं। 70 परिवारों को दूसरी जगह भेजा जा चुका है। बाकी लोगों से सरकारी राहत शिविरों में जाने को कहा गया है।

जोशीमठ वाले जलभंडार के खाली होने से इलाके के कई छोटे झरने और पानी के स्त्रोत सूख गए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि बिना पानी जोशीमठ के नीचे के जमीन भी सूख गई है। इसी वजह से दरके हुए पहाड़ों के मलबे पर बसा जोशीमठ धंस रहा है। उनका दावा है कि अब इस नगर को तबाह होने से बचाना मुश्किल है।

टीबीएम मशीन से ये सुरंग गढ़वाल के पास जोशीमठ में बन रहे विष्णुगढ़ हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए खोदी जा रही थी। यह नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन यानी एनटीपीसी का प्रोजेक्ट है।

बांध बनाकर नहीं, बैराज के जरिए तेज ढलान वाली सुरंगों से गुजरेगा पानी

विष्णुगढ़ हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट रन ऑफ रिवर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट है, यानी इसमें नदी के पानी को बांध बनाकर स्टोर नहीं किया जाएगा, बल्कि बैराज के जरिए तेज ढलान वाली सुरंगों से गुजरने वाले पानी की ताकत से बिजली बनेगी।

प्रोजेक्ट का बैराज 200 मीटर लंबा और 22 मीटर ऊंचा होगा। बैराज में पानी का बहाव कंट्रोल करने के लिए 12मी ऊंचे और 14मीटर चौड़े चार गेट होंगे।

ग्लेशियर पर टूटे पहाड़ों के मलबे पर बसा जोशीमठ, इसलिए खतरा ज्यादा

जूलॉजिस्ट और डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री रानीचौरी में एचओडी एसपी सती कहते हैं कि जोशीमठ टूटे हुए पहाड़ों के जिस मलबे पर बसा है वह अब तेजी धंस रहा है और अब इसे किसी भी तरह से रोका नहीं जा सकता है।

बहुत जल्द ऐसा भी हो सकता है कि एक साथ 50 से 100 घर गिर जाएं। इसलिए सबसे जरूरी काम है यहां से लोगों को सुरक्षित जगह पर शिफ्ट किया जाए। ये कड़वा सच है कि जोशीमठ को धंसने से अब कोई नहीं बचा सकता है

माना जाता है कि जोशीमठ शहर मोरेन पर बसा हुआ है, लेकिन यह सच नहीं। जोशीमठ मोरेन पर नहीं बल्कि लैंडस्लाइड मटेरियल पर बसा हुआ है। मोरेन सिर्फ ग्लेशियर से लाए मटेरियल को कहते हैं, जबकि ग्रैविटी के चलते पहाड़ों के टूटने से जमा मटेरियल को लैंडस्लाइड मटेरियल कहते हैं। जोशीमठ शहर ऐसे ही मटेरियल पर बसा हुआ है।

करीब एक हजार साल पहले लैंडस्लाइड हुआ था। तब जोशीमठ कत्युरी राजवंश की राजधानी थी। इतिहासकार शिवप्रसाद डबराल ने अपनी किताब उत्तराखंड का इतिहास में बताया है कि लैंडस्लाइड के चलते जोशीमठ की पूरी आबादी को नई राजधानी कार्तिकेयपुर शिफ्ट किया गया था। यानी जोशीमठ एक बार पहले भी शिफ्ट किया जा चुका है।

84 साल पहले से ही दी जा रही है जोशीमठ में तबाही की चेतावनी

साल 1939 : स्विस एक्सपर्ट ने किताब में किया था दावा

साल 1939 में एक किताब छपी, जिसका नाम था- सेंट्रल हिमालया, जियोलॉजिकल अबजर्वेशन आफ स्विस एक्सपिडिशन, इसके स्विस एक्सपर्ट और लेखक हैं प्रो. अर्नोल्ड हेम और प्रो. आगस्टो गैंसर। किताब में दोनों ने 84 साल पहले ही लिखा था कि जोशीमठ लैंडस्लाइड के ढेर पर बसा हुआ है।

साल 1976 : मिश्रा कमेटी ने कंस्ट्रक्शन को लेकर चेताया था

1976 में भी जोशीमठ में लैंडस्लाइड की कई घटनाएं हुई थीं। उस समय के गढ़वाल कमिश्नर महेश चंद्र मिश्रा के नेतृत्व में सरकार ने एक कमेटी बनाई थी। उन्होंने रिपोर्ट में निर्माण कार्यों पर पूरी तरह से रोक लगाने की सिफारिश की थी। साथ ही कहा था कि बहुत जरूरत हो

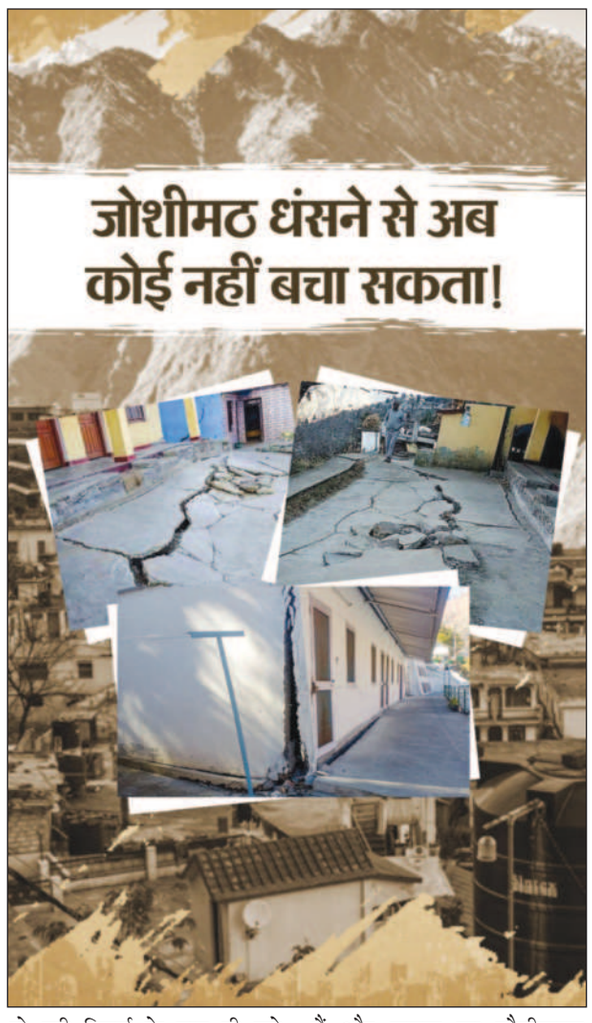

तो पूरी रिसर्च के बाद ही इसे किया जाना चाहिए।

इरैटिक बोल्डर को डिस्टर्ब नहीं करें यानी तोड़े नहीं। इरैटिक बोल्डर यानी मकान से भी बड़े पत्थर। इस रिपोर्ट में सीधे तौर पर बड़े कंस्ट्रक्शन और ब्लास्टिंग नहीं करने की सलाह दी गई थी। हालांकि, सरकार ने सलाह मानने के बजाय इस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया। इसके बाद यहां पर हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट लगाए जाते हैं और सड़क का चौड़ीकरण किया जाता है।

साल 2010 : जमीन धंसने की चेतावनी दी थी

साल 2010 में भी एक रिपोर्ट में जोशीमठ के टाइम बम बनने की बात कही गई थी। यह रिपोर्ट 25 मई 2010 को करेंट साइंस जर्नल में पब्लिश हुई थी। करेंट साइंस जर्नल की स्थापना 1932 में सीवी रमन ने की थी। डिसास्टर लूम्स लार्ज ओवर

—"—
सुरंग से निकलने वाले पानी की वजह से आसपास के झरने सूख रहे हैं। अचानक और बड़े पैमाने पर पानी बहने से क्षेत्र में जमीने धंसने लगी हैं। इसी वजह से जोशीमठ का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।
प्रोफेसर एमपीएस बिष्ट
जियोलॉजिस्ट

जोशीमठ हेडलाइन से छपी इस रिपोर्ट में बताया गया था कि गढ़वाल में जोशीमठ के करीब विष्णुगढ़ हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए टनल बोरिंग मशीन यानी टीबीएम सुरंग की खुदाई कर रही थी।

24 दिसंबर 2009 को टनल बोरिंग मशीन एक जल स्रोत को पंक्चर कर देती है। इसकी वजह से यहां पर 700 से 800 लीटर पानी प्रति सेकेंड निकलने लगा। यानी एक दिन में 6 से 7 करोड़ लीटर पानी निकलने लगा, जो 20 से 30 लाख लोगों पर्याप्त होता है। रिपोर्ट में चेताते हुए लिखा गया था कि प्राकृतिक रूप से जमा पानी के इस तरह बह जाने से बड़ी आपदा का अंदेशा है। सुरंग से निकलने वाले पानी की वजह से आसपास के झरने सूख जाएंगे। जोशीमठ के आसपास की बस्तियों को गर्मी के मौसम में पीने के पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। कई झरनों के सूखने की भी सूचना है।

अचानक और बड़े पैमाने पर पानी बहने से क्षेत्र में जमीने तेजी से धंसना शुरू हो सकती हैं। इससे जोशीमठ का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। जियोलॉजिस्ट और उत्तराखंड स्पेस एप्लिकेशन सेंटर के निदेशक प्रोफेसर एमपीएस बिष्ट ने यह रिपोर्ट तैयार की थी। उन्होंने इस रिपोर्ट को डिजास्टर मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर उत्तराखंड को भेजा था।

1890 मीटर की ऊंचाई पर बसा है जोशीमठ

गढ़वाल हिमालय में 1890 मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ जोशीमठ, तीर्थयात्रियों और ट्रैकिंग करने वालों के लिए एक जरूरी रास्ता है। ये शहर एक नाजुक पहाड़ी के ढलान पर बसा है। जोशीमठ चारों ओर से नदियों से घिरी पहाड़ी के बीच में स्थित है।

पूरब में ढकनाला, पश्चिम में कर्मनासा, उत्तर में अलकनंदा और दक्षिण में धौलीगंगा नदियां बहती हैं। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक यहां 4,000 मकानों में तकरीबन 20,000 लोग रहते हैं। यहां 100 से अधिक होटल, रिजॉर्ट और होम स्टे हैं। इसके अलावा समय के साथ यहां आबादी बढ़ती रही है जिससे समय के साथ जमीन पर दबाव बढ़ा है।

इस इलाके में लंबे समय से निर्माण कार्य हो रहा है, जिससे शहर के आसपास के क्षेत्र में बड़े बोल्डर और अन्य चट्टानों से भूस्खलन और घरों के दीवारों में दरार जैसी स्थिति सामने आ रही है।

जमीन धंसने की ये 3 अन्य वजहें भी

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) के एक अध्ययन के अनुसार, यहां भूस्खलन के लिए पैरेनियल स्ट्रीम, बर्फबारी और नीस चट्टानों का टूटना जिम्मेदार हैं। तीनों को बारी-बारी से समझते हैं।

1. पैरेनियल स्ट्रीम यानी 12 महीने पानी का बहाव

जोशीमठ के नदियों से घिरे होने के कारण यहां जमीन के नीचे और ऊपर पानी का बहाव झरने की तरह लगातार होता रहता है। इससे धरातल पर नमी बनी रहती है। जोशीमठ जहां स्थित है उस इलाके में जमीन के भीतर की चट्टानें कमजोर हैं और पैरेनियल स्ट्रीम से स्थिति और भी खराब हो चुकी है।

2. बर्फबारी और तेज बारिश

इसके अलावा जोशीमठ के ऊपर के इलाके में काफी बर्फबारी और तेज बारिश होती है। मौसम खुलता है और बर्फ पिघलती है तो जोशीमठ के चारों ओर नदियों में पानी का फ्लो तेज हो जाता है। सतह के कमजोर होने और भूस्खलन का यह भी एक बड़ा कारण है।

3. तापमान और हवा की वजह से तेजी से आकार बदलती चट्टानें

जोशीमठ के अधिकतर क्षेत्रों में नीस चट्टानें हैं। इनकी सतह खुरदुरी और दानेदार होती है। इनके बारे में हमने स्कूल के दिनों मे पढ़ा होगा। हमें पता ही है कि जमीन के नीचे चट्टानें हैं। उन्हें तीन भागों में बांटा जाता है जिसमें सबसे ऊपरी सतह को मेटामॉर्फिक चट्टान कहते हैं। मेटामॉर्फिक यानी कायांतरित होना यानी तेजी से आकार बदल लेना।

मेटामॉर्फिक चट्टानों का सामना जब बहुत अधिक दबाव और तापमान से होता है तो नीस चट्टानें बनती हैं। नीस चट्टान अपक्षयी होती हैं। अपक्षय या वेदरिंग यानी पृथ्वी की सतह पर मौजूद चट्टानों में टूट-फूट। इस टूट-फूट के कई कारण हो सकते हैं। कई बार तेज हवाएं, तेज बहाव का पानी, पेड़ों की जड़े या फिर तेज तापमान भी अपक्षय या वेदरिंग का कारण हो सकते हैं। जोशीमठ में नीस चट्टानें वहां रहने वालों की सबसे बड़ी समस्या हैं।

पहले दोस्ती, फिर प्यार, नाबालिग लड़की से रेप

9वीं की स्टूडेंट को घुमाने के बहाने भगाकर ले आया घर फिर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर में 14 साल की स्टूडेंट को भगाकर ले जाने और उसके साथ रेप करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक ने 9वीं कक्षा की छात्रा के मोबाइल पर कॉल कर पहले उससे दोस्ती की। फिर उसे प्यार में फंसा लिया। नए साल पर उसे घुमाने के बहाने युवक बहलाकर अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

इधर, लड़की के गायब होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी युवक के साथ लड़की को बरामद कर लिया है। मामला हिर्री थाना क्षेत्र का है।

टीआई सुनील कुर्रे ने बताया कि बीते एक जनवरी को नवमीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 वर्षीय छात्रा के गायब होने की जानकारी मिली। उसके परिजन ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी घर के पास से बिना बताए लापता हो गई है। पुलिस ने नाबालिग लड़की के गायब होने पर अपहरण की आशंका से केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस दौरान परिजन ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उन्होंने अपने परिचित और रिश्तेदारों के यहां लड़की की तलाश की। लेकिन, उसका कुछ पता नहीं चल रहा है।

12 दिन बाद युवक के गांव में मिली लड़की

इधर, पुलिस गांव के युवकों से भी पूछताछ कर जानकारी जुटाई। साथ ही मोबाइल के जरिए भी लड़की की तलाश करने की कोशिश की। जांच में पता चला कि सीपत क्षेत्र के ग्राम जांजी निवासी जागेश्वर प्रसाद सूर्यवंशी (19) और लड़की के बीच लगातार बातचीत चल रही थी। इसी आधार पर पुलिस ने ग्राम जांजी में दबिश दी, जहां जागेश्वर को पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि लड़की को वह अपने घर में रखा है। पुलिस ने उसके घर से लड़की को भी बरामद कर लिया।

पुलिस ने लड़की से पूछताछ कर उसका बयान दर्ज किया, तब उसने बताया कि मोबाइल के जरिए से जागेश्वर से उसकी जान-पहचान हुई थी। दोनों बातचीत करते थे। उसने नए साल में उसे घुमाने का बहाना बनाया और अपने घर ले गया। इस दौरान युवक ने उसके साथ दुष्कर्म भी किया।

पुलिस ने उसके बयान के आधार पर आरोपी जागेश्वर के खिलाफ रेप और पाक्सो एक्ट की धाराएं जोड़कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

50 हजार की ईनामी हार्डकोर नक्सली रेणु कोड़ा गिरफ्तार

देवघर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के लखीसराय जिला स्थित सुंदरहाल्ट पर ट्रेन में हमला करने वाली हार्डकोर नक्सली रेणु कोड़ा गिरफ्तार कर ली गई है। उसने चलती ट्रेन में पुलिस जवान से हथियार लूट की घटना को भी अंजाम दिया था। इस हमले में रेणु कोड़ा कमांडर की भूमिका निभा रही थी। रेणु कोड़ा पर सरकार ने 50 हजार रुपयों का इनाम घोषित कर रखा था। हार्डकोर नक्सली रेणु कोड़ा को देवघर जिले में जसीडीह थाना क्षेत्र के चपरिया गांव से गिरफ्तार कर लिया गया है। जसीडीह पुलिस और बिहार की जमुई पुलिस ने छापेमारी के दौरान रेणु कोड़ा के पास से हथियार भी बरामद किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रेणु से जमुई पुलिस ने मलायपुर पुलिस स्टेशन में पूछताछ भी की।

'कारोबारियों को पीट रहे ईडी के अफसर'

वकील बोले- पूछताछ के लिए 32 घंटे खड़ा रखा पिटाई से आंख में आई चोट, अब कोर्ट में मामला

रायपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ईडी की कार्रवाई प्रदेश में जारी है। आईएएस अफसरों, कारोबारियों और बड़े राजनेता ईडी के रडार पर हैं। छापों के बाद प्रवर्तन निदेशालय के अफसर पूछताछ के लिए लगातार लोगों को अपने दफ्तर में बुला रहे हैं। इस पूछताछ में लोगों के साथ क्या सलूक किया जाता है। इसका खुलासा एक कारोबारी के वकील ने किया है। वकील ने बताया है कि ईडी के अफसर बयान देने के लिए मजबूर करते हैं, पीटते हैं, तरह-तरह की सजाएं दी जाती हैं। अब बात कोर्ट तक जा पहुंची हैं। रायपुर की अदालत ने कारोबारी की शिकायत स्वीकारते हुए इस मामले में ईडी से जवाब मांगा है।

कारोबारी मनीष कुमार उपाध्याय के साथ भी ईडी अफसरों ने मारपीट की है। इनके वकील पलाश श्रीवास्तव ने खुलासा किया है कि ईडी के अफसर पूछताछ के दौरान कैसी-कैसी हरकतें कर रहे हैं। वकील ने बताया कि मेरे क्लाइंट को समन जारी हुआ । पूछताछ के लिए उन्हें बुलाया गया था। जब वो ईडी दफ्तर गए तो उन्हें दबाव पूर्वक बयान देने कुछ लोगों के नाम लेने को कहा गया। इनकार करने पर उन्हें खड़े रखा गया। अफसरों ने उन्हें बैठने नहीं दिया। 32 घंटे तक बिना ब्रेक के कारोबारी को खड़े रखा गया।

वकील ने साफ कहा कि सोने, सुस्ताने की तो बात ही नहीं। कारोबारी ने बताया कि मुझे बुलाया गया 32 घंटे खड़ा रखा गया। कारोबारी को वैरीकोज वेन्स नाम की बीमारी है। ये बताने के बाद भी उसे खड़ा रखा गया। अफसर दबाव बनाते रहे कि हम जैसा कह रहे हैं वैसा बयान दो। करोबारी की बीमारी वैरीकोज वेन्स में खड़े होने और चलने में निचले शरीर की नसों में दबाव बढ़ जाता है, दर्द होता है। मगर अफसर नहीं माने।

वकील ने बताया कि ईडी के अफसर यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने कारोबारी को बुरी तरह से पीटा। इतना मारा कि आंख की रेटिना में दिक्कत आ चुकी है। बुरी तरह से अफसर उन्हें पीटते रहे। अब हाल ये है कि ईडी अफसरों की पिटाई और टॉर्चर की वजह से कारोबारी ठीक ढंग से खड़े नहीं हो पा रहे, आंखों का इलाज करवाना पड़ा है।

कोर्ट ने लिया संज्ञान

वकील पलाश श्रीवास्तव ने बताया कि हमने कोर्ट से मांग रखी है कि ईडी जो भी पूछताछ करे उसे नियमानुसार करे, आधिकारिक समन जारी हों, कई बार बिना किसी डेट या अधिकारी के हस्ताक्षर के समन जारी कर दिए जाते हैं। जो भी पूछताछ हो वी कैमरों की निगरानी में हो ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ पूछताछ की जानकारी कोर्ट को मुहैया करवाई जाए। अधिवक्ता पलाश ने बताया कि और भी लोगों ने इस मामले में ऐसी प्रताड़ना की शिकायतें की हैं। रायपुर की कोर्ट ने इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए अगली सुनवाई के लिए 27 जनवरी की तारीख दी है, ईडी से भी इसपर जवाब लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया था लोगों को मुर्गा बना रहे ईडी वाले

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हाल ही में दिए अपने बयान में कहा था- ईडी के खिलाफ लोगों को समन देकर जबरन घर से उठाना। उनको मुर्गा बनाना, मारपीट कर दवाब डालकर मन चाहा बयान दिलवाने को बाध्य करना। आजीवन जेल में सड़ने की धमकी देना। बिना खाना-पानी के देर रात तक रोक कर रखना जैसे गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि- हम तो कहते हैं जो भ्रष्ट है उस पर कार्रवाई करो । मगर मारपीट क्यों कर रहे हो, मार- मार के हां बोलने को कह रहे हैं। जबरन हस्ताक्षर करने को कह रहे हैं, प्रताड़ित कर रहे हैं । एक उद्योगपति को इतना मारा कि वो अभी भी अस्पताल में हे। कितने लोग हैं जिनके हाथ-पैर में चोट आई । ये थर्ड डिग्री टॉर्चर कर रहे है हैं। इसका मतलब यही है कि आप जबरदस्ती से भ्रष्टाचार सिद्ध करना चाह रहे हैं।

22 साल का युवा रोजगार की तलाश में यूपी से पहुंचा झरिया

धनबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद देश का एक ऐसा शहर है, जो पूरी तरह से आग से घिरा है। जहां जमीन के नीचे भूमिगत आग है, लेकिन उनकी सुध लेने वालों की संख्या काफी कम है। इन्हीं के बीच 'सिंह मेंशन' एक ऐसा परिवार है, जो लगातार इलके लिए आवाज बुलंद करता रहा है। सिंह मेंशन की पुत्रवधु रागिनी सिंह बताती है कि मजदूरों के मसीहा कहे जाने वाले सूर्यदेव सिंह का परिवार कई पीढ़ियों से लोगों की सेवा करने में जुटा हुआ है। एनबीटी ऑनलाइन से बातचीत में रागिनी सिंह ने कहा कि देश की कोयला राजधानी के रूप में मशहूर धनबाद कई दशकों से खूनी संघर्ष के लिए चर्चित रहा है। साल 1977 में कोल कंपनियों के राष्ट्रीयकरण के पहले से ही यहां कोयला खनन का काम चल रहा था। इसी दौरान साल 1961 में उत्तर प्रदेश के बलिया जिले भी एक 22 साल का नवयुवक रोजगार की तलाश में धनबाद पहुंचा। बिहार और पश्चिम बंगाल से भी बड़ी संख्या में मजदूर यहां काम की तलाश में आते थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बच्चों के साथ उड़ाई पतंग

तातापानी महोत्सव का किया शुभारंभ, आज मशहूर सिंगर शान देंगे प्रस्तुति

बलरामपुर-रामानुजगंज, 14 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मकर संक्रांति के त्योहार पर शनिवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में पहुंचे। यहां उन्होंने तातापानी महोत्सव का उद्घाटन किया और पतंग उत्सव में शामिल हुए। सीएम भूपेश ने सबके साथ मिलकर खुद भी पतंग उड़ाई। गर्म पानी के कुंड और झरनों के लिए प्रसिद्ध तातापानी में हर साल मकर संक्रांति के पर्व पर भव्य मेले का आयोजन होता है। मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति पर्व 2023 का शुभारंभ करते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने तातापानी में शिव मंदिर प्रांगण में स्थित 12 जोतिर्लिंगों के भी दर्शन किए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया और 1003 करोड़ रुपए के 1,707 कार्यों की सौगात दी।

मुख्यमंत्री तातापानी महोत्सव के सामूहिक विवाह समारोह में भी

शामिल हुए और गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने वाले 501 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इनमें विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के भी विवाहित जोड़े शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा लगाए गए हितग्राही मूलक योजनाओं पर आधारित स्टॉल्स का भी अवलोकन किया। तातापानी में 3 दिवसीय मकर संक्रांति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कोरोना महामारी के 2 साल बाद फिर से इसका आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ-साथ बलरामपुर जिले की उपलब्धियों को भी बताया जाएगा। इस बार महोत्सव में सरकार की लोक कल्याण योजनाओं से लोगों को अवगत कराया जाएगा। तातापानी महोत्सव का आयोजन 14 से 16 जनवरी तक होना है।

विभागीय स्टॉल्स भी महोत्सव में लगाए जाएंगे। स्कूली बच्चे यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पेश करेंगे, वहीं 15 जनवरी को मशहूर प्लेबैक सिंगर शान यहां अपनी प्रस्तुति देने के लिए आने वाले हैं। 15 जनवरी को ही आयोजन स्थल पर किसान मेला, पंच सरपंच सम्मेलन और स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा।

मकर संक्रांति के साथ झारखंड में मनाया जा रहा है टुसू पर्व

रांची, 14 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में मकर सक्रांति का त्योहार मनाया जा रहा है, तो झारखंड में इस त्योहार का साथ- साथ मनाया जा रहा है टुसू पर्व। इस पर्व का झारखंड में खास महत्व है, यह सर्दी में फसल काटने के बाद मनाया जाने वाला पर्व है। टूसू का शाब्दिक अर्थ कुंवारी है, इस त्योहार के पीछे मान्यता और कहानी है। पर्व का झारखंड में विशेष महत्व है। पढ़ें इस पर्व का इतिहास इससे जुड़ी मान्यता। झारखंड में ज्यादातर पर्व त्योहार प्रकृति से जुड़े हैं। इस पर्व के संबंध में ज्यादा लिखित दस्तावेज मौजूद नहीं है। पीढ़ियों से जो परंपरा और कहानी चली आ रही है वही

एक बड़ा आधार है। इस त्योहार के दिन पूरे कूड़मी, आदिवासी समुदाय द्वारा अपने नाच-गानों और मकर संक्रांति पर सुबह नदी में स्नान कर उगते सूरज की प्रार्थना करके टुसू की पूजा की करते हैं। इस त्योहार के माध्यम से साल की नयी शुरुआत और बेहतरी की कामना की जाती है। झारखंड के कई इलाकों में यह पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। खासकर झारखंड के दक्षिण पूर्व इलाको में टुसू पर्व का खास महत्व है। इन इलाकों में मुख्य रूप से रांची, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम, रामगढ़, बोकारो, धनबाद जिलों और पंचपरना क्षेत्र शामिल हैं। झारखंड के साथ- साथ पश्चिम बंगाल के पुरुलिया, मिदनापुर व बांकुड़ा जिलों, ओड़िशा के क्योंझर, मयूरभंज, बारीपदा जिलों में भी इसे धूमधाम से मनाया जाता है। अघन संक्रांति से लेकर मकर संक्रांति तक इसे कुंवारी कन्याओं के द्वारा इसे मनाया जाता है। इस पर्व की खास कहानी है, टुसू एक गरीब कुरमी किसान की बेटी थी। उसकी सुदंरता की चर्चा दूर- दूर तक थी राजा के दरबार तक भी यह खबर फैली।

सांगोद विधायक भरत सिंह का ऐलान

अब नहीं लड़ूंगा चुनाव, बारां जिला मुख्यालय पर दूंगा धरना

कोटा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के माइनिंग विभाग के मंत्री प्रमोद जैन भाया से लंबी अदावत और राजनीतिक रस्साकशी के बाद अब सांगोद विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कोटा जिले के कमोलर खेल मैदान पर शुक्रवार को कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पूजा सिंह हाडा के पदभार ग्रहण समारोह में यह घोषणा की।

विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने कहा कि साल 2018 में विधानसभा चुनाव जीतने के साथ ही मैंने भविष्य में चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी। आज फिर इस मंच से मैं घोषणा करता हूं कि आगामी समय पर चुनाव नहीं लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि मैं ही चुनाव लड़ता रहा, तो दूसरों को मौका कैसे मिलेगा ?

विधायक भरत सिंह बोले- मैं न्याय की बात करता हूं, लेकिन यह बात भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को समझ में नहीं आ रही है। कांग्रेस विधायक भरत सिंह ने कहा मैं 23 जनवरी को बारां जिला मुख्यालय पर भ्रष्टाचार के खिलाफ और खान की झोपड़ियां गांव को कोटा जिले में शामिल करने के लिए धरना दूंगा। विधानसभा सत्र शुरू होते ही अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना सियासी चर्चा है कि विधायक भरत सिंह ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा करके अपनी सिद्धांत वादी राजनीति का मैसेज जनता में देने की कोशिश की है।

भरत सिंह क्षेत्र में जनता पर पकड़ रखने वाले नेताओं में गिने जाते हैं। खनन विभाग के मंत्री प्रमोद जैन भाया पर वह भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते रहे हैं। बाकायदा पत्र लिखकर कई बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग भी कर चुके हैं।

अब एक बार फिर भरत सिंह ने 23 जनवरी को भ्रष्टाचार के खिलाफ और खान का झोपड़िया गांव को कोटा जिले में शामिल करने की मांग पर धरना देने की घोषणा कर प्रदेश कांग्रेस सरकार को चिंता में ला दिया है, क्योंकि वह अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे। 23 जनवरी से ही प्रदेश में विधानसभा का बजट सत्र भी शुरू होने जा रहा है। ऐसे में यह सियासी मुद्दा भी बन सकता है।

डीजीपी ने पेपरलेस कार्य करने के दिए निर्देश

पुलिस के हर काम पर रहेगी नजर, बढ़ेगी पारदर्शिता

महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने पदभार संभालने के एक महीने के भीतर ही पुलिस विभाग में नवाचार करते हुए पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को पेपरलेस करने की शुरुआत कर दी है।

पेपरलेस होने के चलते पारदर्शिता और हर काम की गति को भी मॉनिटर किया जा सकेगा। मिश्रा के अनुसार पुलिस मुख्यालय की शाखाओं तथा उनके अधीनस्थ कार्यालयों, समस्त पुलिस रेंज एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालयों और उनके अधीनस्थ कार्यालयों में चरणबद्ध तरीके से ई-फाइल मॉड्यूल लागू किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 30 जनवरी 2023 से फाइल संधारण का काम राजकाज एप्लीकेशन के ई-फाइल मॉड्यूल से कार्य योजना अनुसार किया जाएगा।

एससीआरबी स्टेट नोडल एजेंसी नियुक्त

एससीआरबी को राजकाज क्रियान्वयन के लिए स्टेट नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। पुलिस के सभी कार्यालयों में ई-फाइल के लिए आरपीएस स्तर के नोडल अधिकारी और उनके अधीन सहायक नोडल अधिकारी होंगे।

एससीआरबी द्वारा संबंधित शाखा कार्यालयों को ई-फाइल का विस्तृत प्रस्तुतीकरण और प्रशिक्षण देकर इसे लागू करने की कार्य योजना बनाई जा रही है। अब नई फाइल ई-फाइल मॉड्यूल द्वारा ही खोली जाएगी तथा पुरानी फाइलों को पूर्ण स्कैन कर प्राथमिकता से ई-फाइल मॉड्यूल पर लाया जाएगा।

कार्य में आएगी पारदर्शिता

डीजीपी मिश्रा ने बताया कि ई-फाइल मॉड्यूल के उपयोग से न केवल पत्रावलियों की रियल टाइम ट्रैकिंग की जा सकेगी। साथ ही किसी अधिकारी और कार्मिक के राजकीय यात्रा पर होने पर भी राज कार्य का समयबद्ध संपादन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

डाक का संधारण और अवकाश संबंधित कार्य भी अनिवार्य रूप से राजकाज से ही किया जाएगा।

पासपोर्ट, प्रतियोगिता परीक्षा आदि में भी होगी आसानी

पुलिस महानिदेशक मिश्रा के अनुसार पुलिस के पेपर लेस होने से आमजन को भी बड़ी राहत मिलेगी। इसके चलते प्रतियोगी परीक्षा, पासपोर्ट, विदेश यात्रा, उच्च शिक्षा, कार्यमुक्ति से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र इत्यादि भी राजकाज से ही संचालित होगा।

जयपुर से बढ़ेगी हवाई सेवा, अभी 18 शहरों में कनेक्टिविटी

अमृतसर के लिए 1, तो गोवा के लिए फ्लाइट होंगी शुरू
जयपुर से होगा 63 फ्लाइट्स का मूवमेंट

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर इन दिनों पर्यटन सीजन चल रहा है और हवाई सेवाओं का संचालन बढ़ा हुआ है। पर्यटन सीजन के चलते जयपुर एयरपोर्ट से रोजाना औसतन 15 हजार यात्री यात्रा कर रहे हैं। एयरपोर्ट से रोजाना औसतन 60 फ्लाइट संचालित हो रही हैं। अब इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। दरअसल इसी माह जयपुर एयरपोर्ट से 3 नई फ्लाइट शुरू होंगी। स्पाइसजेट और गो फर्स्ट एयरलाइंस जयपुर से अमृतसर और गोवा के लिए फ्लाइट संचालन शुरू करेंगी। दरअसल अभी जयपुर एयरपोर्ट से देश के 18 घरेलू शहरों के लिए फ्लाइट चल रही हैं।

अब अमृतसर के लिए भी सीधी हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। स्पाइसजेट एयरलाइन 20 जनवरी से जयपुर से अमृतसर के लिए फ्लाइट शुरू करेगी। अमृतसर के लिए पिछले समर शेड्यूल में भी फ्लाइट चल रही थी। लेकिन, सितंबर माह में एयरलाइन ने अमृतसर की फ्लाइट का संचालन बंद कर दिया था। इसके बाद से अमृतसर के लिए एयर कनेक्टिविटी ठप हो गई थी। अब 20 जनवरी से जयपुर से अमृतसर के बीच सीधी फ्लाइट चलेगी। इन नई फ्लाइट्स के शुरू होने के साथ ही जयपुर से देश के 19 शहरों के लिए हवाई सेवा उपलब्ध होगी। माना जा रहा है कि मार्च माह तक फ्लाइट्स का संचालन इसी तरह बढ़ा हुआ रहेगा। मार्च माह तक फ्लाइट संचालन रोजाना 65 तक पहुंच सकता है।

धोखाधड़ी की शिकायत करने पहुंचा तो एसडीएम ने धमकाया

कहा-तू ट्रक के नीचे आकर मर जा, क्यों बकवास कर रहा है

मालपुरा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एसडीएम के पास शिकायत लेकर पहुंचे शिकायतकर्ता से अभद्र व्यवहार करने और धमकाने का वीडियो सामने आया है।

वीडियो में एसडीएम ने शिकायतकर्ता को कहते नजर आ रहे हैं कि मुकदमा दर्ज नहीं करा सकता तो तू ट्रक के नीचे आकर मर जा, क्यों बकवास कर रहा है। सुन ले तू, यह मेरा कैंपस है, तेरे बाप का घर नहीं है। तू सुरेश कुमार का मर्डर कर दे, मुझे मतलब नहीं है। कैंपस में नाटक करेगा तो मैं उठवा दूंगा। मैंने 3 महीने पहले इस भड़वे को घर पर बुलाया था और 1 घंटे तक समझाया, फिर भी तूने मामला दर्ज नहीं कराया, तुझमें कोई कमी रही होगी। अगर फिर भी कैंपस में ड्रामा करेगा तो मैं कर दूंगा तेरा काम। मेरे से बुरा कोई नहीं होगा। यह नौटंकीबाज आदमी है।

जानकारी के अनुसार एसडीएम के शिकायतकर्ता को धमकाने का वीडियो 11 जनवरी का है। मालपुरा कोर्ट परिसर में अधिकारी के नाम पर दलाली को लेकर शिकायतकर्ता नाथूलाल बैरवा और डीड राइटर सुरेश प्रजापत में विवाद हो गया था और कोर्ट परिसर में हंगामा खड़ा हो गया था। हंगामे के बाद वकील पीड़ित को लेकर एसडीएम आवास पर पहुंचे थे। इस दौरान वकीलों ने एसडीएम के नाम से की जा रही दलाली के बारे में अवगत कराया और नाराजगी जताई। इसके बाद एसडीएम ने शिकायतकर्ता से अभद्र भाषा में बात की थी।

यह है पूरा मामला

पीड़ित नाथूलाल बैरवा का दूदू रोड पर 5 बीघा 12 बिस्वा का एक खेत था, जिसको नाथूलाल ने बेच दिया था। खरीदारों ने जमीन को कन्वर्ट करवाकर प्लॉट काटे और लोगों को बेच दिए। इसमें से एक प्लॉट पवन नाम के व्यक्ति ने खरीदा था। इस प्लॉट की जमीन पर नाथूलाल अपना दावा कर रहा है और अपना हिस्सा मांग रहा है। नाथूलाल के प्लॉट पर दावा करने के बाद पवन ने मुंसिफ कोर्ट से स्टे लिया था। इसके बाद नाथूलाल ने एडीजे कोर्ट में अपील करते हुए स्टे को खारिज करवा दिया था। पवन प्रतिहार ने हाईकोर्ट में अपील करते हुए प्लॉट पर स्टे ले रखा है। इस मामले को लेकर नाथूलाल बैरवा करीब 6 महीने पहले डीड राइटर सुरेश के पास आया था। इस पर डीड राइटर ने पूरा मामला सही कर प्लॉट सौंपने की बात कही थी। इसके बाद दोनों के बीच रुपयों को लेनदेन हुआ। 3 महीने तक काम नहीं होने पर नाथूलाल बैरवा ने रुपए वापस मांगे तो दोनों में विवाद हो गया।

डीड राइटर ने कहा कि मैंने तेरा काम करवा दिया, अब कौनसे रुपए देने हैं। इस पर नाथूलाल ने कहा कि आपने जो काम की बात कही वो तो पूरी नहीं हुई तो पैसा वापस दो। इसको लेकर फिर 3 महीने गुजरने के बाद 11 जनवरी को एसडीएम कोर्ट परिसर में जोरदार हंगामा हो गया।

स्टूडेंट से छेड़खानी पर टीचर को पेड़ से बांधकर पीटा

पिता बोले-क्लास में बैड टच करता था
कुछ छात्रों ने कहा- वे निर्दोष हैं

अजमेर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 11 साल की नाबालिग स्टूडेंट से स्कूल के टीचर पर छेड़खानी का अरोप लगा। इससे गुस्साए ग्रामीण और परिजनों ने टीचर को पहले रस्सी से पेड़ से बांधा और इसके बाद पिटाई कर डाली। इधर, शनिवार को दूसरा पक्ष स्कूल पहुंचा और टीचर को निर्दोष बताते हुए ताला जड़ दिया। वहीं, परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने टीचर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया है। मामला अजमेर के पीसांगन थाना क्षेत्र में शुक्रवार का है, जिसका अब वीडियो सामने आया है।

ग्रामीण सीओ इस्लाम खान ने बताया कि स्टूडेंट सरकारी स्कूल में क्लास छठी में पढ़ती है। इसी स्कूल में महालक्ष्मण मेघवंशी साइस टीचर है। परिजनों ने बताया कि 12 जनवरी को बच्ची स्कूल से घर आई तो घबराई हुई थी। उसने बताया कि टीचर ने क्लास में उसे बेड टच करते हुए उसके साथ गलत हरकतें की हैं। इस पर स्कूल में जाकर परिजनों ने जमकर हंगामा किया और टीचर को पेड़ से बांधकर मारपीट की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और टीचर को छुड़वाया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भांवता के प्रिंसिपल पुष्पा धैया ने बताया कि मैं 28 दिसंबर से 12 जनवरी तक स्कूल में नहीं थी। मैं 13 जनवरी को स्कूल आई तो इस मामले की जानकारी मिली।

मंत्री कैलाश चौधरी ने कोटा पहुंचते ही सरकार को घेरा

पेपर लीक कांड में सीबीआई जांच की उठाई मांग

कोटा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी शनिवार को एकदिवसीय दौरे पर कोटा पहुंचे।

इस दौरान रेलवे स्टेशन पहुंचने पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री का भाजपा के कार्यकर्ताओं नेताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में सरकार को घेरा। उन्होंने पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई।

पेपर लीक सरकार बन गई है यहां की सरकार

पेपल लीक मामले को लेकर कैलाश चौधरी ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। कैलाश चौधरी ने कहा कि यह सरकार पेपर लीक सरकार बन गई है। यहां पर किसी भी प्रकार की परीक्षा होती है तो पहले ही पेपर आउट हो जाता है। इसमें इनके मंत्री तक मिले हुए हैं, बिना मिलीभगत के ये संभव नहीं हो सकता। इसके पहले कभी पेपर लीक नहीं हुए। कांग्रेस सरकार में 19 बार पेपर लीक चुके हैं।

भ्रष्टाचार में डूबी है सरकार

युवा मेहनत करता है दिन रात पढ़ाई करता है, पेपर देता है लेकिन बाद में पता लगता है कि वह पेपर लीक हो गया। राजस्थान की सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। रोजाना घोटाले सामने आ रहे हैं। प्रदेश के हर शहर में पेपर लीक मामले में युवा धरने पर बैठ गए हैं।

पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच बहुत जरूरी है। तभी सीएमओ से लेकर जो भी अधिकारी इसमें संलिप्त हैं इसका खुलासा होगा।

नटराज की मूर्ति को चुराकर लंदन में बेचा

भारत लाने में लगे 22 साल, एक पैर खंड़ित हुआ, अब म्यूजियम में रखेंगे

चित्तौड़गढ़, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 9वीं से 10वीं शताब्दी की ये दुर्लभ नटराज की मूर्ति रावतभाटा क्षेत्र स्थित बाड़ौली के घाटेश्वर मंदिर में विराजमान थी। 18 फरवरी 1998 को नारायण घीया नाम का कुख्यात तस्कर इसे चोरी कर भाग गया था। पुलिस जांच में मूर्ति को लंदन के प्राइवेट म्यूजियम में बेचने के बारे में पता चला था। इसके बाद लंबी कानूनी कार्रवाई के बाद 2020 में मूर्ति को भारत लाया गया। इसके बाद भी चित्तौड़गढ़ वापस लाने में 2 साल लग गए।

केंद्रीय मंत्री पुरातत्व विभाग को सौंपेगे मूर्ति

सांसद सीपी जोशी ने बताया कि सभी फॉर्मेलिटीज़ के बाद आखिरकार मूर्ति को चित्तौड़गढ़ लाने में सफल हो गए हैं। अब केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रविवार शाम 4:30 बजे एक कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़ स्थित कुंभा महल गार्डन में स्थानीय पुरातत्व विभाग को मूर्ति सौंपेगे। सांसद ने उन्होंने बाड़ौली स्थित परिसर में म्यूजियम बनाने की भी मांग की है,ताकि म्यूजियम में मूर्ति को रखा जा सकें। जब तक म्यूजियम नहीं बन जाता, कुम्भा महल में एएसआई के संरक्षण में मूर्ति को रखा जाएगा।

कुंभामहल में होगी मूर्ति की पूजा

सांसद सीपी जोशी ने कुंभामहल का निरीक्षण भी किया। कुंभामहल में रविवार को मूर्ति आने पर उसकी पूजा की जाएगी। सांसद ने पुरातत्व विभाग के अधिकारी प्रेमचंद शर्मा से जानकारी ली और कार्यक्रम तय किया। इस दौरान पूर्व उप जिला प्रमुख मिठूलाल जाट, भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष हर्षवर्धनसिंह, सुधीर जैन, मनोज पारिक, राजन माली, मनीष वैष्णव, पंडित अरविंद भट्ट आदि मौजूद थे। इस दौरान आरटीडीस पन्ना के मैनेजर रविंद्र चतुर्वेदी ने भी सांसद सीपी जोशी से चर्चा की। नटराज मूर्ति की चोरी की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। दरअसल, तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए वारदात के करीब 8 महीने बाद नकली मूर्ति को रखकर चला गया था। लेकिन पुलिस ने इसका खुलासा कर दिया और तस्कर को पकड़ लिया। उसके बाद भारत से लेकर लंदन तक कानूनी कार्रवाई चली। कैसे तस्कर पकड़ा गया, लंदन से कब मूर्ति को भारत और अब चित्तौड़गढ़ लाया जा रहा है।

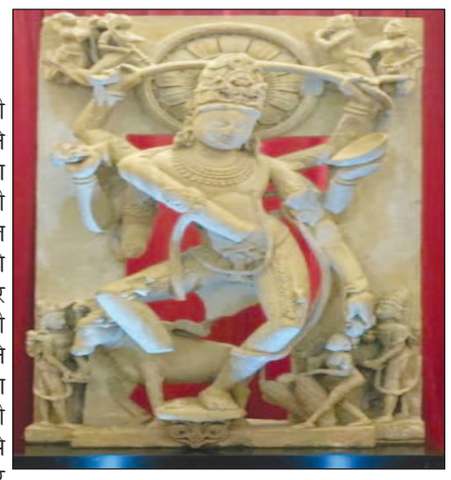

घाटेश्वर मंदिर से चोरी कर भागे थे तस्कर

9वीं से 10वीं शताब्दी की दुर्लभ नटराज की मूर्ति रावतभाटा क्षेत्र स्थित बाड़ौली के घाटेश्वर मंदिर से 18 फरवरी 1998 को चोरी हो गई थी। प्रतिमा चोरी पर लोगों में इतना गुस्सा था कि आंदोलन भी किया था। इस दौरान कोई हूबहू नकली मूर्ति मंदिर में रखकर चले गए थे। 2003 में तत्कालीन एसपी आनंद श्रीवास्तव ने ऑपरेशन ब्लैक हॉल चलाया था।

लंदन में प्राइवेट म्यूजियम में बेचा था

इस दौरान पुलिस को गुमराह करने के दौरान चोर नकली मूर्ति को मंदिर के पास खेत में रखकर चले गए थे। पुलिस जांच के दौरान पुलिस ने मूर्ति तस्कर वामन नारायण घीया को पकड़ा था। जयपुर में उसके ठिकाने पर पुलिस कार्रवाई में प्रतिमा की फोटो मिला था। पूछताछ में उसने मूर्ति चोरी कर लंदन के प्राइवेट म्यूजियम में बेचने की बात को कबूला था। नकली मूर्ति आज भी ऑर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया के पास सुरक्षित है।

साल 2005 में भारतीय दूतावास में मूर्ति को सौंपा

पत्थर की नटराज/नटेश की यह मूर्ति करीब चार फीट लंबी है और काफी दुर्लभ है। 2003 में मूर्ति को ब्रिटेन में बेचने की बात सामने आई थी। लंदन में जब प्रशासन को सूचना मिली तो उन्होंने निजी जासूसों के माध्यम से इसे खोजना शुरू किया था। लंदन में जिसके पास यह मूर्ति थी, उससे संपर्क किया गया और वह इस मूर्ति को लौटाने के लिए राजी हो गया। साल 2005 में लंदन स्थित भारतीय दूतावास में यह मूर्ति सौंप दी गई।

रेगिस्तान में पहली बार जमी बर्फ

10 डिग्री गिरा तापमान-2 जिलों में शीतलहर का अलर्ट
माइनस 4 डिग्री तक लुढ़का तीन शहरों का पारा

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सात दिन बाद एक बार फिर से ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। अचानक 10 डिग्री तापमान गिरा है। हालात ये है कि सीजन में पहली बार रेगिस्तान के धोरों पर भी बर्फ जम गई है। वहीं, प्रदेश के तीन शहरों में तापमान माइनस में गया है।

हिल स्टेशन माउंट आबू, फतेहपुर, चूरू में आज न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। इससे पहले पारा यहां माइनस में चला गया। बीकानेर में भी तापमान जमाव बिंदू के नजदीक पहुंच गया। बीती रात चली तेज सर्द हवाओं से पूरा प्रदेश ठिठुर गया। इधर, बीकानेर में तापमान 1 डिग्री तक पहुंचने के कारण इस सीजन में पहली बार वहां बर्फ जम गई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अब 20 जनवरी तक लोगों को कड़ाके की सर्दी का सितम झेलना पड़ेगा। जयपुर मौसम केन्द्र से जारी रिपोर्ट देखें तो आज चूरू में न्यूनतम तापमान -0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यहां कल तक न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस था। इसी तरह सीकर के फतेहपुर में भी टेम्परेचर 7.5 डिग्री सेल्सियस से लुढ़ककर -3.5 पर दर्ज हुआ। यहां खेतों में सिंचाई के लिए लगे पाइपों और खेतों की सुरक्षा के लिए लगे लोहे के जाल पर बर्फ जम गई। वहीं, मिट्टी पर भी ओंस की बूंदे जमी नजर आई।

एक ही चिता में दो सगे भाइयों का हुआ अंतिम संस्कार

छोटे की मौत पर घर आए बड़े भाई की टंकी में गिरकर मौत

बाड़मेर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में मौत का हैरान कर देने वाला वाक्या देखने को मिला। यहां एक ही दिन दो सगे भाइयों की चिता जली। इस अजीब घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया है। छोटे भाई की मौत की खबर सुनकर गांव पहुंचे बड़े भाई की भी पानी की टंकी में गिरने से मौत हो गई। मामला बाड़मेर के सिणधरी कस्बे के होडू गांव का है।

जानकारी के अनुसार होडू गांव के सारणों का तला निवासी 26 वर्षीय सुमेर सिंह गुजरात के सूरत में काम करता था। मंगलवार को पैर फिसलने के कारण व छत से गिर गया था। उसको अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान सुमेर सिंह ने दम तोड़ दिया। उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए सारणो लाया गया। वहीं छोटे भाई की मौत की खबर सुनकर बड़ा भाई सोहन भी गांव पहुंच गया। बुधवार सुबह सोहन सिंह घर से कुछ दूरी पर स्थित पानी की टंकी से बाल्टी भर रहा था तभी अचानक फिसलकर टंकी में गिरने से उसकी भी मौत हो गई।

डकैती, अपहरण और हत्या के प्रयास के मामले बढ़े, 2022 में 11.61 फीसदी बढ़ा क्राइम ग्राफ

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सरकारी रिकॉर्ड बता रहे हैं कि प्रदेश में क्राइम के आंकड़े 2021 के मुकाबले 2022 में बढे. हैं। इस मसले पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कहना है कि राजस्थान में एफआईआर अनिवार्य की गई है, इसलिए क्राइम के आंकड़े बढे. हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन जनता को न्याय मिल रहा है।

राजस्थान में क्राइम के आंकड़े साल 2021 के मुकाबले 2022 में 11.61 प्रतिशत बढ़े हैं। साल 2020 में एक लाख 93 हज़ार 279 कुल केस दर्ज हुए थे, जबकि 2022 में दो लाख 39 हज़ार 459 केस रिकॉर्ड किए गए। जो पिछले साल के मुकाबले 11.61 प्रतिशत ज़्यादा हैं। साल 2022 में रेप के मामले 11.93 बढ़े हैं। सबसे ज्यादा इजाफा डकैती के मामलों में हुआ है, जो 33.33 प्रतिशत बढ़ गए हैं।

एक लाख 13 हज़ार 508 केसों में लगी एफआर

प्रदेश में साल 2022 में आईपीसी की धाराओं के तहत दो लाख 39 हज़ार 459 केस दर्ज हुए। स्थानीय और विशेष अधिनियम के तहत 73 हज़ार 345 केस रजिस्टर्ड किए गए। इनमें से एक लाख 13 हज़ार 508 केसों में एफआर लगा दी गई। एक लाख 77 हज़ार 419 केसों में चालान पेश किया गया है। वहीं, 21877 केसों में जांच पेंडिंग चल रही है।

केटीआर ने केंद्र से औद्योगिक विकास के लिए तेलंगाना का समर्थन करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने केंद्र सरकार से तेलंगाना राज्य के औद्योगिक विकास के लिए वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन देने का आग्रह किया। शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना को प्रोत्साहित करने का मतलब है देश का प्रोत्साहन, यह कहते हुए कि पिछले आठ वर्षों के दौरान तेलंगाना राज्य ने औद्योगिक विकास में जबरदस्त प्रगति की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को हैदराबाद-वारंगल, हैदराबाद-विजयवाड़ा और हैदराबाद-नागपुर सहित औद्योगिक गलियारों के विकास के लिए बजट आवंटित करना चाहिए। केटीआर ने कहा कि केंद्र को राष्ट्रीय निवेश विनिर्माण क्षेत्र (एनआईएमजेड), जहीराबाद और जादचेरला औद्योगिक पार्क में बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए भी धन देना चाहिए। औद्योगिक मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को हैदराबाद में एक राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र स्थापित करना चाहिए और राज्य की राजधानी में फार्मा सिटी के विकास के लिए आगामी बजट में अलग से धनराशि निर्धारित करनी चाहिए। उन्होंने हथकरघा क्षेत्र पर जीएसटी को समाप्त करने की मांग को भी याद दिलाया और केंद्र से सूचना प्रौद्योगिकी निवेश क्षेत्र (आईटीआईआर) के साथ तेलंगाना को एक बड़ी परियोजना को मंजूरी देने के लिए कहा। केटीआर ने अफसोस जताते हुए कहा कि हम पिछले आठ सालों से केंद्र सरकार से तेलंगाना जैसे प्रगतिशील राज्यों का समर्थन करने के लिए कह रहे हैं, लेकिन व्यर्थ है।

संक्रांति तेलुगु संस्कृति के लिए सौहार्द का पर्व : तलसानी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के नेतृत्व में टैंकबंड पीपुल्स प्लाजा में पतंग महोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभभ समाज के लोगों ने भाग लिया। गोसामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ मंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि संक्रांति तेलुगु संस्कृति में सबसे श्रेष्ठ पर्व है। इस अवसर पर पंतगबाजी की प्रतियोगिताएं की जाती है तथा इस सौहार्द के पर्व पर सभी एक दूसरे से मिल कर भाईचारा कायम करते हैं। इस अवसर पर कई बीअरएस नेता एम. कृष्णा, धर्मेंद्र, देवेंद्र, हनुमंतु, किशोर, वेंकटेश, कृष्णा, विजय, विजय, दुर्गा राज, राजेश, तुलजा राम, रघु, अहमद, गौस, साजिद भाई, मोहम्मद, जहांगीर के अलावा कई पतंग प्रेमियों ने भाग लिया।

मकर संक्रांति पर बिहार एसोसिएशन द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के नाल गंदला जोन द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर चुरा दही भोज का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया के नाल गंदला छेत्र के 400 से अधिक परिवारों ने भोज में हिस्सा लिया। क्षेत्र के मुख्य सुमन झा, राजीव रंजन, अतुल कुमार और मानिक लाल दत्ता ने बिहार एसोसिएशन हैदराबाद केंद्रीय टीम के पदाधिकारी का स्वागत किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने गत दिनों क्षेत्र में छठ पूजा के सफल आयोजन हेतु क्षेत्र के पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष उत्तम यादव ने कहा कि क्षेत्र के महिला शक्ति और उद्योग इकाई को भी मजबूत करना है, जिसके लिए हम सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है।

बिहार फाउंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने भी क्षेत्र के कर्मठ सदस्यों द्वारा किए जा रहे कार्य को सराहा। बैठक में कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, हरेराम यादव, भरत सिंह, अखिलेश सिंह आदि अनेकों गणमान्य उपस्थित रहे।

नारायणगुड़ा मेलकोटे पार्क में संक्रांति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए वाकर एसोसिएशन के सदस्य।

मां दुर्गा की कृपा संस्था और 16 नित्या ने तुला दान द्वारा गऊ सेवा की

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मां दुर्गा की कृपा संस्था और 16 नित्या के समन्वय से तुला दान द्वारा गगन पहाड़ स्थित सत्यम शिवम् सुंदरम गऊ शाला में गऊ सेवा की, जिसमें 11 संस्था के सदस्यों ने अपने भार के अनुसार सब्जी, (गाजर, मटर, गवार की फली, खीरा,) और गुड, चना, और हरी बूट, गायों को खिलाया गया। सत्यम शिवम् सुंदरम गऊ शाला के कर्मचारियों के लिए सोलापुर की 20 चादर भी भेंट की। तुला दान करने वाले सदस्य शारदा अग्रवाल, मधु गोयल, संतोष गोयल, मीरा अग्रवाल,ललिता अग्रवाल, मीना अग्रवाल राधा अग्रवाल, रेखा तुलसियान, दीपा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, विनय किशोर तायल, केल्विन पटेल (अमेरिका से) रहे। इन सब के भार अनुसार गऊ माता को सब्जी और अन्य सामान खिलाया गया। साथ ही साथ भारती पटेल द्वारा चादर भेंट की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हेमा मालिनी तायल, राजेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, शालू केडिया, सुरुष्टि और दृष्टि इन सभी का संस्था के संस्थापक विनय किशोर तायल शामिल रहे।

नरसिंह मंदिर सुल्तान बजार में धनुर्मास कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंह मंदिर, सुल्तान बजार के ट्रस्टी कमलनारायण अग्रवाल एवं गोविंद नारायण राठी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार धनुर्मास जो 16 दिसंबर से लेकर 14 जनवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम प्रातः गोदम्मा मताजी के भजन से इसकी शुरूवात हुयी।

श्री व्रतधर श्रीनिवास जियर स्वामी जी का प्रवचन हुआ। इसमें स्वामी जी ने गोदम्मा जी की पूजा पाठ का महत्व समझाया। भक्तगण भक्तिभाव से उनका प्रवचन सुना। ट्रस्टी गोविन्द राठी ने स्वामी जी का सम्मान किया। मंदिर के पुजारी रमेशचन्द्र ब्यास जो निरन्तर एक माह से गोदम्मजी के उत्सव में अपनी सेवाएं प्रदान करने पर गोविन्द राठी ने उनका सम्मान किया। माह भर चले इस कार्यक्रम में राधेश्याम राठी, भरत, गोपीकिशन बंग, कलावती जाजू, इंदिरा बंग, सुरेखा सारडा, पदमा सारडा, लक्ष्मीनारायण व्यास, कान्ता ब्यास, शोभा झवार, लक्ष्मीनारायण राठी, रमेश लाहोटी, बद्री सारडा, नारायण भराडिया, लक्ष्मीनिवास लोया, सुमीत राठी, श्रीनिवास लोया, सुरेश तोषनिवाल, सीताराम बजाज, नवल ब्यास, विपिन महाराज, रवि महाराज, धीरज ब्यास, रवि महाराज, शंकर महाराज आदि उपस्थित थे।

श्री आईमाता मंदिर में माही बीज (दूज) महोत्सव 23 को

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अलियाबाद स्थित सीरवी समाज शिक्षा समिति भवन मे समाज की तीनों कमिटियों की विशेष मीटिंग आयोजितकर पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर मे सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य मे माघ सुदी बीज (दूज) महोत्सव सोमवार 23 जनवरी को प्रात: वेला मे पूजा-अर्चना व रात्रि भजन संध्या का आयोजनकर मनाने एवं अखिल भारतीर सीरवी महासभा तेलंगाना के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़ व सचिव किशनसिंह राठौड़ ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति माघ सुदी बीज (दूज) महोत्सव का आयोजन पारसीगुटा श्री आईमाता मंदिर मे किया जाएगा। प्रात: वेला मे माई का श्रृंगार व मंदिर को फूलों से सजाकर विशेष पूजा-अर्चना एवं रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे चेतननाथ एंड पार्टी अलवाल माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

अग्र महिला समीति दोमलगुड़ा शाखा का वसन्तोसव 21 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला समिति, दोमलगुड़ा शाखा के संयोजिकाओं की मीटिंग बाला त्रिपुरा देवी मंदिर परिसर दोमलगुड़ा में रखी गई। समिति की संयोजिकाएँ सरला अग्रवाल,पूजा गुप्ता, रश्मि अग्रवाल, सीमा अग्रवाल ने सर्वसम्मति से वसन्तोसव मनाने का निश्चय किया।

प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए सरला अग्रवाल ने बताया कि लुंबिनी पार्क स्थित आर्य तारा बोट में 21 जनवरी शनिवार को मध्यान्ह 12 से 3 तक वसंतोत्सव मनाया जायेगा। इस कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका पूजा गुप्ता के संयोजकत्व में मनोरंजक गेम्स, ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी, आकर्षक तंबोला का समावेश रहेगा। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे।

मेल्विन जोन्स द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद रॉयल लायंस इंटरनेशनल के संस्थापक मेल्विन जोन्स द्वारा वेद प्रचार कुटीर, प्रभात पाठशाला, सीआईबी क्वार्टर, रहीमपुरा, धूलपेट में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लॉयन डॉ. उदय चव्हाण, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, लायन विनय चव्हाण, डेंटल सर्जन, डॉ. आशीष कुमार, जनरल फिजिशियन, डॉ. रवि तेजा, फिजिशियन और सपोर्ट टीम ने 127 मरीजों की सेवा की। इस दौरान लोगों का बीपी, रैंडम ब्लड शुगर, जांच की गई और जरूरतमंद मरीजों को दवाइयां दीं गई। लक्ष्मण सिंह गुरुजी, वेद प्रचार कुटीर के प्रेम सिंह, एसएसके समाज, हैदराबाद के कटिगर शंकर, स्वास्थ्य शिविर में दशरथ सिंह लोध व चिकित्सक वैला श्रीनिवास राव, अध्यक्ष, अकुला रविंदर राव, सचिव, लायन थोटा श्रवण कुमार, कोषाध्यक्ष, प्रमोद गोपीसेट्टी, लायन पी. भोपाल राज, फिजियोथेरेपिस्ट ने शिविर का आयोजन एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

हिंदी महाविद्यालय में क्लस्टर की बैठक मंगलवार को

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हिंदी महाविद्यालय के तत्वावधान में क्लस्टर ऑफ कॉलेजेस का गठन किया गया है जिसकी बैठक मंगलवार दिनांक 17, जनवरी को अपराह्न 2 बजे हिंदी महाविद्यालय में आयोजित की जाएगी। इस संदर्भ में हिंदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने बताया कि इस क्लस्टर ऑफ कॉलेजेस में मारवाड़ी शिक्षा समिति, अग्रवाल शिक्षा समिति, बदरूका शिक्षण समिति और विवेक वर्धनी शिक्षण समिति से सम्बद्ध महाविद्यालय हैं। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि हिंदी महाविद्यालय तेलंगाना। राज्य का पहला प्राइवेट महाविद्यालय है जिसने इस क्षेत्र में सबसे पहले पहल की है, इस संदर्भ में कमिश्नर ऑफ कॉलेजिएट एवं टेक्निकल एजुकेशन ने हिंदी महाविद्यालय को इस आशय का प्रशस्ति पत्र भी प्रेषित किया है।

अग्रणी महिला मंच ने मनाई मकर संक्रांति

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने कहा कि मकर संक्रांति के उत्सव पर हिमायत नगर स्थित कार्यालय के छत पर मकर संक्रांति मनाई गई। सभी कर्यकरिणी ने पंतन उड़ाया और काफी मौज किया। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, श्वेता खंडेलवाल, संगीता जजोदिया, स्मिता शाह, रीता अग्रवाल, रूपा गुप्ता, प्रीति गोयल आदि उपस्थित थे।

विवेकानंद मूर्ति स्थापना के लिए भूमि पूजन किया गया

कागज नगर, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे के रामकृष्ण मठ (रामकृष्ण विवेकानंद केंद्र) में आयोजित विवेकानंद जयंती कार्यक्रम में होमम और आरती का कार्यक्रम करने के बाद डॉ. पलवई हरीश बाबू ने नई विवेकानंद मूर्ति स्थापना के लिए भूमि पूजन किया। इस अवसर पर सिरपुर विधानसभा क्षेत्र भाजपा के नेता डॉ. पलवई हरीश बाबू ने कहा कि युवाओं को विवेकानंद की भावना से आगे बढ़ना चाहिए, सुनहरे भविष्य का निर्माण करना चाहिए और भारत के निर्माण में सहभागी बनना चाहिए। कार्यक्रम में रामकृष्ण विवेकानंद केंद्र के अध्यक्ष श्री एसके मोदी गारू, महेश सरकार, पूर्व पार्षद बालका श्याम, संतोष ठाकुर, कौशिक भट्टाचार्य सहित अन्य ने भाग लिया।

भोगी व पोंगल उत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिल रिज स्प्रिंग्स गच्ची बावली में भोगी, पोंगल उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें गीता अग्रवाल ,सरस्वती भारद्वाज, झांसी मूडी रेड्डी, उमा देवी सुंकरी श्री, देवी कोटा, हेमा, लक्ष्मी, केपी अग्रवाल ,आर के मेहता, सुधाकर ,प्रदीप कुमार, अविनाश, रजत अग्रवाल आदि ने भाग लिया इस अवसर पर गीता अग्रवाल ने मकर संक्रांति के ऊपर एक सुंदर कविता सुनाई और सभी को शुभकामनाएं प्रेक्षित की केपी अग्रवाल ने भी मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

संक्रांति पर्व के पावन अवसर पर नागारम में पतंगबाजी कार्यक्रम का लुप्त उठाते हुए धार्मिक सेवा समिति प्रचारक देवीसिंह खंगारोत, प्रभा खंगारोत, पी. सोलंकी, किरन कंवर, आलोक, देवेन्दर सीरवी व अन्य।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक आयोजित की गयी। इस संदर्भ में, दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन, खैरताबाद में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता व संचालन डॉ.रामकुमार तिवारी ने किया। बैठक में गत मिटिंग में लिए गये निर्णयों की समीक्षा की गयी एवं गत बैठक में आजतक के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया। जिसमें गत माह में संपन्न हुई दीपावली स्नेह मिलन एवं छात्रवृत्ति वितरण की विस्तार से विवेचना की गयी। बैठक में आगामी 26 जनवरी बसंत पंचमी को निर्धारित सामूहिक उपनयन कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु निम्न विभिन्न समितियों का गठन किया गया। इनमें साज सज्जा समिति, स्वागत समिति, भोजन व्यवस्था समिति, परोसगारी समिति, पुरोहित(पंडित) की व्यवस्था, नाई का प्रबंध, पूजा, बटुकों के वस्त्र, सूप आदि की खरीदारी, बटुकों के अभिभावकों का मार्गदर्शन आदि शामिल हैं। जिसमें यह भी बताया गया कि, अबतक सोलह बटुकों के अभिभावकों ने अपना अपना पंजीकरण करवा लिया है। बैठक में जिन गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उनमें सांस्कृतिक मंत्री रत्नकला मिश्रा, विशेष आमंत्रितों में प्रेमसुंदर शुक्ला, जनसंपर्क मंत्री विनोद कुमार तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य दुर्गाप्रसाद मिश्रा एवं सूर्यप्रकाश शुक्ला, युवा विभाग मंत्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, महामंत्री विजयपाल पाण्डेय, उपाध्यक्ष राकेश तिवारी आदि शामिल हैं।

मंत्री अमरनाथ ने पवन कल्याण को लगाई फटकार

अमरावती, 13 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जनसेना अध्यक्ष पवन कल्याण के आधार हीन भाषण पर मंत्री अमरनाथ ने पवन को फटकार लगाई। इस संदर्भ में आंध्र प्रदेश के मंत्री गुडिवाड़ा अमरनाथ ने रणस्थलम में जनसेना प्रमुख पवन कल्याण द्वारा की गई अनापशनाप टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनके पास भी मारने के लिए हाथ और जूते हैं। उन्होंने पूर्वी गोदावरी जिले के राजानगरम मंडल के पलाचर में आयोजित खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में भाग लिया, जिसमें मंत्री ने कहा कि पवन ऐसे बोलते है जैसे युद्ध के मैदान में बोलते हों। जोकि अनुचित हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ होम-सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

राहुल-अक्षर को आराम, पृथ्वी शॉ की वापसी ; टेस्ट टीम में सूर्या को मौका

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होम सीरीज और ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध पहले दो टेस्ट के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है।

भारतीय टीम जनवरी के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। उसके बाद 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होगी। टेस्ट सीरीज के बाद टीम को कंगारुओं से 3 वनडे भी खेलने हैं।

वनडे वर्ल्ड कप ईयर की दूसरी सीरीज के लिए चेतन शर्मा की लीडरशिप वाली सिलेक्शन कमेटी ने विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल और अक्षर पटेल को आराम दिया है, क्योंकि ये दोनों पारिवारिक कारणों से टीम के लिए उपलब्ध नहीं थे।

वनडे टीम में राहुल की जगह ईशान किशन और केएस भरत को मौका दिया गया है। जबकि टी-20 में पृथ्वी शॉ को टीम में शामिल किया है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट के लिए सूर्यकुमार यादव को टीम में शामिल किया गया है।

उधर, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान से वनडे सीरीज जीती

टीम इंडिया की घोषणा के थोड़ी देर बाद ही न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान से उसके ही घर में वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली। कीवी टीम ने निर्णायक मैच 2 विकेट से जीता। कराची के मैदान पर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 280 रन बनाए। उसकी ओर से फखर जमान ने शतक जमाया। जबकि आगा सलमान ने 48 रन जोड़े। टिम साउदी ने तीन विकेट चटकाए। जबकि लोकी फर्ग्युसन को 2 विकेट मिले।

281 रनों का लक्ष्य न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने 49वें ओवर में 8 विकेट पर हासिल कर लिया। कीवी टीम की ओर से ग्लेन फिलिप्स (63 रन), केन विलियमसन (53 रन) और ड्वेन कॉन्वे ने अर्धशतक जमाए। मोहम्मद वसीम और आगा सलमान को 2-2 विकेट मिले।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम...

वनडे : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ईशान किशन (विकेटकीपर), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएस भरत, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, शहबाज अहमद, शार्दूल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक।

टी-20 : हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, शिवम मावी, पृथ्वी शॉ और मुकेश कुमार।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट टीम...

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएस भरत (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), आर अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा, मो. शमी, मो. सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, सूर्यकुमार यादव।

श्रीलंका से जीती सीरीज, आखिरी मैच 15 जनवरी को

कीवियों के खिलाफ होम सीरीज से पहले टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज जीत ली है। भारत ने 3 मुकाबलों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारतीय टीम ने पहला मुकाबला 4 विकेट से जीता था। आखिरी मुकाबला 15 जनवरी को खेला जाएगा।

हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का विजयी आगाज

स्पेन को 2-0 से हराया...अमित रोहिदास और हार्दिक सिंह ने दागे गोल

राउरकेला, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने हॉकी वर्ल्ड कप में विजयी आगाज किया है। शुक्रवार को भारतीय टीम ने स्पेन को 2-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ग्रुप-डी के पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर आ गई है, जबकि इंग्लैंड नंबर-1 पर है। पिछले मैच में अंग्रेजों ने वेल्स को 5-0 से हराया। दूसरी ओर, भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में अर्जेंटीना ने साउथ अफ्रीका को 1-0 और ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस को 8-0 से हराया। भारत की ओर से अमित रोहिदास और हार्दिक सिंह ने गोल दागे। अमित प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जीत के बाद रोहिदास ने कहा- 'यह मेरी जिंदगी का अविस्मरणीय पल है। जहां मैं हॉकी खेलते हुए बड़ा हुआ, उसी जगह पर वर्ल्ड कप में पहला गोल दागा। इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मैच देखने परिवार के सभी सदस्य आए थे।' अमित ने कहा- 'यूं ही भारत का सपोर्ट करते रहें, हम जरूर जीतेंगे।'

वहीं, जीत के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने माना- 'हमारी डिफेंस लाइन और मजबूत होनी चाहिए। स्पेन के खिलाफ हमने कई गलतियां की। हमें सीखने की जरूरत है।' पेनल्टी के सवाल पर हरमन ने कहा- 'इसे भूलकर हम आगे बढ़ेंगे।' कोच ग्राहम रीड बोले- 'जब टीम 10 खिलाड़ियों से खेल रही थी, उस समय मैं काफी दबाव में थे।

पहला क्वार्टर: अमित रोहिदास ने दिलाई 1-0 की बढ़त

पहले क्वार्टर के ही खेल में भारत ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के 12वें मिनट में मिले दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर अमित रोहिदास ने रिबाउंड गोल दागा। हालांकि, टीम ने पेनल्टी पर 2 दफा गोल करने के मौके भी गंवाए। 12वें मिनट में कुनिल पेपे को ग्रीन कार्ड मिला।

दूसरा क्वार्टर : हार्दिक के गोल से बढ़त दोगुनी, पेनल्टी चूका स्पेन

हाफ टाइम से पहले स्पेन की टीम ने बराबरी हासिल करने के खूब प्रयास किए, लेकिन भारत के डिफेंडर्स ने उसे विफल कर दिया। उसे 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेहमान टीम उसे भुना नहीं सकी। उसके तुरंत बाद 26वें मिनट में हार्दिक सिंह ने शानदार मैदानी गोल दागते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी। हाफ टाइम से ठीक पहले आकाशदीप को ग्रीन कार्ड मिला।

तीसरा क्वार्टर : इंडिया ने गोल के 3 मौके गंवाए, पेनल्टी चूके कप्तान

हाफ टाइम के बाद दोनों ही टीमों ने आक्रमण जारी रखा। तीसरे क्वार्टर के दूसरे और मैच के 32वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन भारतीय कप्तान हरमनप्रीत इस मौके को भुना नहीं सके। स्पेनिश गोलकीपर रफी एड्रियन ने शानदार बचाव किया। अगले ही मिनट में रेन मार्क को यलो कार्ड मिला। 37वें और 43वें मिनट में भारत को दो पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन गोल नहीं हुआ। तीन क्वार्टर के बाद स्कोर लाइन 2-0 ही रही।

चौथा क्वार्टर : अभिषेक को यलो कार्ड, भारत ने दो पेनल्टी दिए

चौथे क्वार्टर की शुरुआत में अभिषेक को यलो कार्ड मिला। आखिर के 10 मिनट में भारत ने 2 पेनल्टी कॉर्नर दिए, लेकिन स्पेन की टीम गोल करने में नाकाम रही। स्पेन को 53वें और 57वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला।

मेसी को 2440 करोड़ रु. में खरीद सकता है सऊदी

रोनाल्डो के क्लब अल नासर के प्रतिद्वंद्वी क्लब का फोकस मेसी पर

रियाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी अरब के क्लब से जुड़ने के बाद लियोनेल मेसी भी सऊदी के क्लब से जुड़ सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार अल हिलाल क्लब मेसी को शामिल करना चाहता है। रिपोर्ट्स का मानना है कि अल हिलाल मेसी को 2440 करोड़ रुपए सालाना का ऑफर दे सकता है। अल हिलाल सऊदी अरब की घरेलू फुटबॉल में अल नासर का प्रतिद्वंद्वी क्लब है। रोनाल्डो को अल नासर ने 1760 करोड़ रुपए सालाना का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। अगर मेसी इस कॉन्ट्रेक्ट को अपना लेंगे तो वे इतिहास के सबसे महंगे फुटबॉलर बन जाएंगे। पेरिस सेंट जर्मन मेसी की मौजूदा टीम है।

अरब देशों में अल हिलाल और अल नासर को सऊदी लीग का एल क्लासिको माना जाता है। यहां के लोग इसे रियाद डर्बी के नाम से जानते हैं। अगर मेसी अल हिलाल में शामिल होते हैं तो रोनाल्डो और मेसी की बीच की टक्कर को सऊदी में देखा जा सकेगा। सऊदी अरब विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को हिस्सा बनाना चाहता है ताकि वो भविष्य में वर्ल्ड कप की मेजबानी कर सके। मेसी सऊदी अरब के पर्यटन एम्बेसडर हैं। सऊदी अरब की कोशिश है कि वे 2030 वर्ल्ड कप मेजबानी करे, इस कारण वे अपनी घरेलू लीग को विश्व विख्यात बनाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

महिलाओं के लिए कोच नहीं, ट्रेनिंग भी 10 किमी दूर

राज्यों में सर्वे : भेदभाव के कारण अच्छे प्रदर्शन के बाद भी नहीं बढ़ती भागीदारी

खेलडेस्क, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 2002 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की महिला हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत पर आधारित फिल्म चक दे इंडिया सभी को याद होगी। जहां महिला हॉकी टीम ने गोल्ड जीता था। इन गेम्स में लॉन्ग जंप में अंजु बॉबी जॉर्ज ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के साथ ही ब्रॉन्ज अपने नाम किया था। टूर्नामेंट में भारत द्वारा जीते गए 69 मेडल्स में से 32 महिला खिलाड़ियों ने जीते थे। लेकिन यह महिला खेल का सिर्फ एक पक्ष है। दूसरा पहलू यह है कि महाराष्ट्र से सबसे ज्यादा अर्जुन पुरस्कार विजेता होने के बाद भी मुंबई के शिवाजी पार्क में शायद ही कभी लड़कियां मैदान पर नजर आती हैं।

सिंपली स्पोर्ट के 'ब्रेकिंग बैरियर फॉर वीमेन इन स्पोर्ट्स' पायलट सर्वे में बिहार, हरियाणा, मणिपुर, राजस्थान से 213 एथलीट से महिलाओं को आने वाली परेशानियों से संबंधित सवाल पूछे गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1008 पुरुषों पर केवल 257 महिलाओं ने खेलों में हिस्सा लिया। खेल सुविधाओं तक खराब पहुंच, खेलने के लिए सही उपकरण न होना, अच्छी सुविधाओं के लिए 10 किमी दूर जाना, सुरक्षा संबंधी चिंताएं, महिला कोचों की कमी, टूर्नामेंट के लिए असुरक्षित यात्रा और खेल में भेदभाव जैसे कारणों के चलते खेलों में महिलाओं का अच्छा प्रदर्शन भी उनकी भागीदारी को बढ़ावा नहीं दे पा रहा है।

2020 में हुए एक सर्वे में 50% प्रतिभागी एक भी भारतीय महिला खिलाड़ी का नाम नहीं ले पाए थे। वहीं 38% लोग मानते थे कि महिलाओं के टूर्नामेंट पुरुषों के मुकाबले कम दिलचस्प होते हैं। साथ ही केवल 38% लोग ही ऐसे थे, जो महिलाओं के टूर्नामेंट्स देखते थे। बिहार से कोई महिला इंटरनेशनल का हिस्सा नहीं: हरियाणा ने इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में 51 महिलाएं भेजी हैं। यहां पिछले साल खेलों के लिए 18.891 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया था। मणिपुर से 52 महिलाएं इन टूर्नामेंट्स के लिए भेजी गईं, लेकिन बजट के मामले में यहां 12.902 लाख आवंटित किए गए। राजस्थान से 5 महिलाएं टूर्नामेंट के लिए गईं। वहीं, बिहार से एक भी महिला इंटरनेशनल टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बनी। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक कमेटी के निर्देशों के मुताबिक, खेलों से जुड़े किसी भी ऑर्गनाइजेशन में 30% महिलाओं का होना जरूरी है। इसके बावजूद भारत में मौजूद 8 नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन में एक भी महिला प्रतिनिधि नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड महिला खिलाड़ियों को कोचिंग देने के लिए संपर्क ही नहीं किया जाता क्योंकि वो प्रोफेशनल स्पोर्ट छोड़ चुकी होती हैं।

40 ओवर के मैच में खेली 508 रन की पारी

13 साल के यश चावडे ने इंटर स्कूल मैच में रचा इतिहास, टीम 705 रन से जीती

नागपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के 13 साल के बल्लेबाज यश चावडे ने इतिहास रच दिया है। यश ने मुंबई इंडियंस जूनियर स्कूल टूर्नामेंट में 508 रन की नाबाद पारी खेली। नागपुर में शुक्रवार को खेले गए 40-40 ओवर के इस मैच में यश की टीम सरस्वती विद्यालय ने बिना विकेट खोए 714 रन बना दिए।

जवाब में प्रतिद्वंद्वी सिद्धेश्वर विद्यालय की टीम 5 ओवर में 9 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इस तरह सरस्वती विद्यालय ने 705 रन से मैच जीत लिया।

यश ने अपनी पारी में 178 गेंदों का सामना किया और 81 चौके और 18 छक्के जमाए। यश किसी भी इंटर स्कूल लिमिटेड ओवर क्रिकेट मैच में 500 रन या इससे ज्यादा की पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इस कैटेगरी में सबसे बड़ी पारी खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड श्रीलंका के चिरथ सेलेपेरुमा के नाम है। चिरथ ने 2022 में श्रीलंका में हुए एक अंडर-15 मैच में 553 रन की पारी खेली थी। किसी भी फॉर्मेट और क्रिकेट स्टैटिशियन मोहनदास मेनन के मुताबिक यश की पारी किसी भी फॉर्मेट और किसी भी एज ग्रुप में 500 रन से ऊपर की सिर्फ 10वीं पारी है। इनमें से पांच बार यह कारनामा किसी भारतीय बल्लेबाज ने किया है। यश से पहले प्रणव धनवड़े (नाबाद 1009 रन), प्रियांशु मोलिया (556 रन), पृथ्वी शॉ (546 रन) और डाडी हावेवाला (515) इतनी बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज थे।

इन चारों बल्लेबाजों ने एक से ज्यादा दिन के मैच में इतने रन बनाए थे। यश लिमिटेड ओवर क्रिकेट में 500+ रन बनाने वाले पहले भारतीय बने हैं। यश शुरुआत में स्केटिंग में करियर बनाने की कोशिश कर रहे थे। 10 साल की उम्र तक उन्होंने इस खेल को आजमाया। स्टेट और नेशनल लेवल पर अच्छे नतीजे भी आए। हालांकि, उनके पिता को लगा कि भारत में इस खेल का बहुत बेहतर भविष्य नहीं है। फिर उन्हें यश को क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। सरस्वती विद्यालय से पहले भी जाने-माने क्रिकेटर सामने आए हैं। विदर्भ रणजी टीम के मौजूदा कप्तान फैज फजल भी इसी स्कूल के स्टूडेंट रहे हैं। फैज ने पहले अंडर-14 क्रिकेट में स्कूल टीम की ओर से खेलते हुए 280 रन की पारी खेली थी। विदर्भ के सबसे सफल विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर भी इसी स्कूल की टीम से खेलते थे।

मलेशिया ओपन 2023: सात्विक और चिराग की जोड़ी

सेमीफाइनल में पहुंची, क्वार्टर फाइनल में हारे प्रणय

खेल डेस्क, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने चीन की जोड़ी को 17-21, 22-20, 21-9 से हरा दिया। पहला गेम हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। दोनों ने अगले दोनों गेम जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शुक्रवार को मलयेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पुरुष युगल में दोनों ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स चैंपियन लियू यू चेन और ओउ जुआन यी की जोड़ी को तीन गेम चले मुकाबले में हरा दिया। दूसरी ओर, एचएस प्रणय पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में दुनिया के नंबर सात खिलाड़ी जापान के कोडाई नारोका के खिलाफ हार गए।

सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने चीन की जोड़ी को 17-21, 22-20, 21-9 से हरा दिया। पहला गेम हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। दोनों ने अगले दोनों गेम जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली। अंतिम चार दौर में दोनों का सामना एक और चीनी जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग से होगा।

एचएस प्रणय की बात करें तो केरल के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने 84 मिनट तक नारोका का सामना किया। पहला गेम हारने के बाद प्रणय ने वापसी की और दूसरे गेम को अपने नाम कर लिया, लेकिन वह अपनी लय को तीसरे गेम में बरकरार नहीं रख पाए। प्रणय इस मैच को 16-21, 21-19, 10-21 से हार गए। नरोका के खिलाफ प्रणय अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाए। उन्होंने तीनों मुकाबलों में हार मिली है।

तीसरे वनडे से पहले टीम इंडिया ने लिया आशीर्वाद

देशी अंदाज में की पूजा अर्चना

खेल डेस्क, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी यहां के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर के पुरोहितों के साथ तस्वीरें भी ली जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए टीम इंडिया यहां पहुंच चुकी है। श्रीलंका के खिलाफ तीसरे मैच से पहले भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा अर्चना के लिए गए जिसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस तस्वीर में सूर्यकुमार यादव, युजवेंद्र चहल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी नजर आ रहे हैं। बता दें कि टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ तीसरा और आखिरी मुकाबला 15 जनवरी को खेला जाना है। इससे पहले दो वनडे मैचों में भारतीय टीम ने लगातार जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का पहला मैच गुवाहाटी में खेला गया था जबकि दूसरा मुकाबला कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में हुआ।

हॉकी वर्ल्ड कप 2023 : मैदान पर अपना जलवा बिखेरेगी डिफेंडिंग चैंपियन बेल्जियम

जर्मनी भी दिखाएगी दम

खेल डेस्क, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप 2023 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। इसके पहले दिन कई रोमांचक मैच खेले गए जिसमें भारत ने विजयी आगाज करते हुए स्पेन को हराया। वहीं इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया ने भी बड़ी जीत हासिल की। आज का दिन भी काफी शानदार रहने वाला है। फिलहाल दिन का पहला मैच न्यूजीलैंड और चील के बीच खेला जा रहा है। वहीं आगे डिफेंडिंग चैंपियन बेल्जियम भी अपना दमखम दिखाने वाली है। बेल्जियम के अलावा वर्ल्ड नंबर 4 जर्मनी भी आज एक्शन में दिखेगी। आज का दूसरा मैच मलेशिया और नीदरलैंड के बीच खेला जाएगा। विश्व नंबर 3 नीदरलैंड विश्व कप में पसंदीदा में से एक है। डच ने तीन बार ट्रॉफी जीती है, हालांकि उनकी आखिरी जीत 1998 में आई थी। वे 21वीं सदी में अपने पहले खिताब का लक्ष्य बना रहे हैं। वे करीब आए लेकिन पिछले दो संस्करणों में उपविजेता रहे।

नीदरलैंड ने 30 साल से अधिक उम्र के केवल दो खिलाड़ियों के साथ एक युवा पक्ष का चयन किया है। युवा टीम मलेशिया के खिलाफ अभियान शुरू करती है और एक प्रमुख जीत हासिल करने का लक्ष्य रखती है। मलेशिया विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर है। हालांकि वे भारत, जापान और कोरिया के खिलाफ जीत के साथ पिछले साल की तुलना में अच्छे संपर्क में हैं। उन्होंने नवंबर में सुल्तान अजलान शाह कप भी जीता और आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया। नीदरलैंड के खिलाफ हालांकि उसके सामने बड़ी चुनौती है। भारत में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप 2023 में आज तीसरा मैच डिफेंडिंग चैंपियन बेल्जियम और 2018 के हॉकी वर्ल्ड कप में क्वालिफाई भी नहीं कर पाने वाली साउथ कोरिया के बीच खेला जाएगा। इस मैच की शुरुआत शाम को 5 बजे से होगी। बेल्जियम के पास 17 खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पिछले संस्करण में खिताब जीता था। फेलिक्स डेनेयर के नेतृत्व वाली टीम जून में प्रो लीग में उपविजेता रही। नंबर 2 की टीम पूरे फॉर्म के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है और एक प्रमुख जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहती है। 2018 संस्करण से चूकने के बाद दक्षिण कोरिया ने विश्व कप में प्रवेश किया। वे ज्यादातर जंग जोंघ्युन, ली नाम्ग्योंग और ली सेउंग जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा करते हैं। ये तीनों खिलाड़ी अनुभवी हैं लेकिन इनकी उम्र 35 साल से ज्यादा है। उन्होंने आखिरी बार छह साल पहले बेल्जियम का सामना किया था। पूर्वी एशियाई टीम गत चैम्पियन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी।

आंद्रे हेनिंग द्वारा प्रशिक्षित टीम ने कुछ युवा लोगों को टीम में शामिल किया है। टीम के आठ खिलाड़ियों के पास 50 से कम कैप हैं। कुछ अनुभवहीनता के बावजूद, उनके हाल के परिणाम उत्कृष्ट रहे हैं। मैट्स ग्रामबश की अगुवाई वाली टीम ने नवंबर में प्रो लीग में डिफेंडिंग चैंपियन बेल्जियम को 3-2 से हराया था। युवा टीम का लक्ष्य अपनी फॉर्म को जारी रखना और अपने पहले मैच में जापान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करना है।

जापान ने आखिरी बार 2006 में विश्व कप में भाग लिया था। उन्होंने आखिरकार 17 साल बाद कट हासिल किया है। हालाँकि उन्हें एक कठिन समूह में रखा गया है जिसमें बेल्जियम और जर्मनी हैं। दक्षिण कोरिया और मलेशिया जैसी टीमों के खिलाफ हारकर विश्व कप के निर्माण के दौरान उनके मैचों में उनका प्रदर्शन खराब रहा। उन्हें अपने पहले मैच में जर्मनी के खिलाफ कठिन समय का सामना करना पड़ेगा।

भारत के कृषि मॉडल को बदलने की जरूरत : केसीआर

सीएम ने लोगों को दी संक्रांति की बधाई

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शनिवार को अपने राज्य की तर्ज पर गुणात्मक विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए देश के कृषि मॉडल को बदलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रगति की प्रेरणा से जिस दिन कृषि पूरे देश के किसान समुदाय के लिए खुशी के त्योहार में बदल जाएगी, उस दिन भारत में एक पूर्ण क्रांति होगी। उन्होंने सभी लोगों के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से देश के कृषि क्षेत्र के मॉडल को बदलने की आवश्यकता को रेखांकित किया। केसीआर ने भोगी, मकर संक्रांति और कनुमा त्योहारों के अवसर पर तेलंगाना और भारत के किसानों और लोगों को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संक्रांति किसानों के खेतों से धान के स्टॉक के उनके घरों तक पहुंचने के शुभ अवसर पर मनाया जाने वाला

उत्सव है। संक्रांति त्योहार किसानों द्वारा धरती माता को धन्यवाद देने का दिन है।

केसीआर ने दावा किया कि तेलंगाना सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए की गई गतिविधियों के साथ, हरे-भरे फसल के खेतों वाले तेलंगाना के गाँव, अनाज के ढेर, डेयरी मवेशी और मीठी मिट्टी की महक संक्रांति की चमक को बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के कृषि क्षेत्र द्वारा हासिल की गई प्रगति पूरे देश के लिए एक रोल मॉडल बन गई है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना एकमात्र राज्य है जो कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लाखों करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने रैतु बंधु, 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति और सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के लिए 2,16,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। उन्होंने कहा कि यह किसानों के कल्याण के प्रति तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित किसानों के कल्याण और कृषि विकास गतिविधि के लिए क्रांतिकारी कार्य योजना के साथ, तेलंगाना राज्य के गठन के समय खेती का क्षेत्र 1.31 करोड़ एकड़ से बढ़कर 2.40 करोड़ एकड़ हो गया है। केसीआर ने कहा कि यह देश के कृषि क्षेत्र में एक क्रांतिकारी विकास है। उन्होंने दावा किया कि कृषि, जिसे एक व्यर्थ पेशा माना जाता था, अब तेलंगाना में एक उपयोगी व्यवसाय है और किसानों में यह विश्वास जगाया कि कृषि पर निर्भर रहने से उज्ज्वल जीवन का निर्माण होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में पूरे किसान समुदाय के बीच इसी तरह का विश्वास पैदा किया जाएगा।

चंद्रबाबू ने विवादास्पद सरकारी आदेश की प्रतियां जलाईं

अमरावती, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को भोगी आग में विवादास्पद सरकारी आदेश (जीओ) की प्रतियां जलाईं। चित्तूर जिले में अपने पैतृक गांव नरवरिपल्ली में संक्रांति समारोह के दौरान नायडू ने सड़कों पर सार्वजनिक सभाओं को प्रतिबंधित करने के लिए इस महीने की शुरुआत में जारी किए गए जीओ नंबर 1 की प्रतियों को आग लगा दी। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के कथित अलोकतांत्रिक कदम के खिलाफ नायडू और अन्य टीडीपी नेताओं ने भोगी के समर्थकों द्वारा नारेबाजी के बीच जीओ की प्रतियां पारंपरिक अलाव में जलाईं। सरकार ने दो जनवरी को जीओ जारी कर जन सुरक्षा का हवाला देते हुए सड़कों और सड़क किनारे जनसभाओं पर रोक लगा दी थी। यह आदेश 28 दिसंबर को नेल्लोर जिले के कंदुकुर में चंद्रबाबू नायडू के रोड शो के दौरान मची भगदड़ के मद्देनजर आया है। इस

घटना में दो महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। विपक्षी दलों ने जीओ की आलोचना की है और मांग की है कि सरकार इसे तुरंत वापस ले।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने गुरुवार को जीओ को 23 जनवरी तक के लिए निलंबित कर दिया। जीओ को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा। इस बीच, चंद्रबाबू नायडू ने अपने पैतृक गांव में अपने परिवार के सदस्यों के साथ संक्रांति समारोह में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर दोनों तेलुगु राज्यों के लोगों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि यह त्योहार उनके जीवन में समृद्धि लाएगा।

बाद में सभा को संबोधित करते हुए चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि संक्रांति तेलुगु लोगों के लिए एक प्रमुख त्योहार है। उन्होंने टिप्पणी की, टीडीपी के उदय से पहले और बाद में तेलुगु लोगों के जीवन को देखा जाना चाहिए। हालांकि यह महान दिवंगत पोट्टी श्रीरामुलु थे, जिन्होंने तेलुगु राज्य हासिल किया था, स्वर्गीय एनटी रामाराव थे, जिन्होंने उन्हें सम्मान दिया।

उन्होंने कहा कि युवा देश की महान संपत्ति हैं, उन्होंने कहा कि जिस सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र को उन्होंने प्रोत्साहित किया, वह अब उत्कृष्ट परिणाम दे रहा है। उन्होंने कहा, कुछ नेता आज के बारे में सोचते हैं और कुछ भविष्य के बारे में सोचते हैं। मैं हमेशा युवाओं के भविष्य के बारे में सोचता हूं। यह कहते हुए कि उन्होंने जी-20 तैयारी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुझाव दिया था कि 2047 के लिए एक विजन दस्तावेज तैयार किया जाए, चंद्रबाबू नायडू ने याद किया कि कैसे उनकी पहल के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना शुरू की गई थी। उन्होंने राज्य में सड़कों की बदहाली पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि हालांकि इन सड़कों पर चलने के बाद उन्हें कुछ तकलीफ हुई है, लेकिन वह लोगों की खातिर अपनी यात्रा जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं और सरकार मेरी बैठकों तक को सुरक्षा मुहैया नहीं करा रही है। अगर मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को पुलिस का समर्थन प्राप्त है, तो मुझे राज्य के पांच करोड़ लोगों का समर्थन प्राप्त है।

केंद्र बना रहा है सिंगरेनी कोलियरीज का निजीकरण की योजना : हरीश

मंत्री ने बीजेपी हटाओ, सिंगरेनी बचाओ अभियान शुरू किया

खम्मम, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तेलंगाना में सिंगरेनी कोलियरियों के निजीकरण का आरोप लगाते हुए, वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने खम्मम जिले में "बीजेपी हटाओ, सिंगरेनी बचाओ" अभियान शुरू किया है। जैसा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) 18 जनवरी को खम्मम में एक विशाल जनसभा आयोजित करने की योजना बना रही है, पार्टी के नेताओं ने शनिवार को खम्मम जिले के येलंदू में एक तैयारी बैठक की।

बैठक को संबोधित करते हुए

18 जनवरी को खम्मम में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा की तैयारी का जायजा लेते हुए वित्त मंत्री टी. हरीश राव व अन्य।

मंत्री हरीश राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सिंगरेनी कोलियरीज का निजीकरण करने की योजना बना रही है और अपनी साजिश के तहत सिंगरेनी कोलियरीज को धीरे-धीरे कर्ज के जाल में धकेला जा रहा है। पूर्व सांसद और बीआरएस नेता पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर निशाना साधते हुए, जो कुछ समय से पार्टी से नाराज चल रहे हैं और जल्द ही भाजपा में शामिल होने की योजना बना रहे हैं, हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा के सत्ता में आने की कोई गुंजाइश नहीं है और यह जो लोग भगवा दल में शामिल हो रहे हैं उनके लिए यह आत्महत्या के प्रयास जैसा ही बना रहे। सांसद रविचंद्र, विधायक सांड्रा वेंकट वीरैया और आर. कांता राव, पूर्व मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और अन्य उपस्थित थे।

केसीआर शासन में पीड़ित हैं तेलंगाना में लोग : बंडी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि राज्य के लोग तेलंगाना राज्य के गठन के आठ साल बाद भी मुख्यमंत्री केसीआर के शासन में पीड़ित हैं।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, संजय ने कहा कि लोगों के जीवन में कोई बदलाव नहीं आया है क्योंकि राज्य अधिशेष राजस्व राज्य से कर्ज में डूबा हुआ है। यह कहते हुए कि किसान देश के लोगों का पेट भर रहे हैं, उन्होंने कहा कि तेलंगाना किसानों की आत्महत्या के मामले में चौथे स्थान पर है। संजय ने कहा कि वह समस्याओं का सामना करने के बावजूद अपना पेशा जारी रखने के लिए किसानों के आगे नतमस्तक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले साल लोगों के जीवन में बदलाव आएगा और कहा कि किसान संक्रांति त्योहार हर्षोल्लास और खुशी के साथ मनाएंगे क्योंकि वे राज्य सरकार के "क्रूर" शासन से मुक्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह अगले साल राज्य में कर्ज मुक्त, आत्महत्या मुक्त और आंसू मुक्त शासन देखना चाहते हैं। उन्होंने इस अवसर पर राज्य के लोगों को भोगी और संक्रांति की बधाई दी।

तेलुगु राज्यों में भोगी से साथ संक्रांति शुरू

अमरावती, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में शनिवार को सामान्य धूमधाम और उल्लास के बीच संक्रांतिसमारोह भोगी के साथ शुरू हुआ। प्रमुख फसल उत्सव को चिह्नित करने के लिए दोनों तेलुगु

राज्यों के गाँव और कस्बे पारंपरिक उत्सवों के साथ जीवंत हो उठे। तीन दिवसीय समारोह की शुरुआत भोगी या पुराने कपड़े, चटाई और झाड़ू जैसी पुरानी और अवांछित वस्तुओं को जलाने से हुई, इस विश्वास में कि उनके जीवन में नई चीजें आएंगी। गांवों और कस्बों में लोगों ने दिन की शुरुआत भोग और प्रार्थना से की। अलाव के चारों ओर महिलाएं खेलती और नाचती नजर आईं।

संक्रांति एक प्रमुख त्योहार है, जो समृद्ध तेलुगु संस्कृति पर प्रकाश डालता है। मंत्रियों, सांसदों, राज्य के विधायकों और सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने दोनों राज्यों के विभिन्न हिस्सों में भोगी में भाग लिया। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में अपने बेटे के घर भोगी में भाग लिया। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ त्योहार मनाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

वेंकैया नायडू ने अपने परिवार के सदस्यों की ओर से लोगों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि यह त्योहार उनके लिए खुशी और समृद्धि लेकर आएगा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा)के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने चित्तूर जिले में अपने पैतृक गाँव नारवरिपल्ली में अपने परिवार के सदस्यों के साथ भोगी में भाग लिया। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी, तेलंगाना के राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने लोगों को संक्रांति की बधाई दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.